



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 18] नई दिल्ली, शनिवार, मई 1, 1976 (वैशाख 11, 1898)

No. 18] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 1, 1976 (VAISAKHA 11, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

मंत्रिमंडल सचिवालय  
(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

प्रवर्तन निदेशालय  
नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1976

नियुक्ति

सं० ए-11/8/76—श्री के० वाई० राणे को प्रवर्तन निदेशालय के बम्बई क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 3-3-76 (अपरान्त) से अगले आदेशों तक के लिये प्रवर्तन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

नृपेन बक्सी, उप निदेशक

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल 1976

सं० पी० एक०/आर० 13-जी—श्री के० ए० रामासुब्रह्मण्यम सचिव, केन्द्रीय सतर्कता आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश-पति आर० एस० सरकारिया द्वारा संचालित जांच आयोग में सचिव के पद के लिये चुने जाने पर 31 मार्च, 1976 के अपरान्त से केन्द्रीय सतर्कता आयोग में पद का कार्यभार छोड़ दिया।

श्रीनिवास, अवर सचिव

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल 1976

सं० ए-19030/1/76 प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा श्री एस० एस० लाल, आर० एस० श्री०, पश्चिम रेलवे, बम्बई को दिनांक 22-3-1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी (लेखा) के रूप में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,  
प्रशान्त अधिकारी (स्था०)

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस

नई दिल्ली 110001, दिनांक 5 अप्रैल

सं० श्री०-II-1041/76 स्थापना  
बीना बेजामन ने उनके त्यागपत्र से कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, गृह विवेचन, के पद का कार्यभार 16 अप्रैल 1976 को संभाल लिया।

सं० श्री०-II-1036/75-स्थापना—  
(श्रीमती) एस० अरुणा देवी को केन्द्रीय

(सारी)  
स्वरूप  
दल  
त्याग

कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में 5-3-76 पूर्वाह्न से 3 महीने की अवधि के लिये नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर (श्रीमती) एस० अरुणा देवी को 2 बेस अस्पताल, के० रि० पु० दल, हैदराबाद में तैनात किया गया है।

सं० ओ०-II-1055/72-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री बी० रामाकृष्णा राव उप पुलिस अधीक्षक, 23 बी० बटालियन, के० रि० पु० दल का त्याग पत्र दिनांक 24-11-75 पूर्वाह्न से स्वीकार करते हैं।

ए० के० बन्धोपाध्याय,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 26 मार्च, 1976

सं० 7(36)/13145—इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या 7(36)/3834, दिनांक 24-6-75 एवं संख्या 7(36)/10023, दिनांक 23-12-75 के आगे श्री एस० टी० सिरसट को तदर्थ आधार पर 16-6-1976 तक की अवधि के लिये अग्निशमन अधिकारी के पद पर कार्य करने की अनुमति दी जाती है।

रा० विश्वनाथन, महा प्रबन्धक

### भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग

भारत के नियन्त्रक तथा महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1976

सं० 231-सी० ए० 1/8-76—अपर उप नियन्त्रक महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) को सहर्ष पदोन्नत किया है तथा उन्हें लेखापरीक्षा अधिकारियों (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न करने के लिये नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक नाम के सामने कालम 3 में दिए गए कार्यालयों में लेखा परीक्षा अधिकारियों (वाणिज्यिक) के रूप में नीचे दिए गए कालम 4 में उल्लिखित तिथियों से अगला आदेश मिलने तक तैनात किया है।

अनुभाग अधिकारी (वाणिज्यिक) का नाम	पदोन्नति से पूर्व जिस कार्यालय में कार्यरत थे	कार्यालय जिस में पदोन्नति पर लेखा परीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में तैनाती की गई	लेखा परीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न करने की तिथि
1	2	3	4
सर्वश्री :			
1. पी० टी० मैथ्यू	महालेखाकार केरल	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, मद्रास।	23-2-76 (पूर्वाह्न)
2. एच० सी० अग्रवाल	महालेखाकार, मध्य प्रदेश	महालेखाकार, उड़ीसा	26-2-76 (पूर्वाह्न)
3. ए० मुखर्जी	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, कलकत्ता।	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, कलकत्ता।	10-2-76 (पूर्वाह्न)
4. एम० एम० जोशी	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, नई दिल्ली।	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, कलकत्ता।	27-2-76 (पूर्वाह्न)
5. बी० नानाथ	महालेखाकार, जम्मू तथा काश्मीर।	महा लेखाकार, जम्मू तथा काश्मीर।	31-1-76 (पूर्वाह्न)
6. ओ० ए० जोषे	महालेखाकार, केरल।	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, मद्रास।	26-2-76 (पूर्वाह्न)
7. बी० वी	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, बंगलौर।	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, बंगलौर।	29-1-76 (पूर्वाह्न)
	महालेखाकार, केरल।	महालेखाकार-II (तमिलनाडू), मद्रास	24-2-76 (पूर्वाह्न)

एस० डी० भट्टाचार्य  
उप निदेशक (वाणिज्यिक)

अहमदाबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1976

सं० ऐस्ट (ए)/जी० ओ०/2(169)/23—महालेखाकार गुजरात ने अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री टी० एस० वेंकटरामन को दिनांक 18 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से लेकर अगला आदेश मिलने तक अपर महालेखाकार, गुजरात, राजकोट के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा-अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

दिनांक 5 अप्रैल 1976

सं० ऐस्ट (II)/जी० ओ०/2(171)/49—महालेखाकार गुजरात के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री पी० वी० रामचन्द्रन को, दिनांक 18 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से लेकर अगला आदेश मिलने तक महालेखाकार, गुजरात, अहमदाबाद के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

के० एच० छाया, उप-महालेखाकार (प्रशा०)  
महालेखाकार गुजरात  
अहमदाबाद, का कार्यालय

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डेनेंस फैक्टोरियां  
भारतीय आर्डेनेंस फैक्टोरियां सेवा  
कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च 1976

सं० 23/76/जी०—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अफसरों को जो 1-1-73 को, एडीशनल डी०जी० ओ० एफ०/आर० डी० ओ० एफ० के पद पर रु० 2250-125-2500 के संशोधन-पूर्व वेतनक्रम, जो अब 1-5-74 से रु० 3000/- (निश्चित) संशोधित हो गया है, में ये रु० 2500-125/2-2750 के वेतनक्रम, जो डी०डी० जी० ओ० एफ०/जी०एम० (एस०जी०) के स्तर 1 का है, में 30 अप्रैल, 1974 तक या सेवा निवृत्ति की तारीख तक, जो भी पहले पड़े, वेतन लेने को प्राधिकृत करते हैं:—

1. श्री एस० गजेन्द्र सिंह,
2. डा० एस० भट्टाचार्य,
3. श्री पी० राजागोपालन,
4. श्री आर० सी० वर्मा,
5. श्री ए० एम० जैकब।

सं० 24/76/जी०—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अफसरों को जो 1-1-73 को रु० 2000-125-2250 के वेतनक्रम में डी०डी०जी०ओ०एफ०/जी०एम० (एस० जी०) के पद पर थे, आई० ओ० एफ० एस० के डी० डी० जी० ओ० एफ०/जी० एम० (एस० जी०) के स्तर 1 पर रु० 2500-125/-2-2750 के वेतनमान में प्रत्येक के नामों के सामने दर्शायी गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:—

1. श्री सिरि राम, स्थायी डी०डी०जी०ओ०एफ०/जी०एम० (एस० जी०)—1 जनवरी, 1973।
2. श्री ओ० पी० गुप्ता, स्थायी डी०डी०जी०ओ०एफ०/जी० एम० (एस० जी०)—1 जनवरी, 1973।

3. श्री के० एल० बजाज, स्थायी डी०डी०जी०ओ०एफ०/जी०एम० (एस० जी०)—1 जनवरी, 1973।

4. श्री एस० सी० दास गुप्ता, स्थायी डी०डी०जी०ओ०एफ०/जी०एम० (एस० जी०)—1 जनवरी, 1973।

5. श्री आर० एन० दत्ता, स्थायी डी०डी० जी०ओ०एफ०/जी०एम० (एस० जी०)—1 जनवरी, 1973।

6. श्री सी० माधवन, स्थायी डी०डी०जी० ओ०एफ०/जी० एम० (एस० जी०)—15 जनवरी, 1973।

7. श्री एस० डी० मलहोत्रा, स्थायी डी०डी०जी०ओ०एफ०/जी०एम० (एस० जी०)—7 मार्च, 1973।

आर० एम० मजूमदार  
महानिदेशक, आर्डेनेंस फैक्टोरियां

श्रम मंत्रालय

खान सुरक्षा महानिदेशालय

धनबाद-826001, दिनांक 2 अप्रैल 1976

सं० 9(1)/76-प्रशासन-1/5287—1. हैदराबाद सह-क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री पी० एन० मेहता, खान सुरक्षा सह-निदेशक, (एम० एस० ई०), धनबाद ने अपने धनबाद स्थित कार्यालय का पद भार 19 जुलाई, 1975, अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा सह-निदेशक, हैदराबाद सह-क्षेत्र कार्यालय का पद भार 1 अगस्त, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

2. मुख्यालय, धनबाद स्थानान्तरित होने पर, श्री के० पाल, सह-निदेशक, हैदराबाद सह-क्षेत्र, हैदराबाद, ने अपने हैदराबाद स्थित कार्यालय का पद भार 2 अगस्त, 1975 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा सह-निदेशक (परीक्षा), धनबाद, कार्यालय का पद भार 16 अगस्त, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

3. मुख्यालय, धनबाद स्थित सह-निदेशक, (एस० डी० 1) कार्यालय में स्थानान्तरित होने पर श्री लाल मोहन मिश्र, खान सुरक्षा सहनिदेशक (परीक्षा) ने अपने कार्यालय का पद भार 19 अगस्त, 1975 पूर्वाह्न को त्याग कर उसी समय उसी दिन खान-सुरक्षा सह-निदेशक (एस० डी०-1), कार्यालय का पद भार ग्रहण किया।

4. शहडोल सह-क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री ए० टथुवा-मूर्ति खान सुरक्षा उप-निदेशक, नागपुर सह-क्षेत्र ने अपने नागपुर स्थित कार्यालय का पद भार 1 अक्तूबर, 1975 अपराह्न को त्याग कर, उप निदेशक, शहडोल सह-क्षेत्र कार्यालय का पद भार 10 अक्तूबर, 1975 अपराह्न को ग्रहण किया।

5. कोडरमा सह-क्षेत्र, कोडरमा, स्थानान्तरित होने पर श्री जे० पी० शर्मा, खान सुरक्षा उप-निदेशक, धनबाद सह-क्षेत्र सं० 3 धनबाद ने अपने कार्यालय का पद भार 5 अगस्त, 1975, अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उप-निदेशक, कोडरमा सह-क्षेत्र कार्यालय का पद भार 11 अगस्त, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

6. चाइबासा सहक्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री श्रीनिवास, खान सुरक्षा उप-निदेशक, (मुख्यालय), धनबाद ने अपने धनबाद स्थित कार्यालय का पदभार 31 मई, 1975 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उप-निदेशक, चाइबासा, सहक्षेत्र कार्यालय का पदभार 12 जून, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

7. बरौदा उप-क्षेत्र बरौदा स्थानान्तरित होने पर, श्री बी० एन० सिंह, खान सुरक्षा उप-निदेशक, चाइबासा सहक्षेत्र ने अपने चाइबासा स्थित कार्यालय का पदभार 30 जून 1975 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उपनिदेशक बरौदा उपक्षेत्र कार्यालय का पदभार 8 जुलाई, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

8. रामगढ़, उपक्षेत्र, रामगढ़ स्थानान्तरित होने पर श्री वितय महाजन, खान सुरक्षा उपनिदेशक, धनबाद सहक्षेत्र सं० 3 धनबाद, अपने धनबाद स्थित कार्यालय का पदभार 12 सितम्बर, 1975 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उप-निदेशक रामगढ़ उप-क्षेत्र कार्यालय का पदभार 23 सितम्बर, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

9. परासिया उप क्षेत्र, परासिया स्थानान्तरित होने पर श्री एस० एन० मिश्र खान सुरक्षा उप निदेशक उरगांव सहक्षेत्र, उरगांव ने अपने उरगांव स्थित कार्यालय का पदभार 13 अगस्त, 1975 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उप-निदेशक परासिया उपक्षेत्र कार्यालय का पदभार 26 अगस्त, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

10. उरगांव सहक्षेत्र, उरगांव स्थानान्तरित होने पर श्री एच० के० राय, खान सुरक्षा उप निदेशक, पूर्वीय क्षेत्र, सीतारामपुर ने अपने सीतारामपुर स्थित कार्यालय का पदभार 11 जुलाई, 1975 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उप-निदेशक उरगांव सहक्षेत्र कार्यालय का पदभार 24 जुलाई, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

11. मध्य प्रदेश, नागपुर स्थानान्तरित होने पर श्री जी० एस० धालीवाल, खान सुरक्षा उप निदेशक, परासिया उप क्षेत्र, परासिया ने अपने परासिया स्थित कार्यालय का पदभार 26 अगस्त, 1975 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उपनिदेशक (व्यावसायिक प्रशिक्षण) नागपुर कार्यालय का पदभार 4 सितम्बर, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

12. नागपुर, सहक्षेत्र, नागपुर स्थानान्तरित होने पर श्री जे० एन० जौहरी खान सुरक्षा उप निदेशक (मुख्यालय) धनबाद ने अपने धनबाद स्थित कार्यालय का पदभार 2 जुलाई, 1975 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उप निदेशक नागपुर सहक्षेत्र कार्यालय का पदभार 14 जुलाई, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

13. धनबाद सहक्षेत्र संख्या 3, धनबाद स्थानान्तरित होने पर श्री पी० के० सिंह, खान सुरक्षा उपनिदेशक, सहडौल सहक्षेत्र, सहडौल ने अपने सहडौल स्थित कार्यालय का पदभार 29 सितम्बर, 1975 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उपनिदेशक धनबाद सहक्षेत्र संख्या 3, धनबाद कार्यालय का पदभार 8 अक्तूबर, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

14. सहडौल सह-क्षेत्र, सहडौल स्थानान्तरित होने पर श्री आर० एस० गुप्ता, खान सुरक्षा उप-निदेशक, सीतारामपुर सहक्षेत्र संख्या 1 ने अपने सीतारामपुर स्थित कार्यालय का पदभार 1 जुलाई, 1975 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उप निदेशक सहडौल सहक्षेत्र कार्यालय का पदभार 14 जुलाई, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

15. सीतारामपुर सहक्षेत्र संख्या 1 स्थानान्तरित होने पर श्री सीताराम सिन्हा, खान सुरक्षा उप निदेशक धनबाद सहक्षेत्र संख्या 2 ने अपने धनबाद स्थित कार्यालय का पदभार 7 अगस्त, 1975 अपराह्न को त्याग कर खा० सु० उप निदेशक, सीतारामपुर सहक्षेत्र संख्या 1 कार्यालय का पदभार 19 अगस्त, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

16. धनबाद सहक्षेत्र संख्या 2 स्थानान्तरित होने पर श्री एस० सी० बतरा, खान सुरक्षा उपनिदेशक, सहडौल सहक्षेत्र सहडौल ने अपने सहडौल स्थित कार्यालय का पदभार 30 जुलाई, 1975 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उप निदेशक धनबाद सहक्षेत्र संख्या 2, धनबाद कार्यालय का पदभार 11 अगस्त, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

17. उत्तरीय क्षेत्र (व्यावसायिक प्रशिक्षण) धनबाद स्थानान्तरित होने पर श्री टी० के० मजूमदार, खान सुरक्षा उप-निदेशक, उत्तरीय क्षेत्र, धनबाद ने अपने कार्यालय का पदभार 7 अगस्त, 1975 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उप निदेशक (व्यावसायिक प्रशिक्षण) कार्यालय का पदभार उसी दिन उसी समय ग्रहण किया।

18. धनबाद सहक्षेत्र संख्या 2 धनबाद स्थानान्तरित होने पर श्री आर० एस० मिश्रा खान सुरक्षा उपनिदेशक (व्यावसायिक प्रशिक्षण) उत्तरीय क्षेत्र धनबाद ने अपने कार्यालय का पदभार 7 अगस्त, 1975 अपराह्न को त्याग कर उसी दिन उसी समय खान सुरक्षा उपनिदेशक, धनबाद सहक्षेत्र, संख्या 2 कार्यालय का पदभार ग्रहण किया।

19. मुख्यालय धनबाद स्थानान्तरित होने पर श्री विजय कुमार शरण, खान सुरक्षा उप-निदेशक, कोडरमा ने अपने कोडरमा स्थित कार्यालय का पदभार 19 जुलाई 1975 अपराह्न को त्याग कर खान उप निदेशक (एम० डी०) मुख्यालय धनबाद कार्यालय का पदभार 26 जुलाई, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

20. सीतारामपुर सहक्षेत्र, संख्या 1 स्थानान्तरित होने पर श्री सुनील रंजन सरकार खान सुरक्षा उप-निदेशक (एम० डी०) मुख्यालय ने अपने धनबाद स्थित कार्यालय का पदभार 23 सितम्बर, 1975 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उप-निदेशक सीतारामपुर सहक्षेत्र संख्या 1 कार्यालय का पदभार 1 जनवरी, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

21. सीतारामपुर सहक्षेत्र संख्या 3 स्थानान्तरित होने पर श्री पी० के० वर्मा, खान सुरक्षा उप निदेशक सीतारामपुर सह-क्षेत्र संख्या 1 ने अपने सीतारामपुर स्थित कार्यालय का पदभार 1 जनवरी, 1976 पूर्वाह्न को त्याग कर उसी दिन उसी समय



खान सुरक्षा उप निदेशक सीतारामपुर सहक्षेत्र संख्या 2 कार्यालय का पदभार ग्रहण किया।

22. उरगांव सहक्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री बाई० गोपाल कुण्ठा, खान सुरक्षा उप निदेशक, चाईबासा सहक्षेत्र ने अपने चाईबासा स्थित कार्यालय का पदभार 2 सितम्बर, 1975 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा उपनिदेशक, उरगांव सहक्षेत्र कार्यालय का पदभार 15 सितम्बर, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

23. धनबाद सहक्षेत्र संख्या 3 स्थानान्तरित होने पर श्री एस० एन० ठक्कर, खान सुरक्षा उप-निदेशक, धनबाद सहक्षेत्र संख्या 2 ने अपने धनबाद स्थित कार्यालय का पदभार 13 अगस्त, 1975 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उप निदेशक धनबाद सहक्षेत्र संख्या 3 कार्यालय का पदभार 14 अगस्त, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

24. दक्षिण पूर्वीय क्षेत्र रांची स्थानान्तरित होने पर श्री अजीत कुमार दे, खान सुरक्षा उप निदेशक, सीतारामपुर, सहक्षेत्र संख्या 2 ने अपने सीतारामपुर स्थित कार्यालय का पदभार 22 सितम्बर, 1975 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उप-निदेशक, दक्षिण पूर्वीय क्षेत्र रांची कार्यालय का पदभार 29 सितम्बर, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

25. धनबाद विद्युत मुख्यालय स्थानान्तरित होने पर श्री समीर कुमार विश्वास (गुप्त), खान सुरक्षा उप निदेशक (विद्युत्), प्रभारी सीतारामपुर विद्युत सर्किल ने अपने सीतारामपुर स्थित कार्यालय का पदभार 23 अक्तूबर, 1975 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा उप निदेशक (विद्युत्) धनबाद मुख्यालय का पदभार 27 अक्तूबर, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

26. पूर्वीय क्षेत्र सीतारामपुर स्थानान्तरित होने पर श्री डी० एस० नीमी खान सुरक्षा उप निदेशक (यांत्रिकी) ने अपने धनबाद स्थित कार्यालय का पदभार 24 अक्तूबर, 1975 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उप निदेशक (यांत्रिकी) पूर्वीय क्षेत्र सीतारामपुर कार्यालय का पदभार 31 अक्तूबर, 1975 को ग्रहण किया।

27. कोडरमा सहक्षेत्र, कोडरमा स्थानान्तरित होने पर श्री गणेश प्रसाद गुप्त, खान सुरक्षा सहायक निदेशक, चाईबासा सहक्षेत्र, ने अपने चाईबासा स्थित कार्यालय का पदभार 13 जनवरी, 1976 को त्याग कर खान सुरक्षा सहायक निदेशक कोडरमा सहक्षेत्र कार्यालय का पदभार 19 जनवरी, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

28. सीतारामपुर सहक्षेत्र संख्या 3 स्थानान्तरित होने पर श्री सुद्ध कुमार सामंत, खान सुरक्षा सहायक निदेशक कोडरमा सहक्षेत्र ने अपने कोडरमा स्थित कार्यालय का पदभार 20 दिसम्बर, 1975 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा सहायक निदेशक, सीतारामपुर सहक्षेत्र संख्या 3 कार्यालय का पदभार 29 दिसम्बर, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

श्याम शिव प्रसाद,  
खान सुरक्षा महानिदेशक

पूति विभाग  
पूति तथा निपटान महानिदेशालय  
(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 मार्च 1976

सं० प्र०-1/1(823)—स्थायी अवर प्रगति अधिकारी और पूति तथा निपटान निदेशक, कानपुर के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक पूति (ग्रेड-II) श्री एस० के० मंत्रा, दिनांक 31 जनवरी, 1976 के अपराह्न से निवर्तन आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 30 मार्च 1976

सं० प्र०-1/1(1044)—महानिदेशक, पूति तथा निपटान एतद्वारा पूति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवर प्रगति अधिकारी श्री बलबीर सिंह को दिनांक 17 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (पूति) (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री बलबीर सिंह को सहायक निदेशक पूति (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा उच्च न्यायालय दिल्ली में श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा दायर बीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

के० एल० कोहली,  
उप निदेशक (प्रशासन),  
कृते महानिदेशक पूति तथा निपटान

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 1 अप्रैल 1976

सं० ए-17011/1/71-प्र०-6—पूति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली में स्थायी भंडार परीक्षक (वस्त्र) तथा स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) श्री आर० एम० राय चौधरी, दिनांक 29-2-76 (अपराह्न) से निवर्तन आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सूर्य प्रकाश,  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक पूति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय  
(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 30 मार्च 1976

सं० ए/19011(133)/72-स्थापना-ए—हिन्दुस्तान जस्त मीमित में भूविज्ञानी के पद पर नियुक्ति के लिये चुन लिये जाने पर इस विभाग के कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी श्री जे०

सी० खरे को भारतीय खान ब्यूरो में उनके कर्तव्यों से दिनांक 9 जून, 1975 के अपराह्न से मुक्त कर दिया गया है। श्री खरे का भारतीय खान ब्यूरो के किसी पद पर पुनर्स्थापनाधिकार नहीं रहेगा।

ए० के० राघवाचारी  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी,  
कृते नियन्त्रक

#### भारतीय सर्वेक्षण विभाग

#### महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 2 अप्रैल 1976

सं० ई1-5063/698-मैप क्यूरेटर—श्री ए० बी० सरकार, स्थानापन्न अधीक्षक, सिकिल कार्यालय, को मैप क्यूरेटर (सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग 'बी') के पद पर 550-25-750-द० रो०-30-900 रु० के वेतनमान में, पूर्वी सिकिल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कलकत्ता में स्थानान्तरण प्रतिनियुक्ति पर 11 मार्च, 1976 पूर्वाह्न से तीन साल तक की अवधि के लिये स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 3 अप्रैल 1976

सं० ई1-5064—श्री टी० थनरूपन, अधिकारी सर्वेक्षक के हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कन्स्ट्रक्शन लिमिटेड (भारत सरकार का प्रतिष्ठान) में डिप्टी जनरल इंजीनियर (सिविल) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप इस विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक के पद से उनका त्याग पत्र स्वीकार किया जाता है तथा भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक के स्थायी पद पर उनके ग्रहणाधिकार को 20 मार्च, 1976 से समाप्त किया जाता है।

दिनांक 5 अप्रैल 1976

सं० ई1-5065/594-प्रबन्धक—श्री तारापद मुखर्जी, तकनीकी सहायक (ओडिनेरी ग्रेड) को मानचित्र प्रकाशन निदेशालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून, में सहायक प्रबन्धक, मानचित्र पुनरुत्पादन (सा० के० से० श्रेणी 'बी') के पद पर 650/- रु० प्रतिमाह वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में 23 फरवरी, 1976 पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

कर्नल के० एल० खोसला,  
भारत के महासर्वेक्षक;  
नियुक्ति प्राधिकारी

#### सूचना और प्रसारण मंत्रालय

#### फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 1 अप्रैल 1976

सं० ए-31014/2/75-सिखन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री टी० आर० मधोक स्थायीवत रेकर्डिस्ट को

फिल्म प्रभाग में स्थायी मुख्य रेकर्डिस्ट के पद पर नियुक्त किया है।

आर० एस० शर्मा,  
प्रशासकीय अधिकारी,  
कृते प्रमुख निर्माता

#### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1976

सं० ए-32013/1/76-एडमिन-1—परिचर्या अधिकारी के पद पर अपने प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप श्रीमती आर० के० सुंद ने 28 फरवरी, 1976 के अपराह्न को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उपचर्या सलाहकार के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सूरज प्रकाश जिन्दल, उप-निदेशक प्रशासन

#### भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

#### (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 12 फरवरी 1976

सं० पी० ए०/73(13)/68-आर-4(I)—इस अनुसंधान केन्द्र के 12 जून, 1974 की अधिसूचना सं० पी० ए०/73(13)/68-आर-4/74-1 के क्रम में, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक कुमारी कल्पना दत्तात्रेय खानापुरकर के इस अनुसंधान केन्द्र में अस्थायी रूप से भौतिक चिकित्सक की अंश-कालिक नियुक्ति काल को 1 अप्रैल, 1975 के पूर्वाह्न से 30 सितम्बर, 1976 (अपराह्न) तक बढ़ाते हैं।

सं० पी० ए०/73(13)/68-आर-4(II)—इस अनुसंधान केन्द्र की 21 जून, 1974 की अधिसूचना सं० पी० ए०/73(13)/68-आर० 4/(II) के क्रम में, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में अस्थायी रूप से डा० कीर्तिकुमार लक्ष्मीचन्द शाह के ई० एन० टी० सर्जन के रूप में अंश-कालिक नियुक्ति काल को 1 अप्रैल, 1975 के पूर्वाह्न से 30 सितम्बर, 1976 (अपराह्न) तक बढ़ाते हैं।

सं० पी० ए०/73(13)/68-आर-4(III)—इस अनुसंधान केन्द्र की 12 जून, 1974 की अधिसूचना सं० पी० ए०/73(13)/68-आर-4/74-III के क्रम में भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक इस अनुसंधान केन्द्र में अस्थायी रूप से श्री रमेशचन्द्र भगवानदास अरोरा के अंश-कालिक नियुक्ति काल को 1 अप्रैल, 1975 के पूर्वाह्न से 30 सितम्बर, 1976 (अपराह्न) तक बढ़ाते हैं।

पी० उन्नीकुण्णन,  
उप-स्थापना अधिकारी (भ)

#### परमाणु ऊर्जा विभाग

#### क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 10 मार्च 1976

सं० डी० पी० एस०/ए/32011/2/75-स्थापना-3673—निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, इस निदेशालय, के द्वाबे स्थित केन्द्रीय भंडार यूनिट के स्थायी भंडारी

श्री मुलियप्पुरथ राजू को, श्री के० चन्द्रशेखरन, सहायक भंडार अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 17-3-1976 से 15-5-1976 तक उसी निदेशालय में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/75-स्थापना-3665—परमाणु ऊर्जा विभाग के त्रय एवं भंडार निदेशक, इस निदेशालय के ट्राम्बे स्थित केन्द्रीय भंडार यूनिट के स्थायी भंडारी श्री एम० डी० कृष्णाकरन नायर को 23-2-1976 से 26-3-1976 तक उसी निदेशालय में श्री टी० सी० जार्ज, सहायक भंडार अधिकारी जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई, के स्थान पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ, प्रशासन अधिकारी

#### मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना

कलपक्कम-603102, दिनांक 27 फरवरी 1976

सं० 18(60)/75-भर्ती—निदेशक, विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' श्री सी० वी० हरिकृष्णमा राजू को 1 फरवरी, 1976 से अगले आदेश तक इस परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड-एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० 18(60)/75-भर्ती—निदेशक, विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग निम्नलिखित अस्थायी पर्यवेक्षकों को उनमें से प्रत्येक के नाम के आगे लिखी तारीख से इस परियोजना में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं :—

1. श्री एम० सक्काराय मोहम्मद 1-2-1976
2. श्री ओ० एम० मोहन राव 1-2-1976
3. श्री सी० राममूर्ति 2-2-1976।

दिनांक 8 मार्च 1976

सं० 18 (64)/75-भर्ती—निदेशक, विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, अस्थायी पर्यवेक्षक श्री वी० भास्करन को 1 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से इस परियोजना में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

के० बालकृष्णन, प्रशासन अधिकारी

#### तारापुर परमाणु बिजलीघर

तारापुर, दिनांक 13 मार्च 1976

सं० टी० ए० पी० एस०/प्रशासन-735-ए—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर के स्थायीवत् वैयक्तिक सहायक, श्री आर० बार० बन्दूनी को 8 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से

6 अप्रैल, 1976 तक उसी बिजलीघर में तदर्थ आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

डी० वी० मरकले, प्रशासन अधिकारी-III

#### भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400 008, दिनांक 3 अप्रैल 1976

सं० 05000/एस-217/1984—भारी पानी परियोजनाओं के विशेष कार्य-अधिकारी, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के उप-अधिकारी श्री पी० एस० सवाई, को भारी पानी परियोजना (तृतीकारिन) में 10 मार्च, 1976 (पूर्वाह्न) से 120 दिन या अग्नि अधिकारी की नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तक के लिये स्थानापन्न रूप से स्टेशन अधिकारी, नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति, वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

#### पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 2 अप्रैल 1976

सं० ई(1) 05485—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के अधीन मौसम कार्यालय नासिक, में व्यावसायिक सहायक श्री एम० डी० कुंद्रा को 15-3-76 के पूर्वाह्न से 30-4-76 तक 47 दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री कुंद्रा को वेधशालाओं के महानिदेशक, नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय में स्थानान्तरित कर दिया गया है जहां पर उन्होंने 15-3-76 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

जी० आर० गुप्ता,  
मौसम विशेषज्ञ

नूते वेधशालाओं के महानिदेशक

#### महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च, 1976

सं० ए 31014/2/75 ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित अधिकारियों को 1 मई, 1975 से नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संठगन में सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

क्रम सं० और नाम

1. श्री एच० एल० धीमन
2. श्री वी० सी० रेड्डी
3. श्री बी० कार
4. श्री डी० के० शर्मा

5. श्री पी० एम० पी० अद्वितीयोदी
6. श्री डी० पी० अग्निहोत्री
7. श्री बी० रामाकृष्णन
8. श्री के० एन० के० पोद्दुवाल
9. श्री वाई० वी० राव
10. श्री के० पी० अलध
11. श्री एस० आर० वेंकटरमण
12. श्री ए० के० टिक्कू
13. श्री डी० बी० सुंद

दिनांक 31 मार्च 1976

सं० ए०-38013/1/76 ई० सी०—निवर्तन आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर नियन्त्रक, संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री हरीशचन्द्र, सहायक तकनीकी अधिकारी ने 1-3-1976 (पूर्वाह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० ए०-32014/2/75-ई० सी०—महानिदेशक, नागर विमानन ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को उन के नामों के सामने दिखाई गई तारीखों से तथा अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थानापन्न रूप में सहायक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

क्र० सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती स्टेशन
1.	श्री रायचन्द	27-2-1976	वैमानिक संचार (पूर्वाह्न) स्टेशन कलकत्ता
2.	श्री सी० एस० पाल	1-3-1976	वैमानिक संचार (पूर्वाह्न) स्टेशन बंगलूर

सं० ए०-38012/1/75-ई० सी०—निवर्तन आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय के श्री के० अंजैया उप-निदेशक, संचार ने 1 मार्च, 1976 (पूर्वाह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

हरबंस लाल कोहली,  
उपनिदेशक प्रशासन  
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 1 अप्रैल 1976

सं० ए०-12025/1/75 हिन्दी—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री सूरज पाल शर्मा को 20-3-1976 (अपराह्न) से, तथा अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर हिन्दी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

हरबंस लाल कोहली, उप निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई—400001, दिनांक 2 अप्रैल 1976

सं० 1/82/76-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा स्विचिंग समूह बम्बई के स्थानापन्न तकनीकी सहायक श्री सी० एन० एन० नायर को अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 19-1-1976 से लेकर 21-2-1976 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/43/76-स्था०—निवर्तन की आयु के हो जाने पर पूना शाखा के स्थायी सहायक अभियन्ता श्री आर० जी० मनकीकर 29 फरवरी 1976 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गये।

सं० 1/359/76-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा स्विचिंग समूह बम्बई के स्थानापन्न तकनीकी सहायक, श्री वी० एस० एन० मूर्ति को अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 1-1-76 से लेकर 9-2-76 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

सं० 1-98/76-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के स्थानापन्न तकनीकी सहायक, श्री जी० एस० चट्टवाल को अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 1-12-75 से लेकर 6-2-76 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नायर,  
उप निदेशक (प्रशा०)  
कृते महा निदेशक

रेल मंत्रालय  
(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1976

सं० 75/ई० बी०/1506—एतद्वारा सामान्य सूचना के लिये यह अधिसूचित किया जाता है कि 1-1-1976 से द्रोणाचलम (सहित) से गुन्तकल्लु (को छोड़कर) खण्ड को दक्षिण मध्य रेलवे के हुबली मण्डल के अधिकार क्षेत्र से उस रेलवे के विजयवाड़ा मण्डल में अन्तर्गत किया गया है। अब विजयवाड़ा मण्डल का अधिकार क्षेत्र गुन्तकल्लु (छोड़कर) तक बढ़ जायेगा और उसी के अनुरूप हुबली मण्डल का अधिकार क्षेत्र कम हो जायेगा।

यह समायोजन इस क्षेत्र की परिचालनिक कुशलता में सुधार के लिये रेल प्रशासन के दिन प्रतिदिन के कार्य के हित में किया गया है।

सं० 75/ई० बी०/1503—सार्वजनिक सूचना के लिये यह अधिसूचित किया जाता है कि दक्षिण पूर्व रेलवे वाल्टेयर मण्डल

के कान्ताबंजी (राहत) रायपुरखण्ड को दिनांक 1-2-1976 से इसी रेलवे के बिलासपुर मण्डल में अन्तर्गत कर दिया गया है।

अमृत लाल गुप्त,  
सचिव, रेलवे बोर्ड

एवं भारत सरकार के पदेन संयुक्त सचिव

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1976

सं० 7— इस रेलवे के निम्नलिखित चिकित्सकों को सहायक चिकित्सा अधिकारी दर्जा II वेतनमान 350-900 (आ० वे०) के रूप में इस रेलवे पर 1-1-1966 से अनन्तिम रूप से स्थायी कर दिया गया है :—

1. डा० (श्रीमती) शन्तो देवी अग्रवाल
2. डा० (श्रीमती) के० खेड़ा।

वी० पी० साहनी, महाप्रबन्धक

कम्पनी कार्य विभाग

(कम्पनी लॉ बोर्ड)

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 दी आइडियल कॉफी एग्रिकल्चरल डेवलपमेंट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 29 मार्च 1976

सं० 1231 टी० (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर दी आइडियल कॉफी एग्रिकल्चरल डेवलपमेंट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ओ० पी० जैन,  
कम्पनी रजिस्ट्रार  
आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 (2)

के अधीन सूचना

मैसर्स सौराष्ट्र आयरन फाउन्ड्री एण्ड स्टील वर्क्स  
प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद-380009, दिनांक 1 अप्रैल 1976

सं० /672/लीक्वीडेशन—कम्पनी अरजी नं० 66/1975 में  
अहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 27-1-1976 के

आदेश द्वारा मैसर्स सौराष्ट्र आयरन फाउन्ड्री एण्ड स्टील वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड का परिसमापन का आदेश दिया गया है।

जे० गो० गाथा,  
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात

आयकर अपील अधिकरण का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 18 मार्च 1976

सं० एफ० 48-एडी० (एटी०)/76—श्री एस० जयरमण, वरिष्ठ आशुलिपिक, आयकर अपील, अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ बम्बई, को आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में श्री बी० एम० दुरेजा के स्थान पर, अस्थायी क्षमता में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक पंजीकार के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान पर 15 मार्च, 1976 (पूर्वाह्न) से 30 अप्रैल, 1976 (अपराह्न) तक नियुक्त किया जाता है।

सं० एफ० 48 एडी० (एटी०)/76—श्री एस० व्ही० नारायणन, वरिष्ठ आशुलिपिक, आयकर अपील, अधिकरण हैदराबाद न्यायपीठ, हैदराबाद को आयकर अपील अधिकरण, कलकत्ता न्यायपीठ, कलकत्ता में श्री बी० एन० शुक्ल के स्थान पर अस्थायी क्षमता में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक पंजीकार के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान पर 11-3-76 (पूर्वाह्न) से छः महीने के लिये या तब तक जब तक कि उस पद के लिये संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती है, जो भी शीघ्रतर हो नियुक्त किया जाता है।

2. श्री यू० एन० कृष्णमूर्ति, वरिष्ठ आशुलिपिक आयकर अपील अधिकरण, हैदराबाद न्यायपीठ, हैदराबाद को आयकर अपील, अधिकरण, जयपुर न्यायपीठ, जयपुर में श्री एन० के० चौरसिया के स्थान पर अस्थायी क्षमता में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक पंजीकार के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान पर 11-3-1976 (पूर्वाह्न) से छः महीने के लिये या तब तक जब तक कि उस पद के लिये संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, नियुक्त किया जाता है।

हरनाम शंकर, अध्यक्ष

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-5

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1975

आवेश

सं० जुरि० दिल्ली/5/75-76/13090—आयकर आयुक्त, दिल्ली-1 नई दिल्ली द्वारा दिनांक 15-2-71 को जारी की गई अधिसूचना संख्या ई०/1/जुरि०-दिल्ली/70-71/आर०-9/14588 में आंशिक संशोधन करते हुए तथा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वाँ) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उक्त 2-46GI/76

अनुसूची के कालम 3 में निर्दिष्ट व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों और मामलों या मामलों के वर्गों के संबंध में अपने कार्य करेंगे। इनमें वे व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग, मामले या मामलों के वर्ग शामिल नहीं होंगे जो उक्त अधिनियम की धारा 127 या 124 की उपधारा (1) के अंतर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी को सौंपे गए हों या जो इसके बाद सौंपे जाएँ।

यह आदेश 1-9-75 से लागू होगा।

#### अनुसूची

1	2	3	4
1.	आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-4(6), एडी-शनल, नई दिल्ली	(क) ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो इस अनुसूची के कालम संख्या 4 में बताए गए किसी भी क्षेत्र में कोई व्यापार करता हो या जिसके व्यवसाय या कारोबार का मुख्य स्थान उक्त क्षेत्र में हो या जो ऐसे किसी क्षेत्र में रहता हो जिसका नाम अंग्रेजी के 'ए' से लेकर 'आई' तक (दोनों को मिलाकर) शुरू होता हो। (ख) उपर्युक्त मद (क) के अंतर्गत आने वाली फर्मों के सांझेदार सभी व्यक्ति।	दिल्ली नगर निगम के वार्ड संख्या 8, 17, 18, 19, 20, 21 और 22 के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र अर्थात् दरियागंज, मटिया महल, छत्ता लाल, मियां लाल दरवाजा, सूईवाला, कूचा पातीराम तथा कलां मस्जिद।
2.	आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-4(2), नई दिल्ली	(क) ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो इस अनुसूची के कालम संख्या 4 में बताए गए किसी भी क्षेत्र में कोई व्यापार करता हो या जिसके व्यवसाय या कारोबार का मुख्य स्थान उक्त क्षेत्र में हो या जो ऐसे किसी क्षेत्र में रहता हो जिसका नाम अंग्रेजी के 'जे', 'के' तथा 'एल' (तीनों को मिलाकर) शुरू होता हो। (ख) उपर्युक्त मद (क) के अंतर्गत आने वाली फर्मों के सांझेदार सभी व्यक्ति।	—वही—
3.	आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-4(3), नई दिल्ली	(क) ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो इस अनुसूची के कालम-4 में बताए गए किसी भी क्षेत्र में कोई व्यवसाय या कारोबार का मुख्य स्थान उक्त क्षेत्र में हो या जो ऐसे किसी क्षेत्र में रहता हो जिसका नाम अंग्रेजी के 'एम' से लेकर 'क्यू' तक (दोनों को मिलाकर) किसी भी अक्षर से शुरू होता हो। (ख) उपर्युक्त मद (क) के अंतर्गत आने वाली फर्मों के सांझेदार सभी व्यक्ति।	—वही—

1	2	3	4
4. आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-4(6), नई दिल्ली	(क) ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो इस अनुसूची के कालम सं० 4 में बताए गए किसी भी क्षेत्र में कोई व्यवसाय या कारोबार का मुख्य स्थान उक्त क्षेत्र में हो या ऐसे किसी क्षेत्र में रहता हो जिसका नाम अंग्रेजी के 'आर' से लेकर 'जेड' तक (दोनों को मिलाकर) किसी भी अक्षर से शुरू होता हो।	दिल्ली नगर निगम के वार्ड संख्या 8, 17, 18, 19, 20, 21, तथा 22 के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र अर्थात् दरियागंज, मटिया मंहुल, छेता लाल, मियां लाल दरवाजा, सूई वाला, कूचा पातीराम तथा कलां मस्जिद।	
	(ख) उपर्युक्त मद (क) के अंतर्गत आने वाली फर्मों के सांझीदार सभी व्यक्ति।		

दिनांक 31 अक्टूबर 1975

आयकर

सं० जुरि०-दिल्ली/XX/5/75-76/18863--आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 को उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निर्देश देते हैं कि 1-11-75 से निम्नलिखित नया सर्किल (वृत्त) बनाया जायेगा।

1. डिस्ट्रिक्ट-4(8) (अतिरिक्त)।

ए० सी० जैन,  
आयकर आयुक्त, दिल्ली-5  
नई दिल्ली

आयकर आयुक्त का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश I और II

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1976

आयकर

सं० 132 [सा० प्र० सं० 2/76 (न)]--आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 117 की उप-धारा 2 में दी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश II, हैदराबाद ने निम्नलिखित आयकर निरीक्षक को स्थानापन्न आयकर अधिकारी, वर्ग II के पद पर समय मान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-

35-880-40-1000-द० -रो०-40-1200 में उनके नाम के सामने लिखी तारीख से अगले आदेश तक नियुक्त किया है :--

क्रमांक	उम्मात का नाम	पदस्थापना	कार्यग्रहण तारीख
1.	श्री सी० वेणुगोपाल	आयकर अधिकारी, के वार्ड, विजयवाडा	6-1-1976

2. वे नोट करें :--

- (i) कि उनकी पदोन्नति विशुद्ध अस्थायी है ;
- (ii) कि खाली जगहों के पुनरीक्षण में यदि पाया गया कि यह पदोन्नति/नियुक्ति मौजूदा जगहों से ज्यादा है तो उनकी पदावनति होगी ;
- (iii) कि भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), नई दिल्ली की अधिसूचना सं० 63/एफ०-सं० 22/27/59/प्र० VI, ता० 20-11-1963 के नियमानुसार वे दो साल परीक्षा में रहेंगे। यदि जरूरी समझा गया तो परीक्षा समय आगे भी बढ़ेगा। उपर्युक्त समय में सेवा निस्पादन असन्तोषप्रद होने पर उनकी पदावनति भी हो सकती है।

वे आयकर अधिकारी के पद पर उनके नाम के सामने लिखी तारीख से लिखित कार्यालय में पदस्थापित हैं।

के० रामा राव,  
आयकर आयुक्त,  
आंध्र प्रदेश II, हैदराबाद

आयकर आयुक्त का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश III

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1976

आयकर

सं० 133 [सा० प्र० सं० 2/76 (न)]—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 117 की उप-धारा 2 में दी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश III, हैदराबाद ने निम्नलिखित आयकर निरीक्षक को स्थानापन्न आयकर अधिकारी, वर्ग II के पद पर समय मान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० 40-1200 में उनके नाम के सामने लिखी तारीख से अगले आदेश तक नियुक्त किया है :—

क्रमांक	उन्नति का नाम	पदस्थापना	कार्यग्रहण तारीख
1.	श्री सी० भीमसेन राव	आयकर अधिकारी, ख-वार्ड, कडप्पा।	9-12-1975

2. वे नोट करें :—

- (i) कि उनकी पदोन्नति विणुद्ध अस्थाई है ;
- (ii) कि खाली जगहों के पुनरीक्षण में यदि पाया गया कि यह पदोन्नति/नियुक्ति मौजूदा जगहों से ज्यादा है तो उनकी पदावनति होगी ;
- (iii) कि भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), नई दिल्ली की अधिसूचना सं० 63/एफ०-सं० 22/27/59/प्र० VI, ता० 20-11-1963 के नियमानुसार वे दो साल परीक्षा में रहेंगे। यदि जरूरी समझा गया तो परीक्षा समय आगे भी बढ़ेगा। उपर्युक्त समय में सेवा निष्पादन असन्तोषप्रद होने पर उनकी पदावनति भी हो सकती है।

वे आयकर अधिकारी के पद पर उनके नाम के सामने लिखी तारीख से लिखित कार्यालय में पदस्थापित हैं।

एन० सुब्बा राव,  
आयकर आयुक्त  
आन्ध्र प्रदेश III,  
हैदराबाद



प्रारूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बिहार, पटना

पटना, दिनांक 2 मार्च 1976

निर्देश सं० III-148/अर्जन/75-76/2263.---यतः मुझे, अजय कुमार सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दस्तावेज सं० 6656 में है तथा जो पथुआ, थाना-बड़हिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखीसराय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1 श्री रामश्रीतारसिंह वल्द श्री राशो सिंह, सा०-मोहनपुर थाना एवं जिला-बेगुसराय (अन्तरक)

2. श्री सत्य नारायण सिंह एवं श्री राम मूर्ति सिंह सा०-वोलीपुर, थाना बड़हिया जिला मुंगेर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन 15 बीघा 6 कट्ठा 15 धुर जो पथुआ थाना बड़हिया जिला--मुंगेर में है जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 6656 दिनांक 12-8-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 2-3-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 1 अप्रैल 1976

निर्देश सं० III 149/अर्जन/75-76/2531—यतः, मुझे,  
अजय कुमार सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं०-265, प्लो० सं० 264 है तथा जो  
झरिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धनबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 2-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्पा देवी जैन जौजे श्री हरचन्द मल जैन  
झरिया, धनबाद (अन्तरक)

2. श्री बनारसी लाल अग्रवाल वल्द स्व० भगवान दास  
अग्रवाल एवं श्री मदन लाल अग्रवाल वल्द श्री रामधान अग्रवाल  
झरिया, धनबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन रकबा 3 कट्ठा 10 छटांक के साथ मकान साकिन  
झरिया प्लोट सं०-264 वी सं० 265 इत्यादि जिसका वर्णन  
दस्तावेज सं० 9929 दिनांक 2-8-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 1-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 1 अप्रैल 1976

निर्देश सं० III-150/अर्जन/75-76/2530—यतः, मुझे, अजय कुमार सिंहा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० म्यु० हो० सं० 117 और 118 है, तथा जो देवघर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कनकता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सोवेन्द्र लाल दे, श्री देवेन्द्र लाल दे, श्री ब्रजेन्द्र लाल दे, श्री राजेन्द्र लाल दे, श्रीमती पद्मा दे, श्रीमती ब्रजोती दे, श्रीमती सुकला दे और श्रीमती अश्वपूर्ण रक्षित, निवासी आशु नियोगी लेन हटखौला, चन्दर नगर (अन्तरक)

2. मो० लक्ष्मी देवी मोदी, सा० गुरगोला, भागलपुर रोड, देवघर शहर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 16 कट्ठा 6 घूर के साथ दो पक्का मकान जो "कुमुद कनन एवं रोटीट" कहलाता है हो० सं० 29/3560 (50/3) रोहिनी ईस्टेट का एवं म्यु० हो० सं० 117 एवं 118, आ० सं० 2 है तथा जो देवघर में है।

अजय कुमार सिंहा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 1-4-1976

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 1 अप्रैल 1976

निर्देश सं० III-151/अर्जन/75-76/2529—यतः, मुझे,  
अजय कुमार सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हो सं० 35डी (पुराना) 38 (नया) है,  
तथा जो पटेल बाबू रोड भागलपुर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
25-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री विष्णु नारायण पुरी (2) श्री राम नारायण पुरी  
(3) श्री गोविन्द नारायण पुरी वल्दान श्री कन्हैया लाल पुरी,  
साकिन (1) सोनेपत हरियाना (2) 147 इन्द्रा बिसुन रोड,  
कलकत्ता (3) विशाखापटनम, आन्ध्र प्रदेश (अन्तर)

2. श्री ओम प्रकाश नारनोली, सा०—मुन्दीचक  
थाना—कोतवाली, जिल—भागलपुरा (अन्तरिती)

3. श्री ओम प्रकाश, प्रथम मंजिल में (वह व्यक्ति जिसके  
अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-  
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 3 कट्ठा के साथ मकान सा०—पटेल बाबू रोड,  
भागलपुर में है जिसका हो० सं० 35 डी० (पुराना) 38  
(नया) बा० सं० 2, सर्किल सं० 3 है तथा जिसका विवरण  
दस्तावेज सं० I-5001 दिनांक 25-8-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 1-4-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 1 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 3-III-152/अर्जन/75-76/2588—यतः मुझे  
अजय कुमार सिंहा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परि-  
क्षेत्र, बिहार पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० खाता सं० 292, 1151 (नया) प्लॉट सं०-  
7387 है तथा जो झुमरितिलैया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय हजारी बाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन 26-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तया पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

3-46 GI/76

1. श्रीमती शकुन्तला देवी जोजे स्व० हरहर प्रसाद  
मा०—झुमरितिलैया, जिला—हजारी बाग (अन्तरक)

2. श्री दिलचन्द राम चरण पहारी मा०—झुमरितिलैया,  
थाना—कोडरमा, जिला—हजारी बाग (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-  
नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

जमीन रकबा 48 जिसमिल सा०—झुमरितिलैया, खाता  
सं० 292 1151 (नया) प्लॉट सं०-7347 जिसका वर्णन दस्ता-  
वेज सं०—17601 दिनांक 26-8-1975 में पूर्ण है ।

अजय कुमार सिंहा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 1-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 1 अप्रैल 1976

निर्देश सं० III-153/अर्जन/75-76/2527—यतः मुझे,  
अजय कुमार सिंहा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन  
परिक्षेत्र, बिहार, पटना आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हो० सं० 296 (पी०), वा० सं० 6 है तथा जो  
झुमिरितिलैया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय हजारी बाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-8-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्रीमती मालती साहा जी श्री हुस्टो साहा, गिरीडीह  
थाना/जिला—गिरीडीह (अन्तरक)

2. श्री सरदार हरजीत सिंह बल्द सरदार करतार सिंह  
झुमिरितिलैया, थाना—कोडरमा, जिला—हजारी बाग  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सात जिसमिल जो झुमिरितिलैया म्युनिसिपलिटि  
में है, हो० सं०—296 (पी०), वा० सं०-6 तथा जिसका वर्णन  
दस्तावेज सं० 17378 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 1-4-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 1 अप्रैल 1976

निर्देश सं० III-154/अर्जन/75-76/2526—यतः मुझे  
अजय कुमार सिंहा निरीक्षी सहायक आयुक्त अर्जन  
रेंज, बिहार पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० हो० सं०-296 बा० सं०-6 है तथा जो  
शुमरितिलैया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
औरपूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हजारीबाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 22-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मालती साहा जोजे श्री कस्तो कुमार साहा,  
गिरिडीह थाना/जिला—गिरिडीह (अन्तरक)

2. श्रीमती कौशल्या देवी जोजे सरदार करतार सिंह,  
सा०—शुमरितिलैया, थाना—कोडरमा, जिला—हजारी बाग  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क  
में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

सात दिसमिल जमीन के साथ एक मंजिला मकान जो  
शुमरितिलैया म्युनिसिपलिटि में है तथा जिसका हो०-सं०—296,  
बा० सं०-6 तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं०-9636, दिनांक  
22-8-1975 में पूर्ण है ।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 1-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 1 अप्रैल 1976

निर्देश सं० III-155/अर्जन/75-76-/2525—यतः मुझे  
अजय कुमार सिंहा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज  
बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट सं० 2602 वा० सं० 1 है तथा जो  
मोकामा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 22-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रघुनन्दन गोप बल्द स्व० श्यामू गोप सा०-मोकामा  
मोलदियार टोला, पो०/थाना-मोकामा जिला—पटना  
(अन्तरक)

2. मेसर्स राम सुमिरण सिंह सा०/पो० मोकामा जिला—  
पटना द्वारा प्रो० श्री राम सुमिरन सिंह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जमीन 18 कट्ठा के साथ घर जो मोकामा जिला—पटना  
में है तथा जिसका वार्ड सं० 1 खाता सं०-1289 प्लॉट सं०  
2602 है और जिसका वर्णन दस्तावेज दिनांक 22-8-1975  
में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 1-4-1976  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 3 अप्रैल 1976

निर्देश सं० III-156/अर्जन/75-76/23—यतः मुझे अजय कुमार सिंहा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० दस्तावेज सं० IV 189 है, तथा जो धनबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सारा में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती भानुमती सी० ठाकेरजौजे श्री चन्द्र कान्त ठाकेर, श्री कपिल सी० ठाकेर (ताबालिंग) एवं श्री जुगल सी० ठाकेर निवासी हीरापुर, धनबाद (अन्तरक)

2. श्री विश्वनाथ प्रसाद बल्द श्री उत्तिम चन्द, श्री निर्मल कुमार, श्री अभय कुमार, श्री निर्भय कुमार, श्री बिमल कुमार एवं श्री राज कुमार बल्दान श्री विश्वनाथ प्रसाद निवासी-हीरापुर, धनबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“रे टाकीज” का एक चौथाई हिस्सा जो धनबाद में है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० IV 189 दिनांक 7-8-1975 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 3-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 3 अप्रैल 1976

निर्देश सं० III-158/अर्जन/75-76/25—यतः मुझे अजय कुमार सिंहा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० 4909 रवा० सं० 632 है तथा जो रानीपुर चक में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना सीटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की

गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नसिक लाल सिंह बल्द श्री रामचन्द्र सिंह सा० रानीपुर चक, थाना—चौक पटना सीटी, जिला—पटना।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ती देवी जौजे श्री राजेन्द्र महतो सा० बड़ी पटनदेवी थाना—आलमगंज, जिला—पटना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पत्ति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन रकबा 1.54 एकड़ जो रानीपुर चक थाना-चौक पटना सीटी में है और प्लॉट सं०-4901 एवं खाता सं०-632 है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 498 दिनांक 13-8-1975 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 3-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 3 अप्रैल 1976

निर्देश सं० III-157/अर्जन/75-76/24—यतः मुझे अजय कुमार सिन्हा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, बिहार, पटना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हो० सं० 438 (पार्ट) है, तथा जो स्टेशन रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मनमोहन कपूर बल्द श्री मदनमोहन कपूर पाटलि-  
पुत्रा कोलोनी दिघा, पटना (अन्तरक)

2. श्री मरदार हरजीत सिंह बल्द सरदार बुढ़ा सिंह  
सा० सेवक भवन, पो० झाडगंज पटनासीटी, जिला—पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किय जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मकान जिसका रकबा 1593 वर्ग फीट, सा० स्टेशन रोड, पटना हो० सं० 438(पार्ट) म्यु० प्लॉट सं० 304 (पार्ट), वा० सं० 2 तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 9623 दिनांक 22-8-1975 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 3-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 3 अप्रैल 1976

निर्देश सं० III-159/अर्जन/76-77/26—यतः, मुझे, अजय कुमार मिहा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० हो० सं० 14, नया 16, सं० सं० 207 है तथा जो मारुफगंज में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नूत बिहारी मंडल, श्री रसिक बिहारी मंडल, श्री मान बिनोद बिहारी मंडल (नाबालिग) श्री मान अचल बिहारी मंडल (नाबालिग) श्री मान चंचल बिहारी मंडल (नाबालिग), कुमारी शरमिष्ठा मंडल (नाबालिग), कुमारी पारवती मंडल (नाबालिग) सभी वल्दान स्व० राण बिहारी मंडल, गार्जियन श्रीमती कनक लता मंडल एवं श्रीमती कनक लता मंडल, जोजे स्व० राण बिहारी मंडल सा०—इचापुर थाना—नोबापुरा जिला-24, परगना प० बंगाल। (अन्तरक)

2. श्री पवन कुमार सिंह वल्द श्री श्याम बहादुर सिंह सा०—मारुफगंज थाना—मालसलामी पटना। (अन्तरिती)

3. श्री शिवनाथ भट्टाचार्य (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन रकबा 0.335 एकड़ के साथ, गोदाम रोड आदि जो मारुफगंज, पटना में है तथा जिसका हो० सं० 14, नया 16, सं० सं० 207, म्यु० सं० प्लोट सं० 356 है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० I-4600 दिनांक 6-8-1975 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 3-4-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री हरिहर सिंह व अन्य (अन्तरक)

2. श्री वीरेन्द्र कुमार व अन्य (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० 25-बी०/अर्जन—यतः, मुझे, बिशम्बर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं०— है तथा जो ग्राम गुरली तप्पा जिला गोरखपुर में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महराजगंज (जि० गोरखपुर) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-46GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि का आधा भाग जिसका क्षेत्रफल 95-9 है। जो कि ग्राम गुरली तप्पा भारतखण्ड परगना तिलरपुर— तह० महराजगंज—जिला गोरखपुर में स्थित है।

बिशम्बर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 फरवरी 1976

निर्देश सं० 113 एस०/अर्जन—यतः, मुझे, विनाम्बर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सी० के० 65/425 व अन्य है तथा जो मो० पिथरी कला वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अब्दुल अजीम (अन्तरक)
2. श्री गाहिद फैजान (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जुज हिस्सा मकान नं० सी० के० 65/425, सी० के० 65/426, और सी० के० 65/427, जो कि मो० पिथरी कला जि० वाराणसी में स्थित है ।

विनाम्बर नाथ,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 11-2-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 फरवरी 1976

निर्देश सं० 114 एम०/अर्जन—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डी० 52/41 सी० है, तथा जो लक्ष्मी कुण्ड-वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—GI/76

1. श्रीमती वीक्षर देवी (अन्तरक)
2. श्री सुशील कुमार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और जो पदों का उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता मकान नं० डी 52/41 सी० जिसका क्षेत्रफल 4452 वर्ग फीट है। जो कि लक्ष्मी कुण्ड जि० वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 12-2-1976  
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० 60-ए०/अर्जन—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 640 है, तथा जो ग्राम म्युनिस्पल विठार जिला अल्मोड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अल्मोड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- |                              |            |
|------------------------------|------------|
| 1. नबदा जोशी                 | (अन्तरक)   |
| 2. श्री अरविन्द कुमार व अन्य | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 640 मय जमीन का आधा भाग जो कि ग्राम म्युनिस्पल विठार—पट्टी—खास परजा जिला अल्मोड़ा में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13-2-1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० 61-ए०/अर्जन—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 640 है, तथा जो ग्राम म्युनिस्पल बिठार जि० अल्मोड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अल्मोड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुनी जोशी (अन्तरक)
2. श्री अरविन्द कुमार व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 640 मय जमीन का आधा भाग जो कि ग्राम म्युनिस्पल बिठार, पट्टी—खास परजा जिला अल्मोड़ा में स्थित है।

विशम्भर नाथ  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 फरवरी 1976

निर्देश सं० 22-एल०/अर्जन—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस०-19/20 व एस०-10/21 है, तथा जो बरना द्विज रोड जिला वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पान्यू गोपाल मलिक (अन्तरक)
3. श्री लक्ष्मन दाम वर्मा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता तीन मंजिला मकान नं० एस०-19/20 मय भूमि जिसका नं० एस०-19/21, है। जो कि बरना द्विज रोड—जिला वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रंज, लखनऊ

तारीख : 19-2 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 23 फरवरी, 1976

निर्देश सं० 31-जी०/अर्जन---यतः, मुझे, एफ० रहमान,  
आयकर अधिनियम, 1961

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी० 21/120 है, तथा जो कमन्स जि०  
वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 5-8-1976 को

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्रीमती शांति रानी घोष (अन्तरक)

2. श्री गोपाल दास खन्ना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० बी० 21/120 जो कि कमन्स,  
जिला वाराणसी में स्थित है।

एफ० रहमान,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 23-2-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 जनवरी 1976

निर्देश सं० 404/अर्जन/कानपुर/75-76—यतः, मुझे,  
एफ० जे० बहादुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के  
अनुसार स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 1-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम मिश्रा 620 सी० फैसफुल गंज, कानपुर  
(अन्तरक)

2. (1) श्री एम० खरशेद (2) ईकबाल अहमद (3) जमीर  
अहमद (4) रणीद (5) अनवर जमाल, 39/11, मस्टन रोड  
कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति एक पक्का तीन मंजिला मकान नं० 39/11  
जो तोपखाना बाजार, मस्टन रोड कानपुर में स्थित है, 70,000  
रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 30-1-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 868/अर्जन/गाजियाबाद 75-76--यतः, मुझे, विजय भार्गवा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

5-46 GI/76

1. डा० मनोहर लाल पुत्र श्री चन्दन लाल नि० 19 ए० माडल टाउन गाजियाबाद, जिला मेरठ (अन्तरक)

2. (1) राज किशोर पुत्र श्री ज्योति प्रसाद (2) श्रीमती राम मूर्ति पत्नी श्री राज किशोर निवासी भाग 273, किशन गंज, तेलीवाड़ा, देहली-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

अचल सम्पत्ति रिहाशी मकान तीन मंजिला 1/2 भाग मकान नं० 18 क्षेत्रफल 120 वर्ग गज जो जगतीगंज, गाजियाबाद में स्थित है, 30,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 869/अर्जन/गाजियाबाद/75-76—यतः मुझे,  
विजय भार्गवा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के  
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजिया-  
बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 2-8-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० मनोहर लाल पुत्र श्री चन्दन लाल निवासी  
19 ए० माडल टाउन गाजियाबाद (अन्तरक)

2. (1) श्री नानक चन्द (2) श्री लालमन दास पुत्रगण स्व०  
लाला दीवान चन्द निवासी 18, जगनी गंज, गाजियाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

#### अनुसूची

अचल सम्पत्ति रिहाशी भकान तीन मंजिला 1/2 भाग  
भकान नं० 18 क्षेत्रफल 120 वर्ग गज को जगनी गंज, गाजिया-  
बाद में स्थित है, 30,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया  
गया है।

विजय भार्गवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-4-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 870/अर्जन/गाजियाबाद/75-76---यतः मुझे, विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, 13-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती छुआरो देवी पत्नी श्री डी० एल० गुप्ता निवासी 25 चन्द्रपुरी गाजियाबाद जिला मेरठ। (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी सत्य प्रकाश (2) श्री राज कुमार (3) पवन कुमार पुत्रगण सत्य प्रकाश (4) मुनेश कुमार (नाबालिग) पुत्र सत्य प्रकाश बन्दा बलोया कुदरती श्रीमती सावित्री देवी निवासी 43 केलावाला देहली रोड, गाजियाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 88 क्षेत्रफल 200 वर्ग गज स्थित नवयुग मार्कीट, गाजियाबाद, जिला मेरठ में है, 66892 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 5-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 834-ए०/अर्जन/आगरा/75-76—यतः, मुझे,  
विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी  
सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार  
स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 2-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में धारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री हबूब लाल (2) श्री छोटे लाल (3) जमुना प्रसाद  
पुत्रगण स्व० कन्हैया लाल निवासी गोपालपुरा, जिला आगरा।

(अन्तरक)

2. श्री परशुराम नगर सहकारी गृह निर्माण समिति,  
लि० आगरा बजरीए सचिव रमेश चन्द शर्मा, 66 सलित कालोनी  
आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति जमीन क्षेत्रफल 2 बीघा 2 बिस्वा खेत  
नम्बरी 233 और 234, खाता सं० 44 जो गोपालपुरा,  
जिला आगरा में स्थित है, 42,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित  
किया गया है।

विजय भार्गवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर,

तारीख : 5-4-1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 अप्रैल 1976

निदेश सं० 835-ए/अर्जन/आगरा/75-76:—/44:—अतः,  
मुझे, विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री हुबूब लाल (2) श्री छोटे लाल (3) जमुना प्रसाद पुत्रगण स्व० कन्हैया लाल, निवासी गोपालपुरा, जिला आगरा।

(अन्तरक)

2. परशुराम नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लि० आगरा बजरिये सचिव रमेश चन्द शर्मा, 66, साकेत कालोनी, आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति जमीन क्षेत्रफल 2 बीघा 2 बीस्वा खेत नम्बरी 337, 338 और 339, खाता नं० 44 जो गोपालपुरा जिला आगरा में स्थित है, 48,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 5-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 अप्रैल, 1976

निदेश सं० 836-ए०/अर्जन/आगरा/75-76/45:—अतः,  
मुझे, विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
2-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त-  
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हुबूब लाल (2) श्री छोटे लाल (3) जमुना प्रसाद  
पुत्रगण स्व० कन्हैया लाल निवासी, गोपालपुरा, जिला आगरा।  
(अन्तरक)

2. परशुराम नगर, सहकारी गृह निर्माण समिति लि०  
आगरा बजरिये सचिव रमेश चन्द्र शर्मा, 66, साकेत, कालोनी,  
आगरा। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

#### अनुसूची

अचल सम्पत्ति जमीन क्षेत्रफल 1 बीघा 12 बीस्वा खेत नं०  
344 खाता नं० 44 जो गोपालपुरा, जिला आगरा में स्थित है,  
32,000 रु० मूल्य में हस्ताअन्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 5-4-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निदेश सं० 837-ए०/अर्जन/आगरा/75-76/46:— अतः, मुझे, विजय भार्गवा, आयकर अधिनियम (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हुबूब लाल (2) श्री छोटे लाल (3) जमुना प्रसाद पुत्रगण स्व० कन्हैया लाल निवासी, गोपाल पुरा, जिला आगरा ।  
(अन्तरक)

2. परशुराम नगर, सहकारी गृह निर्माण समिति लि० आगरा बजरिये सचिव रमेश चन्द शर्मा, 66, साकेत कालोनी, आगरा ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

अचल सम्पत्ति जमीन क्षेत्रफल 2 बीघा 5 बिस्वा खेत नम्बरी 320, 335 और 336 खाता नं० 44 जो गोपालपुरा, जिला आगरा में स्थित है, 45,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है ।

विजय भार्गवा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 6-4-76  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निदेश सं० 838-ए०/अर्जन/आगरा/75-76/47:— अतः, मुझे, विजय भार्गवा, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-8-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री हवूब लाल (2) श्री छोटे लाल (3) जमुना प्रसाद पुत्रगण स्व० कन्हैया लाल निवासी गोपाल पुरा जिला, आगरा। (अन्तरक)

2. परशुराम नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लि० आगरा बजरिये सचिव रमेश चन्द शर्मा, 66, साकेत कालोनी, आगरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जमीन क्षेत्रफल 2 बीघा 5 बिस्वा खेत नम्बरी 340 और 341, खाता नम्बर 44 जो गोपालपुरा, जिला आगरा में स्थित है, 45,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-4-76  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निदेश सं० 839-ए०/अर्जन/आगरा/75-76/48:—अतः,

मुझे, विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6-46GI/76

1. श्री हुबूब लाल (2) श्री छोटे लाल (3) जमुना प्रसाद पुत्रगण स्व० कन्हैया लाल निवासी गोपालपुरा, जिला आगरा।  
(अन्तरक)

2. परशुराम नगर, सहकारी गृह निर्माण समिति, लि० आगरा, बजरिये सचिव, रमेश चन्द शर्मा, 66, साकेत कालोनी, आगरा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

अचल सम्पत्ति जमीन 2 बीघा 4 बिस्वा खेत नम्बरी 342 और 343 खाता नं० 44 जो गोपाल पुरा जिला आगरा में स्थित है, 44,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-4-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निदेश सं० 915-ए०/अर्जन/मुजफ्फरनगर/75-76/51—  
अतः, मुझे, विजय भार्गवा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 7-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चन्द्र प्रकाश संगल, पुत्र श्री इन्द्र प्रकाश संगल निवासी  
मकान नं० 166, मोहल्ला राजपुताना रुड़की, जिला सहारनपुर।  
(अन्तरक)

2. मैसर्स ई० एस० एस०—सी० ई० ई—इण्डस्ट्रियल कारपो-  
रेशन बी०-11 इण्डस्ट्रियल एस्टेट मुजफ्फरनगर द्वारा श्री सुरेश  
चन्द गुप्ता पुत्र गोपी चन्द गुप्ता निवासी मकान नं० 82 मोहल्ला  
नं० 23, जालन्धर (पजाब) हाल निवासी 44 सिविल लाईन्स  
मुजफ्फरनगर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

अचल सम्पत्ति फैंद्री बिल्डिंग जो बी०-11 इण्डस्ट्रियल  
एस्टेट जी० टी० रोड़ मुजफ्फरनगर में स्थित है और जिस का क्षेत्र-  
फल 756.37 वर्ग गज है 65,000/- रु० मूल्य में हस्तान्तरित  
की गई है और मशीनरी पार्ट्स 18,000/- रु० मूल्य में हस्तान्तरित  
किये गये हैं। (कुल योग 83,000/- रु०)।

विजय भार्गवा:

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन रज.) कानपुर

तारीख : 7-4-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 अप्रैल: 1976

निदेश सं० 867/अर्जन/गाजियाबाद/75-76/39:— अतः

मुझे, विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पद्मा रानी गुप्ता पत्नी श्री अशोक गुप्ता निवासी 12 एडमिन सटन रोड इलाहाबाद । (अन्तरक)

2. श्री विनोद प्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री कुंज बिहारी लाल द्वारा मुस्तार ग्राम श्री सुबोध कुमार पुत्र श्री कुंज बिहारी लाल निवासी के० सी०/70 कबि नगर गाजियाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० के०-ए०/29 रकबई 1422.22 वर्ग गज जो कबि नगर गाजियाबाद जिला मेरठ में स्थित है, 52,622 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-4-75  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1976

निर्देश सं० आई० 1/1258-1/अगस्त-75--अतः मुझे  
व्ही० आर० अमिन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सी० एस० क्र० 790 (पार्ट) 8/788, 790  
मलबार हिल डिव्हीजन तथा कंबाला हिल डिव्हीजन है,  
जो बार्डन रोड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 1-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-  
धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. रेवा के हिज हाइनेस महाराजा मार्टिन्ड सिंहजी ।

(अन्तरक)

2. श्री रमणकलाल तलकसी दोशी और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

### अनुसूची

नगरद्वीप बम्बई जिले एवं रजिस्ट्रेशन उपजिले में महालक्ष्मी  
कंपाऊंड के निकट बार्डन रोड पर स्थित एवं अवस्थित 4233.33  
वर्ग मीटर अथवा उसके लगभग (यानी 5063 वर्ग गज या उसके  
समीपस्थ) प्लॉट नं० 'सी०' का वह समूचा भूभाग, भूखंड अथवा  
भूस्थल उप पर बनी गृहवाटिकाओं, कूटीरों और आवासनगृह  
सहित चालों तथा अन्य संरचनाओं समेत जो मलबार और कंबाला  
हिल डिव्हीजन के भूखंड केडस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 790 (पार्ट)-  
8/788 और 790 का अंश अथवा भाग है जिसकी सीमाएं इस प्रकार  
घिरी हुई हैं :—अर्थात् उत्तर अथवा उत्तर की ओर सब प्लॉट नं०  
बी० और दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर केडस्ट्रल सर्वेक्षण सं०  
791 की संपत्ति पूर्व में अथवा पूर्व की ओर अंशतः सब प्लॉट नं०  
बी० और अंशतः सामान्य प्रवेश भाग और पश्चिम में अथवा पश्चिम  
की ओर केडस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 788 की संपत्ति और अनलग्नक प्लान  
में परिसीमित एवं अंकित प्लॉट 'सी०' ।

व्ही० आर० अमिन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 6-3-1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निर्देश सं० अ०ई० 1/1292-1/अगस्त 75:—अतः मुझे  
व्ही० आर० अमीन आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सी० एस० सं० 1431 ऑफ लोअर परेल डिवीजन  
टी० पी० एस० 4 माहिम है जो फायनल प्लॉट सं० 490/491  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है)- राजस्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय  
राजस्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
16-8-75 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त

1. इस्टर्न वुलन मिल्स लिमिटेड। (अन्तरक)

2. प्रियदर्शिनी महिला को० हा० सो० लि०। (अन्तरिती)

3. किरायेदार

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

टी० पी० एस० 4 का फायनल प्लॉट सं० 490/491 माहिम  
क्षेत्र बम्बई क्षेत्रफल 6950.73 वर्ग मीटर लोअर परेल डिवीजन  
की सी० एस० सं० 1431 है।

व्ही० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निर्देश सं० अ० ई०/1293-2/अगस्त 75:—अतः मुझे  
व्ही० आर० अमीन आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० 1/57/मलबार और कंबाला हिल  
डिवीजन ट्रेक रोड है जो प्लॉट सं० 1/57/गोवालिया में स्थित है  
(और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-8-75 को  
पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री हरीराम केशवदास रोहीत्र और अन्य ।

(अन्तरक)

2. न्यू महावीर को० अॉ० हा० सो० लि० ।

(अन्तरिती)

3. सभासदे ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

5 मंजिलें और गैरेज सहित जमीन, प्लॉट सं० 1/571; गोवा-  
लिया ट्रेक, रोड, जिसका मलबार तथा कंबाला हिल डिवीजन की  
सी० एस० सं० 1/571 है ।

व्ही० आर० अमीन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 मार्च, 1976

निर्देश सं० आई० 2/2034/3730/75-76:—अतः, मुझे,

एम० जे० माथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 26-बी० प्लॉट नं० 119-बी०-1 है, जो सान्ताक्रुज (पूर्व) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वेद प्रकाश अग्रवाल । (अन्तरक)

2. श्री जय बन्साल को० अॉ० हाउ० सोसायटी लि०, (अन्तरिती)

3. 1. श्रीमती सावित्री देवी के० कुमार, 2. श्री महाबीर प्रसाद दालमिया, 3. श्री बजरंग लाल दालमिया, 4. श्री जुगल किशोर दालमिया, 5. श्रीमती कानुबेन बचुभाई त्रिवेदी, श्री बचुभाई त्रिवेदी, 6. श्रीमती धनलक्ष्मी नटवरलाल मेहता, श्री नटवरलाल शीबलाल मेहता, 7. श्रीमती शारदाम्बल हरीहरन, 8. श्री बालकृष्ण मोट्टी शिरूर, 9. श्री झीनभाई कुरजो पोपट, 10. डा० रमणलाल

नाथलाल जोशी, 11. श्री विजयकुमार मुन्दा, 12. श्री गिरधारी लाल धरमचंद मल्होत्रा, 13. श्री थिरुपुडईमस्टुर पिचुमणी वेंकटनायण, 14. श्री विश्वम्बरलाल बत्तनचंद गुप्ता, 15. श्री मेवाती ब्रदर्स, 16. श्री व्ही० पी० अग्रवाल (गैरेज) ।

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

बृहत्तर बम्बई में बम्बई उपनगर के जिला बाब्रा के रजिस्ट्रेशन जिले में प्रभात कालोनी, सान्ताक्रुज (पूर्व) में स्थित और अवस्थित भूमि अथवा मैदान का तमाम भाग अथवा खंड और उस पर बनी गृहवाटिकाओं और टेनामेंटसहित वह भाग जिस पर प्लॉट सं० 119-बी०-1 (नई सं० 103-ए०) टी० पी० एस० 5 सान्ताक्रुज अंकित है तथा जिस पर सी० टी० सर्वे सं० 26-बी० और बम्बई म्युनिसिपल कार्पोरेशन संख्या एच० वे संख्या 6918, स्ट्रीट सं० 1, ए० अंकित है तथा जो पैमाइश में 918.81 वर्ग मीटर अर्थात् 1107 वर्ग गज है तथा जिसकी सीमाएं इस प्रकार से घिरी हुई हैं कि :—

उत्तर में अथवा उत्तर की ओर उपर कही गई स्कीम की प्लॉट सं० 119-बी० 2 है, जो कि बिक्रेता से संबंधित है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर उस पर कही गई स्कीम की 40' चौड़ी सड़क है, पूर्व में अथवा पूर्व की ओर उपर कही गई प्लॉट सं० 127 है, और अंशतः प्लॉट सं० 122 है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर उपर कही गई स्कीम की प्लॉट संख्या 118 है ।

एम० जे० माथन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, बम्बई

तारीख : 22 मार्च, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 मार्च, 1976

निर्देश सं० अ०ई० 5/416-ए०/39/75-76:--अतः, मुझे, जे० एम० मेहरा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी सं० सं० नं० 4 हि० नं० 1ए० सं० नं० 5 हि० नं० 2ए०, 3ए० है, जो विलेज मोहल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16-8-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री हिम्मत नगीम भाई खेतानी (2) श्री प्रवीन नगीम भाई खेतानी, केशव काजी ओहाड भाई लेन घाटकोपर बम्बई 77। (अन्तरक)

2. श्री लीनस् डी० सी० शा, 235 व्हीलेज वार्ड जुना कुर्ला बम्बई-70।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन अथवा मैदान का वह तमाम भाग अथवा खंड जो की, पैमाइश में 5830 वर्ग गज अर्थात् 4874.46 वर्ग मीटर या उसके लानभग है, जो कि रजिस्ट्रेशन उपजिला और बम्बई उपनगर जिला के जिला साउथ सालसेट ग्राम मोहल साकी बिहार रोड में स्थित एवं अवस्थित है, जिसका सर्वेक्षण सं० 4 हिस्सा सं० 1 ए०, सर्वेक्षण सं० 5 हिस्सा सं० 2 ए और 3 ए है, और जो इस प्रकार से घिरा हुआ है, पूर्व में वह जमीन है जिसका सर्वेक्षण सं० 4 हि० सं० 2 है जो रतिलल साही एण्ड कं० की है, पश्चिम में अंशतः हिन्दुस्तान आइल मिल्स की प्रापटी है, जिसका सर्वेक्षण सं० 4 हिस्सा सं० 1 है, और अंशतः गयादीन अलगु मेटल रीफानरीज की जमीन है, जिसका सर्वेक्षण सं० 4 हिस्सा सं० 4 है, उत्तर में जनभाई पावलू भिसकीटा की जमीन है जिसका सर्वेक्षण सं० 6 है, और दक्षिण में 4 फूट लंबी सड़क है।

जे० एम० मेहरा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 5, बम्बई

तारीख : 26-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० न्यू० 23-1-688 (276)/16-6/75-76:—प्रतः, मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 119/1 तथा 119/2 प्लॉट नं० 22 तथा 23, है जो जीवा रैया प्लॉट, लाठी प्लॉट के साथ, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

7—46 GI/76

(1) श्री हीरालाल अमृतलाल परीख, मंगल भुवन, करन परा, राजकोट ।  
(अन्तरक)

(2) मैसर्स श्री राम ट्रेडर्स, लाठी प्लॉट, कुपड़वा रोड़, राजकोट ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

एक खुली जमीन का प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 2474 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे सं० 119/1 तथा 119/2 है और प्लॉट नं० 22 तथा 23 है तथा जो जीवा रैया प्लॉट, लाठी प्लॉट के साथ वाले प्लॉट, राजकोट में स्थित है ।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 26-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-683(281)/10-1/75-76:—यतः, मुझे, जे० कथूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सीटी सर्वे नं० 37-एफ०-4, है जो, बेडी रोड़, सोलेरियम के सामने, जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1975 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मनुभाई जीवणलाल खामर, 26, नरसी नगर सोसायटी, नाराणपुरा, अहमदाबाद-13 ।

(अन्तरक)

(2) श्री वसंतराए भगवानजी, मारफत शक्ति आईल मिल्स, मनमोहन मारफेट, जामनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

एक दो मंजिल वाली अचल सम्पत्ति जो 426 वर्ग मीटर भूमि पर स्थित है तथा जिसका सिटी सर्वे सं० 37-एफ-4 है तथा जो बड़ी रोड़ पर सोलेरियम के सामने, जामनगर में स्थित है ।

जे० कथूरिया;  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 5-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-680 (282)/5-1/75-76:—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 947-बी०, है, जो गीता चौक के पास,  
डॉन एरिया, कृष्णा नगर, भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, भावनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) पटेल नगीनदास उकाभाई, 115, एम० आई० जी०,  
शास्त्री नगर, भावनगर। (अन्तरक)

(2) श्री विरेन्द्र रतीलाल बोरा, (2) श्री देवेन्द्र रतीलाल  
बोरा, तथा (3) श्री हसमुखलाल रतीलाल बोरा, पांजरा पोल,  
दूसरी गली, लक्ष्मी निवास, दूसरी मंजिल, बम्बई-4।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक दो मंजिल वाला बंगला जो 528.83 वर्ग गज भूमि पर  
स्थित है तथा जिसका प्लॉट नं० 947-बी० है तथा जो गीता  
चौक के पास, डॉन एरिया, कृष्णा नगर, भावनगर में स्थित है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 5 मार्च, 1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-681 (295)/1-1/  
75-76:—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सनन्द नं० 6296, नया सिटी सर्वे वार्ड नं० 3 है, जो महालक्ष्मी मंदिर के पास, बोरा बाजार, भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-8-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री हर्ष कुमार विरेन्द्र राए डेसाई, अटाभाई रोड, प्लाट नं० 153, कृष्णा नगर, भावनगर। (अन्तरक)

(2) किरण कारपोरेशन, बोरा बाजार, भावनगर, की ओर से आगीदार:

- (1) गुणवंतभाई कान्जीभाई शाह,
  - (2) वासंतीबेन हरश्वचन्द शेठ,
  - (3) प्रतिभाबेन रसिकलाल शाह तथा
  - (4) हर्षभाई विरेन्द्रराए डेसाई। (अन्तरिती)
- (3) (1) मंगल भारती होटेल,  
(2) बाबुभाई टेलर,  
(3) प्रभुदास सोनी,  
(4) रसिकलाल के० शाह।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो "किरण विध्या-आश्रम" के नाम से प्रख्यात है तथा जिसका नया सिटी सर्वे वार्ड नं० 3, सनन्द नं० 6296 है तथा जो महालक्ष्मी मंदिर के पास बोरा बाजार, भावनगर में स्थित है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 12 मार्च, 1976।

मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 फरवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-763 (273)/1-1/75-76:—यतः, मुझे, जे० कथूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 198, फायनल प्लॉट नं० 143, टी० पी० एस० नं० 14, है जो शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-8-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती विनोदाबेन हर्षदराए अध्यारू,  
(2) श्री पार्थिव हर्षदराए अध्यारू,  
(3) कुमारी श्रुंगारी हर्षदराए अध्यारू, "कुम-कुम" पचवटी, सी० जी० रोड़, नं० 1, एलिसब्रिज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. डा० जगदीश रामनाथ जाजू, 13, सुभाष नगर, गिरधर नगर के पास, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन का प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 709 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे सं० नं० 198, फायनल प्लॉट नं० 143, टी० पी० एस० नं० 14 है तथा जो शाहीबाग अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 22-8-75 वाले दस्तावेज नं० 12347 में दिया गया है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 20-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 फरवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-763 (274)/1-1/75-76:—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 198, फायनल प्लॉट नं० 143, टी० पी० एस० नं० 14, है, जो अहमदाबाद शाहीबाग, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिका-री के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन, 22-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती विनोदाबेन हर्षदराए अध्याय,
- (2) श्री पार्थिव हर्षदराए अध्याय,
- (3) कुमारी श्रुंगारी हर्षदराए अध्याय, "कुम-कुम" पंचवटी सी० जी० रोड नं० 1, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चित्ताबेन जगदीश जाजू, 13, सुभाष नगर, गिरधर नगर के पास, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक खूली जमीन का प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 709 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 198, फायनल प्लॉट नं० 143, टी० पी० एस० नं० 14 है तथा जो शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 22-8-75 वाले दस्तावेज में दिया गया है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 20-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-743 (305)/1-1/  
75-76:—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)  
की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 197 तथा 199/2/बी०, टी० पी० एस०  
नं० 19 है, जो मेमनगर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-8-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घट या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घट-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री रोहिन्दन डुंगजी दारूवाला, रूम नं० 5, ग्रांड  
होटेल बिल्डिंग, लाल दरवाजा, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) मेसर्स शक्ति बिल्डर्स, 174, नई कलाथ मार्केट, रायपुर-  
गेट, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 2794  
वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 197 तथा 199/2/बी०, टी०  
पी० एस०, नं० 19 है तथा जो मेमनगर, अहमदाबाद में स्थित  
है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 16-3-1976  
मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-754(306)/1-1/75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 54, 57 तथा 58 (भाग) है, जो सहजपुर—बोधा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री चिमन लाल कुबेर दास मोदी,  
(2) श्रीमती कमलाबेन मावजीभाई, कुबेर—निवास, राए खड़, अहमदाबाद । (अन्तरक)

2. नव दुर्गा टेनामेन्ट्स एसोसियेशन, एस० टी० सेन्ट्रल वर्कशॉप के सामने, नरोड़ा-रोड़, पाटीया, डाक-खाना, सहजपुर—बोधा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 6659 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 54, 57 तथा 58 (भाग) है तथा जो सहजपुर बोधा, अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद ।

तारीख : 20-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-689(307)/1-1/  
75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी स० सर्वे नं० 215, प्लॉट नं० 1071-73 है, जो दी  
अजी इन्डस्ट्रियल एरीया, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अर्जसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 22-8-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान  
प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
8—46G1/76

(1) कोमसेल्स इन्जिनीयरिंग वर्क्स, राजकोट ।

मालिकः—श्री दामोदर मोहनलाल सोनी, 80 फीट, रोड़,  
"ईश्वर-आषीश," राजकोट । (अन्तरक)

(2) मैसर्स वेको इलेक्ट्रोप्लेट्स, राजकोट की ओर से मुख्य  
भागीदार, श्री लालजी भाई [करमशीभाई वेकरिया, भक्ती नगर,  
स्टेशन गोडाऊन रोड़, राजकोट । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 1500 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा  
जिसका सर्वे नं० 215 प्लॉट नं० 1071-73 है तथा जो अजी  
इन्डस्ट्रियल एरीया, राजकोट में स्थित है ।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद ।

तारीख : 1 अप्रैल, 1976

सोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० न्यू०-23-I-765 (317)/1-1/75-76

—यतः मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० फायनल प्लॉट नं० 26, सब प्लॉट नं० 18, टी० पी० एस० नं० 4 है, जो गणेश गली, मनीनगर चार रास्ता, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) हीरालक्ष्मी सुपुत्री मोहनलाल, पून्जीराम मोदी, मणीनगर चार रास्ता, अहमदाबाद ।  
(अन्तरक)

(2) (1) श्री अम्बालाल विट्ठल दास,  
(2) विमलाबेन अम्बालाल, मणीनगर चार रास्ता, अहमदाबाद-8 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक अक्षल सम्पत्ति जो 486 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका फायनल प्लॉट नं० 126, सब प्लॉट नं० 18, टी० पी० एस० नं० 4, है तथा जो गणेश गली, मनीनगर, चार रास्ता, अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक 7 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० ब्यू०— 23-I-691(319)/16-6/75-76— यतः, मुझे, जे० क्यूरिया  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिस की सं० सर्वे नं० 608-ए, है, जो परदमन-नगर, राजकोट  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 8-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
सथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) बिपिन कुमार गजानन जोशी,

(2) श्री शिरीशचन्द्र गजानन जोशी, मोटी टैकी के पास,  
राजकोट । (अन्तरक)

(2) मैसर्स : आर० पी० शाह सन्स, (रजिस्टर्ड फर्म)  
दाणा पीठ, राजकोट । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति (जिसे गिरा दिया गया है) जो 776-2-3  
वर्ग गज भूमि सहित है तथा जिसका सर्वे नं० 608-ए है तथा जो  
मोटी टैकी के पास, परदमन नगर, राजकोट में स्थित है।

जे० क्यूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 9 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1976

निदेश सं० 314/ए० सी० क्यू० 23-534/19-7/75-76—

यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० सर्वे नं० 389-ए हिस्सा नं० 1, 2 और 3 पैकी है, तथा जो कनार गाम, अस्थनीकुमार रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री फुलचन्दभाई जैकिसनदास वखारिया, नथापुरा, करवा रोड, सूरत

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकान्त नाथुभाई शाह 9/441, स्टोर शेरी, वाडी फालिया, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन जिस का सर्वे नं० 389/ए हिस्सा नं० 1, 2 और 3 पैकी फाईनल प्लॉट नं० 793 कुल माप 4213 वर्ग गज (आयर फेंसिंग सहित) अश्वनीकुमार रोड, कतार गांव, सूरत में स्थित है जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के अगस्त 1975 के रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 3819 में प्रदर्शित है

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 29-3-76

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1976

निदेश नं० 315/ए० सी० क्यू० 23-594/19-7/75-76—

अतः, मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० नोंध नं० 196 वाई नं० 9, है, जो जो पगथिया शेरी, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12 अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बलवंतराय जयकिसनदास, एच० यू० एफ० के कर्ता और अन्य जगथिया शेरी, वाडी फालिया, सूरत (अन्तरक)

(2) श्री अंबालाल बलवंतराय, जसवंत लाल बलवंतराय नवीनभाई, बलवंतराय, अरविदलाल बलवंतराय, जितेन्द्र बलवंतराय, पगथिया शेरी, वाडी फालिया, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुराने रोड सहित खुली जमीन जिसका नोंध नं० 196 वाई नं० 9 कुल माप 281 वर्ग गज है तथा जो पगथिया शेरी, वाडी फालिया, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के अगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2067 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 29-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-V, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 11 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० 51/अर्जन रेंज-V/कल०/75-76—

अतः, मुझे, एस० एस० इनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिस की सं० 107 है तथा जो ने० सुभाष चन्द्र बोस  
रोड पी० एस० टौलीगंज स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20 अगस्त 75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) मै० जयपुर इन्वेस्टमेंट कम्पनी लिमिटेड  
( अन्तरक)

(2) श्री श्रीपाल बहादुर सिंह  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1 बीघा 13 छटाक 15 स्क्वे० फी० भूमि एवं 2  
मन्जला मकान 107 ने० सुभाष चन्द्र बोस रोड, पी० एस०  
टौलीगंज, कलकत्ता स्थित एवं डीड सं० 4927 ता०  
20-8-1975 से रजिस्ट्रीकृत

एस० एस० इनामदार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज V, कलकत्ता  
54, रफी अहमद क़िदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

दिनांक : 11 मार्च 1976

मोहर :

## रूप आई.टी.एम.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-V, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 1 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० 1/अ० रे०-5/कल०/76-77—अतः, मुझे, एस० एस० ईनामदार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० 2 तथा 2/9 है तथा जो नेताजी सुभाष रोड, थाना- बालि, जिला-हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20 अगस्त 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त 'अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) मैसर्स मनिकान्त प्रा० लि०, 15, मैथ्यू रोड, फोर्ट बम्बई

(अन्तरक)

(2) मैसर्स शान्ति नगर हाउसिंग सोसाइटी प्रा० लि० 50, दजरा स्ट्रीट, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 11 बीघा 7 कट्ठा 3 छ० है जो 2 तथा 2/9, नेताजी सुभाष रोड, हावड़ा (थाना—बालि) में स्थित है। दलील सं० 1-4922 ता०, 20-8-75, रजिस्ट्री कार्यालय कलकत्ता।

एस० एस० ईनामदार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, V, कलकत्ता

54, रफी अहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

दिनांक : 1 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-V, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 1 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी०-2/अ० रे० 5/कल०/75-76—अतः, मुझे, एस० एस० ईनामदार प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० 2 तथा 2/9 है तथा जो नेताजी सुभाष रोड, थाना-बालि जिला-हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20 अगस्त 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मेसर्स मनिकान्त प्रा० लि०, 15 मैथ्यू रोड, फोर्ट बम्बई

(अन्तरक)

(2) मेसर्स शान्ति नगर हाउसिंग सोसाइटी प्रा० लि० 50, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से-30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 15 क० 14 छ० 40 वर्ग फीट है जो 2 तथा 2/9, नेताजी सुभाष रोड, थाना-बालि, जिला हावड़ा में स्थित है।

दलील सं० -I-4924 दिनांक 20 अगस्त 1975 रजिस्ट्री कार्यालय—कलकत्ता

एस० एस० ईनामदार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-V, कलकत्ता

54, रफी अहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

दिनांक : 1 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी०-3/अ० रे०-5/कल०/76-77—अतः  
मुझे, एस० एस० ईनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 15 है तथा जो दम-दम रोड़, थाना  
चितपुर-24 परगना स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 11 अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राजलक्ष्मी मल्लिक पत्नी श्री भुवनेश्वर मल्लिक  
बड़ा बाजार, चितपुर, जिला—हुगली  
(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार मित्रा, 14/सी/1ए दम-दम रोड़,  
कलकत्ता-30

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 3 बीघा 12 क०, दमरत सहित, जो  
15, दम-दम रोड़, थाना चितपुर, जिला-24 परगना पर स्थित है।

दलील सं० I-4686 दिनांक 11 अगस्त 1975 रजिस्ट्री  
कार्यालय-कलकत्ता

एस० एस० ईनामदार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, 5, कलकत्ता  
54, रफी अहमद क़िदवाई रोड़,  
कलकत्ता-16

दिनांक 3 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती ज्योत्सना चटर्जी, 141, लेक रोड, कलकत्ता-29

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री परितोष मजुमदार तथा श्रीमती सुषमा मजुमदार

भारत सरकार

आर० के०-I/332, सीन्दरी, जिला—धनबाद

(अन्तरिती)

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

कलकत्ता, दिनांक 3 अप्रैल 1976

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० ए० सी०-4/अ० रे० 5/कल०/76-77— अतः

मुझे, एस० एस० ईनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दाग सं० 9761, ख० -1849 है तथा जो मौजा चातरा, थाना—श्रीरामपुर जिला हुगली स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

भूमि का क्षेत्रफल 0.0132 एकड़, जिसके साथ दो तल्ला इमारत हैं जो दाग सं० 9761, खनी आन सं०-1849 मौजा—चातरा, थाना—श्रीरामपुर जिला—हुगली में स्थित हैं।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एस० एस० ईनामदार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 5, कलकत्ता  
54, रफी अहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक 3 अप्रैल 1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी०-5/अ० रे०-5/कल०/76-77—अतः  
मुझे, एस० एस० ईनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिस की सं० बाग सं० 2686 ख० सं० 825 है तथा जो  
मौजा—बेलूड़, थाना—बालि, जिला—हावड़ा में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13 अगस्त 1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती (1) शान्ति देवी (2) सर्व श्री हेमन्त कुमार  
गनेड़ीवाला (3) सुशील कुमार गनेड़ीवाला (4)  
सरब कुमार गनेड़ीवाला

(अन्तरक)

(2) (1) श्री सूरज मल गुप्ता (2) राम कुंवर सिंह (3)  
नवल किशोर गुप्ता (4) श्रीमती मालती देवी गुप्ता  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 2 बीघा 19 क० तथा 3 छ०, बनावट  
सहित, जो 15 तथा 15/2, बेलूड़ रोड़, दाग सं० 2686 खली-  
आन सं० 425, मौजा बेलूड़ थाना—बालि, जिला—हावड़ा में  
स्थित है।

दलील सं० 3203 दिनांक 13 अगस्त 1975

एस० एस० ईनामदार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

कलकत्ता-16

दिनांक 3 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पंचानन राय

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कालि प्रसाद गुप्ता

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

कलकत्ता, दिनांक 6 अप्रैल 1976

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

निदेश सं० ए० सी० 6/अ० रें०-5/कल० /76-77—अतः  
मुझे एस० एस० ईनामदार  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिस की सं० मौजा बैरकपुर है तथा जो थाना—बालि,  
जिला हावड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 14 अगस्त 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-  
शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तालाब सहित भूमि क्षेत्र फल 5 बीघा 15 क० 10 छ०  
8 वर्ग फीट का 3/4 वां हिस्सा, जो दाग सं० 2996, 2997,  
2999, 3000 खती० सं० 1053 मौजा बैरकपुर, थाना-बालि,  
जिला हावड़ा में स्थित है।

अनुसूची

एस० एस० ईनामदार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन-रेंज 5, कलकत्ता

दिनांक 6 अप्रैल 1976  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) चितरंजन राय

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री काली प्रसाद गुप्ता

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

कलकत्ता, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निर्देश सं० ए० सी०-6/ अ० रे०-5/कल०/76-77—अतः, मुझे, एस० एस० ईनामदार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० मौजा बैरकपुर है तथा जो थाना—बालि जिला—हावड़ा में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14 अगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

तालाब सहित भूमि का क्षेत्रफल 5 बीघा, 15 क० 10 छ० का 1/4 वां हिस्सा, जिसका दाग सं० 2996, 2997, तथा 3000, खती० सं० 1053, मौजा—बैरकपुर, थाना—बालि — जिला—हावड़ा में स्थित है।

दलील सं० 3223, दिनांक 14 अगस्त 1975

एस० एस० ईनामदार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज 5, कलकत्ता

दिनांक 6 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पंचानन राय

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० 8/अं० रे०-5/कल०/76-77—अतः,

मुझे, एस० एस० ईनामदार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० मौजा—बैरकपुर है तथा जो थाना—बालि जिला हावड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन; दिनांक 12 अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) (1) श्री मोहन लाल टिकमानी, (2) कृष्ण कुमार गर्ग (3) भगवति प्रसाद (4) शम्भु चरण कानोडिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

तालाब सहित भूमि के क्षेत्रफल 5 बीघा 18 क० 9 छ० 6 वर्ग फी० का 3/4वां हिस्सा जो दाग सं० 2993, 2994, 1996, 2997 खती नं० 927 तथा 1053, मौजा—बैरकपुर, थाना बालि, जिला—हावड़ा में स्थित है।

एस० एस० ईनामदार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

दिनांक 6 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

1. श्री पंचानन राय

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्री भवानी चरण नन्दी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी०-10/अ० रे०-5/कल०/76-77—अतः, मुझे, एस० एस० ईनामदार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मौजाबैरकपुर है तथा जो थाना—बालि, जिला हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13 अगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

तालाब सहित भूमि का क्षेत्रफल 4 बीघा 16 क० 5 छ० 3 वर्ग फी० है जो दाग सं० 2995, खती नं० 1097 में स्थित है।  
मौजा—बैरकपुर, थाना—बालि, जिला—हावड़ा।

एस० एस० ईनामदार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 5, कलकत्ता  
54, रफी अहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

दिनांक : 6 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री चितरंजन राय (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० 9/अ० रे०-5/कल०/76-77—अतः,,  
मुझे, एस० एस० ईनामदार, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० मोजा—बैरकपुर है तथा जो थाना—  
बालि, जिला—हावड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 12 अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,'  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. (1) श्री मोहन लाल टिकमानी (2) कृष्ण कुमार  
गुप्ता (3) भगवति प्रसाद कानोडिया (4) शम्भु  
चरण कानोडिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त  
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

तालाब सहित भूमि के क्षेत्रफल 5 बीघा 18 क० 9 छ०  
7 वर्ग फीट का  $\frac{1}{4}$  वां हिस्सा जो दाग सं० 2993, 2994,  
2996, 2997, खती० 927 तथा 1053, मोजा—बैरकपुर,  
थाना—बालि, जिला—हावड़ा।

एस० एस० ईनामदार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-5,  
54, रफी अहमद क़िदवाई रोड़  
कलकत्ता-16

दिनांक : 6 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 मार्च 1976

निदेश सं० 323/एकु० रे०-III/75-76/कल०—अतः,  
मुझे, एल० के० बलसुब्रमनियन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 145 है तथा जो नेता जी सुभाष चन्द्र बोस  
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक, 12 अगस्त 1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. धर्थात्:—  
10—46GI/76

1. श्री श्याम सुन्दर गोयेंका 9 खडन स्ट्रीट, कलकत्ता  
(अन्तरक)
2. पुष्प काजारिया 9 बनफील्ड लेन, कलकत्ता  
(अन्तरिती)

4. (1) सुशीला काजारिया  
(2) सकुन काजारिया  
(3) प्रभावती काजारिया  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामीत से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

करीब 1 बीघा 19 कट्ठा 13 छटाक 14 स्को फुट जमीन  
साथ उसपर बनाया दो तल्ला मकान का अधिभाजित 1/2  
हिस्सा जो 145, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, थाना—यादव-  
पुर, 24 परगना पर अवस्थित और जो रजिस्ट्रार आफ  
एसुरेन्सस कलकत्ता, द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 4720/  
1975 का अनुसार है ।

एल० के० बालसुब्रमनियन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III

54, रफी अहमद कदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

दिनांक : 18 मार्च 1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 मार्च 1976

निर्देश सं० 324/एकुरे III/75-76/ कल०— यतः मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० 145 है तथा जो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12 अगस्त 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ज्योति मन्दर गोयेंका 9 खंडन स्ट्रीट, कलकत्ता (अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला काजारिया, 9 बन फील्ड लेन, कलकत्ता (अन्तरिती)

(3) 1 पुष्प काजारिया

2 सकुन काजारिया

3. प्रभावती काजारिया

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

करीब 1 बीघा 19 कट्ठा 13 छटाक 14 स्क्वे० फुट जमीन साथ उसपर बनाया दोतला मकान का अविभाजित 1/4 हिस्सा जो 145, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, थाना—यादवपुर, 24 परगना पर अवस्थित और जो रजिस्ट्रार आफ एमुरेन्सेस कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलील सं० 4716/1975 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III

54, रफी अहमद क़िदवाई रोड,

कलकत्ता-16

दिनांक : 18 मार्च 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 मार्च 1976

निदेश सं० 325/एकुरे III/75-76/कलकत्ता—यतः मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 145 है तथा जो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12 अगस्त 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्याम सुन्दर गोयेंका 9, खडन स्ट्रीट कलकत्ता (अन्तरक)

(2) श्रीमती सकुन काजारिया 9 बन फील्ड लैन, कलकत्ता (अन्तरिती)

(4) 1 सुशीला करजारिया

2. पुष्प काजारिया

3. प्रभावती काजारिया

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

करोड़ 1 बीघा 19 कट्ठा 13 छटाक 14 स्क्वे० फुट जमीन साथ उसपर बनाया दो तल्ला मकान का अविभाजित 1/4 हिस्सा जो 145 नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, थाना —यादबपुर, 24 परगना पर अवस्थित और जो रजिस्ट्रार आफ एगुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलील सं० 4717/1975 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III  
54, रफी अहमद क़िदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

दिनांक : 18 मार्च 1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 मार्च 1976

निदेश सं० 326/एकुरे०-III/75-76/कल०—यतः मुझे,  
एल० के० बाल सुब्रमनियन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का

43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 145 है तथा जो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
12-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब  
के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री श्याम सुन्दर गोयेंका,  
6, खडन, स्ट्रीट, कलकत्ता।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रभावती काजारिया,  
9, बनफील्ड लेन, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री मती सुशीला काजारिया

(2) पुष्प काजारिया

(3) सकुन काजारिया

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

करीब 1 बीघा 19 कट्टा 13 छटांक 14 स्क्वे० फुट जमीन साथ  
उस पर बनाया दोतल्ला मकान का अविभाजित 1/4 हिस्सा जो  
145, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, थाना यादबपुर, 24 परगना  
पर अवस्थित और जो रजिस्ट्रार आफ एस्युरेसेन्स, कलकत्ता  
द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 4716/1975 का अनुसार है।

एल० के० बाल सुब्रमनियन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 18-3-1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलक 1-16

कलकत्ता, दिनांक 22 मार्च, 1976

निदेश सं० एकुरे० III/75-76/कल०—यतः मुझे, एल० के० बाल सुब्रमनियन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 40/17/बी है तथा जो मुर एमिन्यु, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सबिता पाठक

80/17 बी, मुर एमिन्यु, कलकत्ता-40

(अन्तरक)

2. श्री समीर कुमार पांजा

27/40/1-के० एम० नस्कर, रोड, कलकत्ता-40

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

करीब 3 कट्ठा 7 छटांक 11 स्क्वे० फुट जमीन साथ पर उस पर बनाया दोतल्ला मकान जो पौर सं० 40/17, बी, मुर एमिन्यु, थाना यादवपुर, कलकत्ता पर अवस्थित और जो 75 साल का 4267 नं० डिड में आलिपुर 24-परगना सबरजिस्ट्री-कर्ता के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण हुआ है।

एल० के० बाल सुब्रमनियन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 54, रफीअहमद क़िदवाई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 22-3-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 मार्च 1976

निदेश सं० 329/एकु० रे०/III/75-76/कल०—अतः, मुझे,  
एल० के० बाल सुब्रमनियम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी संख्या 1 है तथा जो गरियाहाट रोड, कलकत्ता में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर, कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
14-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शेख शराफत हुसैन,  
बोलपुर (निचुपति), पो० बोलपुर, जिला बिरभूम।  
(अन्तरक)
2. (1) श्री आशिष मुहराय,  
314, पर्व श्री पल्ली धाना बेहाला, 24 परगना।  
(2) श्रीमती कृष्णा राय,  
67/1, एस० एन० राय रोड, कलकत्ता-38  
(3) श्रीमती सुक्ला चौधुरी,  
25 इस्ट रोड, कलकत्ता-32  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

करीब 5 कट्ठा 3 छटांक 21 स्क्वे० फुट जमीन जो सं० 1  
गरियाहाट रोड, कलकत्ता पर अवस्थित और उसका अंश विशेष  
है जो सब-रजिस्ट्रार आलिपुर कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल  
सं० 4274/1975 के अनुसार है।

एल० के० बाल सुब्रमनियम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद कदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 26-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, -III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1976

निर्देश सं० 330/एकुरे-III/75-76/कलकत्ता—यतः मुझे एल० के० बालसुब्रमनियन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 26/6 है तथा जो हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्रीमती देवारति घोष

14, हेमचन्द स्ट्रीट, कलकत्ता-14

(अन्तरक)

2. गणेश ओझा,

26/6, हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता-29

(अन्तरिती)

3. (1) "श्यामसंस" (क्लाथ सोप)

(2) "ड्रेस को" ( , , )

(3) इभा ल्यान्ड टेलरस ( , , )

(4) श्री एस० सी० जैन,

(5) यूनिथन बैंक

(6) श्री चौबे

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 2.5 कट्ठा जमीन साथ उस पर बनाया तीन तल्ला मकान जो सं० 26/6, हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता का दक्षिण भाग है, और जो रजिस्ट्रार आफ एस्युरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 4549/1975 के अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 30-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता -16

कलकत्ता-16 दिनांक 30 मार्च 1976

निर्देश सं० 331/एकुरे-III/75-76/कल०—अतः, मुझे, ल०

क० बाल सुब्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 26/6 है तथा जो हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-8-1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित श्रेष्ठ से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का) 11 या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती देवारति घोष

14, हेमचन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता-14

(अन्तरक)

2. श्री देवदीप सिंह

26/6, हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता 29

(अन्तरिती)

3. (1) श्री कयन कुमार साहा

(2) श्री प्रीतम सि

(3) रजनी एम० सादवानी

(4) श्री नागिना राम शर्मा

(5) युनियन बैंक

(6) श्रीमती गायत्री देवी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 2.5 कट्टा जमीन साथ उस पर बनाया तीन तल्ला मकान जो सं० 26/6, हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता का उत्तर भाग है और जो रजिस्ट्रार आफ एस्युरेन्स, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 4550/1975 के अनुसार है।

ल० क० बाल सुब्रमनियन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 30-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निदेश सं० टी०आर०-127/सी-126/कल०-1/75-76—यतः,  
मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5 है, तथा जो प्रफुल्ल सरकार स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गम प्लेस नार्थ, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

11—46 GI/76

1. श्री सुनीत कुमार लाहिड़ी

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार पोडुार,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

10 कट्टा 15 छटांक जमीन का 1/12 हिस्सा जो 5, प्रफुल्ल सरकार स्ट्रीट, (पहले 16 बेन्टीक स्ट्रीट, और 35, सुतारकीन स्ट्रीट) पर अवस्थित है ।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, 54 रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 6-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 9 अप्रैल 1976

निदेश सं० टी०आर०-128/सी-125/कल०-1/75-76—

अतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी संख्या 5 है तथा जो प्रफुल्ल सरकार स्ट्रीट, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उवाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5 गम० प्लेस नार्थ,  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 6-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती गोरी चौधरी,

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार पोद्दार,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

10 कट्टा 15 छटांक जमीन का 1/12 हिस्सा जो 5, प्रफुल्ल  
सरकार स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित है।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, रफी अहमद क़िदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 9-4-1976

मोहर :

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16 दिनांक 8 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए०सी०-1/आर०-II/कल०/76-77—अतः, मुझे,  
आर० बी० लालमोया

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० खसरा नं० 8, 202, 162, 8346 और दाग सं० 234,  
234/388, 234/389, 331/368, 331/474, 8228 है  
तथा जो मौजा रामपुर, परगना मागूरा पुलिस थाना, मईसतला,  
आलिपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार  
आफ एंज्युरेन्स कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 29-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. चन्दुर सिवदास आदवानि सुपुत्र श्री एल० सिवदास  
आदवानि।

(2) साधिली चादवानि,  
फ्लैट नं० 24-20/4, एलगिन रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

2. (1) श्री नुरुद्दिन अवयास भाई

(2) साजाद अवयास भाई

(3) जेकब, अवयास भाई

27, ओएसडन स्ट्रीट, कलकत्ता-23

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन 4 ए० सुकर मौजा रामपुर परगना मगूरा, पी० एम०  
मरहसतला, आलिपुर खतियान-22, दाग 234, 234/388,  
234/389, खतियान नं० 262, दाग नं० 332/368, 332/474-  
346—दाग नं० 228 है।

आर० बी० लालमोया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 54 रफी अहमद क़िदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख: 8-4-76

मोहर :

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए०सी०-2/आर-11/कल०/76-77—यतः, मुझे,  
आर० बी० लालमोया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 92-E है तथा जो  
अलिपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ  
एस्युरेन्स, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन 8-8-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
उक्त अधिनियम के अधीन कर  
देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ताराचन्द मोहंका,  
39, एजका स्ट्रीट, कलकत्ता

(अन्तरक)

2. डफ्नी इलेक्ट्रिक प्राईवेट लिमिटेड,  
पि० 46-ए, राधा बाजार लेन, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय  
20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन 11 काठा 7 छटांक 5 स्क्वायर फीट 92-E, अलिपुर  
रोड, कलकत्ता।

अ० वि० लालमोया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, 54, रफी अहमद कदवाई रोड,  
कलकत्ता

तारीख : 8-4-76  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 फरवरी 1976

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/315—यतः, मुझे,  
सी० एस० जैन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० नोहरा नं० 12 है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18 अगस्त, 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई; सा आय को प्राप्त उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्व श्री :

- (1) सन्त लाल
- (2) रामदयाल
- (3) हुकमचन्द
- (4) तारा चन्द
- (5) मदनलाल पुत्रान श्री रामसुखदास उर्फ राम स्वरूप  
दास अग्रवाल निवासी श्रीगंगानगर ।

(अन्तरक)

2. श्री अमरलाल पुत्र करमचन्द अरोड़ा निवासी श्रीगंगानगर ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

नोहरा संख्या 12, क्षेत्रफल 22' 90', इन्डस्ट्रीयल ऐरिया,  
श्रीगंगानगर जोकि उप पंजीयक, श्रीगंगानगर द्वारा 18-8-75 को  
पंजीबद्ध विषय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

सी० एस० जैन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 10-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 10 फरवरी 1976

निर्देश सं० राज०/सहा० आ०/अर्जन/316—यतः मुझे, सी० एस० जैन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नोहरा नं० 12 है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5 सितम्बर, 75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री :

- (1) सन्तलाल
- (2) रामदयाल
- (3) हुकमचन्द
- (4) तारा चन्द
- (5) मदनलाल पुत्रान राममुखदास उर्फ रामस्वरूपदास अग्रवाल निवासी श्रीगंगानगर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शीला देवी पत्नी श्री अमरलाल अरोड़ा निवासी श्रीगंगानगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

नोहरा संख्या 12, क्षेत्रफल 207' x 90', इन्डस्ट्रियल ऐरिया, श्रीगंगानगर, जोकि उप पंजीयक, श्री गंगानगर, द्वारा 5-9-75 को पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

सी० एस० जैन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 10-2-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास दिनांक 2 अप्रैल, 1976

निदेश सं० X/1/63(अगस्त)/75-76—यतः मुझे, जी०

रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1 बी है, जो न्युनतम रोड, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मदुरै (पत्र सं० 2657/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० पदमनाबन, मदुरै,

(अन्तरक)

2. श्री एस० ई० वरसे मोहम्मद राजतर, मदुरै,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, न्युनतम रोड, डोर सं० 1 बी, (टी० एस० सं० 4471/1ए), में 18 सेन्ट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 2-4-1976

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
मद्रास, अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निदेश सं० X /10/7(अग०)/75-76—यतः मुझे, जी०  
रामनाथन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 4 है, जो वेस्ट वेली स्ट्रीट मद्रुरे में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रुरे (पत्र सं० 1492/75)  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16  
के अधीन 14-8-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आन जेत अहमद, तिरुचि ।

(अन्तरक)

2. वीनसन्ट और को० (प्रा०) लि०,  
तिरुचि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रुरे, वेस्ट वेली स्ट्रीट, डोर सं० 4 (सरखे सं० 468) में  
1202 स्क्वायर फीट की भूमि और मकान में 2/3 भाग में  
1/3 भाग ।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 6-4-76  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री सफार अहमद, नेमवेली ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास

2. विन्सेन्ट और को० (प्रा०) लिमिटेड,  
तिरुचि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां करता हूं ।

मद्रास, दिनांक 6 अप्रैल, 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० X/10/8(अग०)/75-76—यतः मुझे, जी०  
रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधि-  
नियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी संख्या 4 है जो वेस्ट वेली स्ट्रीट, मदुरै में स्थित है  
(और इसके उपावस्त्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय मदुरै, (पत्र सं० 1493/75)  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 16-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
12—46GI/76

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

मदुरै, वेस्ट वेली स्ट्रीट, डोर सं० 4 (सरखे सं० 468) में  
1202 स्क्वायर फीट की भूमि और मकान में 2/3 भाग में  
1/3 भाग ।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 6-4-76

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निदेश सं० X/10/96/(सित०)/75-76—यतः मुझे  
जी० रामनाथन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 4 है, जो वेस्ट वेली स्ट्रीट, मदुरै में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मदुरै (पत्र सं० 1671/75)  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन सितम्बर, 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शाकंठ ग्रहमद, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. विनसेन्ट और को० (प्रा०) लिमिटेड ,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

मदुरै, वेस्ट वेली स्ट्रीट, डोर सं० 4 (सरवे सं० 468) में  
1202 स्क्वायर फीट की भूमि और मकान में 2/3 भाग में  
1/3 भाग ।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 6-4-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक 6 अप्रैल, 1976

निदेश सं० XVI/1/20(अग०)/75-76—यतः मुझे जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 12/350 है, जो राजाजी रोड, सेलम, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सेलम (पत्र सं० 3337/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विजयलक्ष्मी, चन्नेकशणपुरम, सेलम (अन्तरक)
2. सर्वश्री ए० एस० मनि, ए० एस० वेंकटरामन, ए० एन० राजामनि, एम० नेनजुन्डन, ए० बी० सुन्दरेसन, और आदि।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सेलम सिवसामिपदम एक्स्टन्शन राजाजी रोड डोर सं० 12/350 (टी० एस० सं० 5, ब्लॉक 17, बार्ड सी), में 33464 स्क्वायर फीट की भूमि, (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 6-4-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक 6 अप्रैल, 1976

निदेश सं० XVII/2/11/(अग०)/75-76—यतः मुझे, जी०

रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है जो पोर्टी रड्डीपट्टी गांव, नामक्कल में स्थित है (इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरुमेपट्टी (पत्र सं० 726/75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सलीमा बी० श्रमाल और आदि ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कुप्पु० लक्ष्मी,

नामक्कल बेरा कुरिचि, नामक्कल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

एस० सं० 304/1 और 304/2—3 एकड़ 72 सन्ट

एस० सं० 305/1—4 एकड़ 94 सन्ट

एस० सं० 304/3 क 4 —21 सन्ट

एस० सं० 305/2—2 एकड़ और 86 सन्ट

जी० रामनाथन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 6-4-1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निदेश सं० V/15/72(अग०)/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सर्वेसं० 209/2 है, जो बहुरूपमपट्टी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है (रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भारूर (पत्र सं० 695/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री पुट्टन (मारी गऊन्डर) और चिन्नसामि गऊन्डर (अन्तरक)

(2) श्री बी० श्रीनिवासन बहुरूपमपट्टी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वरमपुरि जिला, भारूर तालुक, बहुरूपमपट्टी गांव सर्वे सं० 209/2 में 19 एकड़ की भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 7-4-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निदेश सं० बी० XVII/3/69(AUG.)/75-76—यतः,  
मुझे, जी० रामनाथन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० आर० एस० 636/13 है, जो अरसिरामनि गांव  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईडप्पाडी (पत्र सं०  
1172/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 29-8-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और कि यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग  
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती बीरयम्माल और आदि (अन्तरक)

(2) श्री नागप्प चेट्टीयार और आदि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

नामककल, अरसिरामनि गांव आर० एस० सं० 636/13 में  
5 एकर 17 सेंट की भूमि में 3.30 भाग।

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 7-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अप्रैल, 1976

निदेश सं० XXII/1/55/(अग०)/75-76—अतः,  
मुझे, जी० रामनातन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,  
और जिसकी सं० 152/1 है, जो पीरानूर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय तेनकासी (पत्र सं० 763/75) में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 30-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य  
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हीरालाल नंदा और आदि, कोयम्बतूर (अन्तरक)

(2) मै० सक्ती आटोमेटिक सा० मिल, पीरानूर ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

तेनकासी, पीरानूर गांव सर्वे सं० 152/1 में 1 एकर 15  
सेन्टच की भूमि (मकान के साथ) ।

जी० रामनातन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 7-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री रतवीर कुमार नन्दा (अन्तरक)

(2) श्री आबजी सामजी आदि (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास-1, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निदेश सं० XXII/1/56 (अग०)/75-76—अतः.

मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 152/2 है, जो पीरानूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, तनकासी (प्ल सं० 764/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारतविव रूप से वधित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तेनकासी, पीरानूर गांव सर्वे सं० 152/2 में 1 एकर और 10 सेन्ट की भूमि।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 7-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अप्रैल 1976

सं० XVII/9/51(अग०)/75-76—अतः, मुझे, जी०  
रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है जो, संगगिरि और कस्तूरीपट्टी  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संगगिरि (पत्र सं० 636/  
75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 26-8-1985

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

13-46GI/76

(1) श्री ई० नेसमनि सुलोचना संगगिरि नामक्कल (अन्तरक)

(2) श्री टी० अलगप्पन, संगगिरि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

1 संगगिरि गांव—खेती की भूमि 2 कस्तूरी पट्टी गांव  
सर्वे सं० 172/1—0.71 एकर एस सं० 6/14—0.26 एकर  
„ 172/2—0.69 „ 6/2—0.22 3/4 „  
„ 172/4—0.37 „  
„ 172/5—0.12 „  
„ 216/1—1-12 3/4 „  
„ 216/2—0.75 1/2 „  
„ 216/4—0.29 1/4 „

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 7-4-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निदेश सं० XVII/13/71(अग०)/75-76—अतः, मुझे,

जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी और जिसकी सं० 367/9 और 369/3 ए है, जो तेनूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कुमारपालयम (पत्र सं० 1241/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चिन्नतम्बी और पेरियसामि पतुपालयम (अन्तरक)

(2) श्री पी० सक्कुराज पतुपालयम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तेनूर सब्बे सं० 367/9 और 368/3 ए में 2.56 एकर की भूमि में आवा भाग।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 7-4-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1

भुवनेश्वर, दिनांक 27 फरवरी 1976

निदेश सं० 23/75-76/आई० ए० सी० (ए०/आर०)/बी० बी० एस० आर०-यतः, मुझे, जि० बि० चान्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 116-बी है, जो सूर्यनगर भुवनेश्वर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-8-1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कमलेश कुमारी देवी, पिता श्री क्षेस प्रताप सिंह देव (अन्तरक)

2. श्रीमती कमा देवी (अन्तरिती)

3. श्री स्वामी राम कुमार राम

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक महिला मकान भुवनेश्वर का सूर्य नगर में स्थित है, जिसकी प्लॉट नं० 116-बी है। वह मकान 13-8-75 टारिस में भुवनेश्वर सब रजिस्ट्रार आफिस में रजिस्टर हुआ, जिसकी डाक्यूमेंट नं० 5112 है।

जि० बि० चान्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख : 27-2-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 फरवरी 1976

सं० आर० ए० सी० एक्स० 318/जो 1 नं० 1134/19-  
यतः मुझे, बि० वि० सुब्वाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आर० ए० सी० के० 69/1 और 69/2 है, जो पेद अभिरम गांव में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिसवराम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वेगेमिना रामाकृष्णराजु नरासिंहपुरम (अन्तरक)

2. श्री उद्यराजा पस्वनावस्तुनम विमवरड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बमिबरम रजिस्ट्री अधिकारी से 31-8-75 पाक्षिक अंत में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1677/75 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

बि० वि सुब्वाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 19-2-1976  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 27 फरवरी 1976

सं० आर० ए० सी० एक्यू० 323/जे० नं० 129/के०  
आर०—अतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डेरु सं० 103/ नया सं० 104 मेलवरम है जो, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेलवरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जे० वि० वि० रंगरामानुजम पु० स्वर्गीय जी० जी० कृष्णमूर्ति, विजयवाडा (अन्तरक)

2. श्री डी० रंगाराव पुत्र स्वर्गीय गरावय्या मैन्नवरय (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मेलवरम रजिस्ट्री अधिकारी से 15-8-75 पाक्षिक अंत में पंजीकृत दस्तावेज नं० 882/75 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बि० वि० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 27-2-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 मार्च 1976

सं० आर० ए० सी०/एक्यू० सं० 327 जे० नं० 316/एम०  
ई०/75-76—यतः मुझे, बि० वि० सुब्बाराव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० डोर नं० 60 वाई 5 कुचमन्यवारी गली, अमला-  
पुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलापुरम में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 15-8-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री पोडूरि नरसिमहमूर्ति वरंगल (अन्तरक)

2. डा० बि० किष्णमराजु अमलापुरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अमलापुरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-8-75  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2959/75 में निगमत अनुसूची संपत्ति।

बि० वि० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 16-3-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 2 अप्रैल 1976

सं० आर० ए० सी० एक्चू० 328 नं० नं० 190/75-76—

यतः मुझे, बि० वि० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० र० यस० नं० 407 कन्नवारि तोटा नगरमपालिम है, जो गुंटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कार्यपालक अधिकारी श्री लक्ष्मी नरसिंहस्वामी देवस्ता-  
नम, गुंटूर (अन्तरक)
2. मैं० आई० एल० टी० डी० कंपनी गुंटूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुंटूर रजिस्ट्री अधिकारी से 15-8-75 पाक्षिक अंत में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4472/15 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बि० वि० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 2-4-1976  
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज—III दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग नई दिल्ली 1

नई दिल्ली-1, दिनांक 30 मार्च 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०—III/अक्टूबर/433(1)/75-76—अतः मुझे, एस० सी० परीजा आयकरी अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० आर० 18 है तथा जो मस्जिद मीठ साउथ एक्सटेंशन पार्ट-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का. 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कौशल कुमार बक्शी, सुपुत्र स्वर्गीय श्री रतन लाल, निवासी ई-110/1, नारायना कालोनी, नई दिल्ली-1 (अन्तरक)

2. श्री कृपाल मोहन बिरमानी, सुपुत्र फतेह चन्द बिरमानी, निवासी ए०-73, मालवीया नगर, नई दिल्ली-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 377.8 वर्ग गज है, और नं० आर० 18 है, मस्जिद मोठ गांव, साउथ एक्सटेंशन पार्ट-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड़ 36'

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : प्लॉट नं० आर०-29

दक्षिण : प्लॉट नं० आर० -17

एस० सी० परीजा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 30-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

दिल्ली-1, दिनांक 2 अप्रैल 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०—III/  
598/75-76—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 178 है तथा जो जोर बाग, नई दिल्ली में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
20-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत,  
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14-46GI/76

1. श्री हरीश चन्द्र शंकरभाई अमीन, सुपुत्र श्री शंकरभाई  
जोराभाई अमीन तथा श्रीमती हरीश चन्द्रा अमीन, पत्नी श्री हरीश  
चन्द्रा शंकरभाई अमीन, निवासी ए-22, ग्रैंड परादी, अगस्त  
कान्ति मार्ग, बम्बई-361 (अन्तरक)

2. श्री दुर्गा दास बहल सुपुत्र श्री हर नारायण बहल तथा  
दवीन्द्र नाथ बहल, सुपुत्र श्री दुर्गा दास बहल, निवासी 178 जोर  
बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक दुमंजिला निवासी बिल्डिंग जिसमें बरसाती भी है, का क्षेत्र-  
फल 372 वर्ग गज है, और नं० 178, ब्लाक नं० 172 है, जोर  
बाग, नई दिल्ली, दिल्ली की नई राजधानी में है। यह बिल्डिंग निम्न  
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : 100' चौड़ी मुख्य सड़क

पश्चिम : 20' चौड़ी सर्विस लेन

उत्तर : प्लॉट सं० 177, ब्लाक नं० 172 पर बिल्डिंग

दक्षिण : प्लॉट नं० 179, ब्लाक नं० 172 पर बिल्डिंग

चं० वि० गुप्ते  
सूक्ष्म अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली/नई दिल्ली-1

तारीख: 2 अप्रैल, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

दिल्ली-1, दिनांक 1 मार्च 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1102/75-76---

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 255 है तथा जो आजाद मार्किट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री अमर नाथ सुपुत्र श्री हरी राम, (2) श्रीमती अमर कौर, पत्नी स्वर्गीय श्री मुखजीत सिंह, स्वयं तथा अपने नाबालिग बच्चों के लिए प्राकृतिक संरक्षण श्री सतवन्त सिंह, गुरचरण सिंह, बलविन्द्र कौर तथा प्रकाश सिंह, निवासी 327, बाग केरे खाल दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री वसन्त कुमार सुपुत्र श्री जय चन्द, निवासी 131, पुरानी गोता कालोनी, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक सरकारी बनी दुकान जिसका नं० 255 है, 22.5 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बनी हुई है, आजाद मार्किट, दिल्ली में है। यह दुकान निम्न प्रकार से स्थित है :--

पूर्व : दुकान नं० 256

पश्चिम : दुकान नं० 254

उत्तर : लाइब्रेरी रोड़

दक्षिण : रोड़

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली/नई दिल्ली-1

तारीख : 1-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी, 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1103/2334/  
75-76—अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 6454 का 1/2 भाग है, तथा जो कटरा बरयान  
गली पीपल वाली, दिल्ली-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नवीन चन्द, सुपुत्र श्री ओम प्रकाश, निवासी मकान  
नं० 6454, कटरा बरयान, दिल्ली-6 (अन्तरक)

2. श्रीमती सियानवती, पत्नी श्री वेद प्रकाश (2) श्री सुरेश  
चन्द्र सुपुत्र श्री श्रीराम निवासी 6454, कटरा बरयान, गली पीपल  
वाली, दिल्ली-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

एक दुमंजिला मकान का 1/2 भाग जोकि 192 वर्ग गज क्षेत्र-  
फल की भूमि पर बना हुआ है, जिसका नं० 6/6454 है, कटरा  
बरयान, गली पीपल वाली, दिल्ली-6 में है।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II दिल्ली-1

तारीख : 27-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 1 मार्च 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1104/75-76--

अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43),  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० डी०-18 है तथा जो सत्यावती नगर दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है) राजस्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय राज-  
स्वीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती करण देवी पत्नी श्री हरी राम निवासी मकान  
नं० 7351 प्रेम नगर सब्जी मण्डी दिल्ली-1। (अन्तरक)

2. श्री श्रीम प्रकाश गुप्ता सुपुत्र श्री शिव नारायण गुप्ता  
निवासी 682 बारा टूटी सदर बाजार दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 150 वर्ग गज  
है जिसका नं० 18 ब्लॉक नं० 'डी' है सत्यावती नगर, दिल्ली  
में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट सं० डी-19

पश्चिम : प्लॉट सं० 17-डी

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : सड़क

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1-3-1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-11 दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 1 मार्च 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1105/75-76—

अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/150-152 है तथा जो विश्वास नगर शाहदरा  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय (दिल्ली में भार-  
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री काशमीर सिंह, सुपुत्र श्री गंडा सिंह, जरनल एटारनी  
श्री बुध प्रकाश के द्वारा, सुपुत्र श्री कुन्दन लाल गोयल, निवासी  
1/150/152, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती सीमा रानी, पत्नी श्री बुध प्रकाश गोयल निवासी  
1/150-152, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली-32

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दो दूकानों के प्लॉट जिसका नं० 150 तथा 152 है, क्षेत्रफल  
50 वर्ग गज है (कुल क्षेत्रफल दोनों प्लॉटों का 100 वर्ग गज  
है), विश्वास नगर की आबादी, शाहदरा, दिल्ली में निम्न प्रकार  
से स्थित है :—

पूर्वः रोड 30 फुट

पश्चिमः प्लॉट नं० 1/149-151

उत्तरः प्लॉट नं० 1/148

दक्षिणः सड़क

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, दिल्ली/नई दिल्ली-1

तारीख : 1-9-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1106/75-76--

अतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-30 है तथा जो बंगलों रोड़, आदर्श नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री राम नाथ सुपुत्र प० लाल चन्द, निवासी 9/2, विजय नगर, दिल्ली-9, श्री श्रीम प्रकाश के द्वारा, सुपुत्र श्री राम देव, निवासी 41, पृथ्वी राज रोड़, आदर्श नगर, दिल्ली-33।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रेमवती, पत्नी श्री श्रीम प्रकाश, निवासी 41, पृथ्वी राज रोड़, आदर्श नगर, दिल्ली-33 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक प्लॉट का दक्षिणी भाग जिसका क्षेत्रफल 177.7 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 400 वर्ग गज) है और नं० सी-30 है आदर्श नगर बंगलों रोड़, दिल्ली में है। यह प्लॉट निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व: प्लॉट नं० 32-सी०

पश्चिम: प्लॉट नं० 28-सी०

उत्तर: बाकी बचा भाग।

दक्षिण: जो रोड़

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11 दिल्ली/नई दिल्ली-1

तारीख: 1-3-1976

गोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 1 मार्च 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1107/75-76--

अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 3 सी/39 है तथा जो न्यू रोहतक रोड करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1975

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से वधित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री अरुण कृष्ण मुखर्जी सुपुत्र श्री ए० सी० मुखर्जी कुमारी रेनुका मुखर्जी के द्वारा सुपुत्री श्री ए० सी० मुखर्जी निवासी 3-सी/43 न्यू रोहतक रोड नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती लीला भट्टाचार्य पत्नी श्री बृज माधवा भट्टाचार्य निवासी 3-सी/39 न्यू रोहतक रोड नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

आधा पक्का बना एक मंजिला मकान जिसका क्षेत्रफल 286.34 वर्ग गज है और नं० 3 सी-39 है रोहतक रोड करोल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :-

पूर्व : सर्विस रोड

पश्चिम : खुला सरकारी मैदान

उत्तर : प्लॉट नं० 40

दक्षिण : सड़क

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11 दिल्ली/नई दिल्ली-1

तारीख : 1-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11 दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1108/2349/  
75-76—अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 4076 4077 तथा 4078 (नया) है तथा जो  
नया बाजार बर्न वैस्टन रोड दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) राजस्वीकर्त अधि-  
कारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय राजस्वीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदार्थ प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शान्ती देवी, पत्नी श्री सुमेर चन्द्र, निवासी 1822,  
कूचा चेलान, खारी बावली, दिल्ली। (अन्तरक)

2. 1. श्रीमती कृष्णा देवी, पत्नी श्री पद्मा लाल
  2. श्री सुरिन्द्र कुमार, सुपुत्र श्री पद्मा लाल, निवासी  
2228 कूचा चेलान दरिया गंज दिल्ली।
  3. श्रीमती लक्ष्मी देवी, पत्नी श्री किशन दास, निवासी  
बी०-4/20, माडल टाउन, दिल्ली।
  4. श्री श्रीचन्द्र सुपुत्र श्री हनुमान प्रसाद।
  5. श्रीमती माया देवी, पत्नी श्री जगन् प्रसाद, निवासी  
1052 फाटक मुक्ती बालान, तिराहा बहरम खान, दिल्ली।
  6. श्री सुभाष चन्द, सुपुत्र श्री किदार नाथ निवासी  
3204 कूचा तारा चन्द, दरिया गंज, दिल्ली।
  7. श्रीमती कमला देवी, पत्नी श्री शिशो चन्द राय
  8. श्रीमती गीता देवी, पत्नी श्री जगदीश प्रसाद, निवासी  
833 चांदनी महल दिल्ली। (अन्तरिती)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

एक तीन मंजिला बिल्डिंग का 1/3 अविभाजित भाग जिसका  
मुन्यूसिपल नं० 1913 (पुराना) तथा 4076 4077 तथा  
4078 (नया) है 130 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर नया बाजार  
बर्न वैस्टन रोड दिल्ली में है यह बिल्डिंग निम्न प्रकार से स्थित  
है :—

पूर्व : मुख्य सड़क नया बाजार  
पश्चिम : गली तराम बालो  
उत्तर : श्री केसरी चन्द मोहन लाल की जायदाद  
दक्षिण : मै० चन्द्र भान राज कुमार की दूकान

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11 दिल्ली/नई दिल्ली-1

तारीख : 1-3-1976

मोहर :

## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 31st March 1976

No. F.6/76-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri Manohar Lal (at present officiating Section Officer) to officiate as Court Master with effect from 1 April, 1976 to 30 April, 1976 vice Shri Brij Mohan Sharma, Court Master granted leave.

No. F. 6/76-SCA(I).—In continuance of this Registry's Notification No. F.6/75-SCA(I) dated 1 October, 1975, the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to continue Shri Syed Qaiser Karim as officiating Section Officer, until further orders.

R. SUBBA RAO,  
Dy. Registrar (Admn.)  
Supreme Court of India

## CABINET SECRETARIAT

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS  
ENFORCEMENT DIRECTORATE

New Delhi, the 27th March 1976

## APPOINTMENT

F. No. A.11/8/76.—Shri K. Y. Rane, is appointed as Enforcement Officer in the Bombay Zonal Office of this Directorate with effect from 3-3-1976 A.N. and until further orders.

NRIPEN BAKSHI,  
Deputy Director

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 2nd April 1976

No. A-19030/1/76-AD-V.—The Director, C.B.I. and IGP/S.P.F. appoints Shri S. S. Lall, R.S.O., Western Railway, Bombay, as Junior Technical Officer (Accounts) in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 22-3-1976, on deputation until further orders.

G. L. AGARWAL,  
Administrative Officer C.B.I.

## CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 2nd April 1976

No. PF/R/13-G.—Consequent on his selection for appointment as Secretary to the Commission of Inquiry headed by Shri Justice R. S. Sarkaria of the Supreme Court, Shri K. A. Ramasubramaniam, Secretary, Central Vigilance Commission, relinquished charge of the post in the Central Vigilance Commission with effect from the afternoon of 31st March, 1976.

SHRI NIVAS,  
Under Secretary

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DIRECTORATE GENERAL, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 5th April 1976

No. O-II-1041/76-Estt.—Consequent on the acceptance of her resignation, Dr. (Miss) Veena Benjamin, J.M.O., Group Centre, CRPF Trivandrum relinquished charge of her post on the forenoon of 16th February 1976.

No. O-II-1036/75-Estt.—The Director General, C.R.P.F., is pleased to appoint Dr. (Mrs.) S. Aruna Devi, as J.M.O. in the C.R.P. Force on *ad hoc* basis for a period of 3 months only w.e.f. the forenoon of 5th March 1976.

2. Dr. (Mrs.) S. Aruna Devi is posted to 2nd Base Hospital, C.R.P.F., Hyderabad.

No. O-II-1055/72-Estt.—The President is pleased to accept the resignation of Shri V. Rama Krishna Rao, Dy. S. P. 23rd Bn., C.R.P.F., w.e.f. the forenoon of 24-11-75.

A. K. BANDYOPADHYAY, Asstt. Dir. (Adm.)

## MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS  
SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 26th March 1976

No. PF.7(36)/13145.—Further to this office notification No. 7(36)/3834, dated 24th June 1975, & No. 7(36)/10023, dated 23rd December 1975, Shri S. T. Shirsat, is allowed to continue in the post of Fire Officer on an *ad-hoc* basis for a further period upto 16-6-1976.

R. VISWANATHAN, General Manager

## INDIAN AUDIT &amp; ACCOUNTS DEPARTMENT

## OFFICE OF THE COMPTROLLER &amp; AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 5th April, 1976

No. 231-CA 1/8-76.—The Addl. Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officer's (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in Col. 3 with effect from the dates mentioned in Col. 4 below until further orders :—

Sl. No.	Name of the S.O's (Comm.)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as A.O. (C)	Date of posting as officiating as AO. (Comm.)
S/Shri				
1.	P. T. Mathew . . . . .	A. G. Kerala	MAB & Eo, DCA, Madras	23-2-1976 (F.N.)
2.	H. C. Aggarwal . . . . .	A.G., M.P.	A. G. Orissa	26-2-1976 (F. N)
3.	A. Mukherjee . . . . .	MAB & Eo, DCA, Calcutta	MAB & Eo, DCA, Calcutta	10-2-1976 (F. N)
4.	M. M. Joshi . . . . .	MAB & Eo, DCA, New Delhi	MAB & Eo, DCA, Calcutta	27-2-1976 (F. N)
5.	Dina Nath . . . . .	A. G. J & K.	A. G. J & K.	31-1-1976 (F. N)
6.	O. A. Joseph . . . . .	A. G. Kerala	MAB & Eo, DCA, Madras	26-2-1976 (F. N)
7.	V. V. Rama Rao . . . . .	MAB & Eo, DCA, Bangalore	MAB & Eo, DCA, Bangalore	29-1-1976 (F. N)
8.	V. Gopinathan Nair . . . . .	A. G. Kerala	A. G. -II (T. N) Madras	24-2-1976 (F. N)

S. D. BHATTACHARYA  
Deputy Director (Commercial)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, GUJARAT

Ahmedabad, the 2nd April 1976

No. Estt.(A)/GO/2(169)/23.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint Shri T. S. VENKATARAMAN permanent member of the Subordinate Accounts Service; to officiate as Accounts Officer in the office of the Additional Accountant General, Gujarat, Rajkot with effect from 18th March 1976 Forenoon until further orders.

The 3rd April 1976

No. Estt. (A)/GO/2(171)/49.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint Shri P. V. RAMACHANDRAN permanent member of the Subordinate Accounts Service; to officiate as Accounts Officer in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from the forenoon of 18th March 1976 until further orders.

K. H. CHHAYA, Dy. Accountant Genl. (Admn.)

## MINISTRY OF DEFENCE

## DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

## INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 15th March 1976

No. 23/76/G.—The President is pleased to authorise the under-mentioned officers who on 1-1-73 were holding the post of Addl. DGOF/RDOF in the pre-revised scale of Rs. 2250—125—2500 since revised to Rs. 3000/- (fixed) with effect from 1-5-74 to draw pay in the scale of Rs. 2500—125/2—2750 being Level I of DDGOF/GM(SG) till 30th April, 1974 or the date of retirement, whichever is earlier :—

1. Shri S. Gajendra Singh.
2. Dr. S. Bhattacharya.
3. Shri P. Rajagopal.
4. Shri R. C. Verma.
5. Shri A. M. Jacob.

No. 24/76/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers who were holding the post of DDGOF/GM (SG) on 1-1-73 in the pay scale of Rs. 2000—125—2250 to the Level I of DDGOF/GM (SG) of the IOFS in the scale of Rs. 2500—125/2—2750 with effect from dates shown against their names :—

1. Shri Siri Ram, Permt. DDGOF/GM(SG), 1st January 1973.
2. Shri O. P. Gupta, Permt. DDGOF/GM(SG), 1st January 1973.
3. Shri K. L. Bajaj, Permt. DDGOF/GM(SG), 1st January 1973.
4. Shri S. C. Das Gupta, Permt. DDGOF/GM(SG), 1st January 1973.
5. Shri R. N. Datta, Permt. DDGOF/GM(SG), 1st January 1973.
6. Shri C. Madhavan, Permt. DDGOF/GM(SG), 15th January 1973.
7. Shri S. D. Malhotra, Permt. DDGOF/GM(SG), 7th March 1973.

R. M. MAZUMDAR,  
Director General, Ordnance Factories

## MINISTRY OF LABOUR

## DIRECTORATE-GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad-826001, the 2nd April 1976

No. 9(1)76-Adm.I/5287.—1. On his transfer to Hyderabad Region, Hyderabad Shri P. N. Mehta, Joint Director of Mines Safety (MSF) Dhanbad relinquished charge and his office in the afternoon of 19th July, 1975 and assumed charge of the office of the J.D.M.S., Hyderabad Region, Hyderabad in the forenoon of the 1st August, 1975.

2. On his transfer to Dhanbad Head Quarters Shri K. Paul, Joint Director of Mines Safety, Hyderabad Region, Hyderabad relinquished charge of his office in the afternoon of 2nd August, 1975 and assumed of the office of the Joint Director of Mines Safety (Examinations) Dhanbad, Head Quarters in the forenoon of the 16th August, 1975.

3. On his transfer as Joint Director of Mines Safety (SD-I) at Dhanbad Head Quarters, Shri L. M. Misra, Joint Director of Mines Safety (Examinations) relinquished charge of his office in the forenoon of the 19th August, 1975 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety (S.I.D.-I) Dhanbad Head Quarters on the same date and time.

4. On his transfer to Shahdol Region, Shahdol Shri A. Tathuvamurthy Dy. Director of Mines Safety, Nagpur Region relinquished charge of his office in the afternoon of the 1st October, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Shahdol Region, in the afternoon of the 10th October, 1975.

5. On his transfer to Kodarma Region, Kodarma, Shri J. P. Sharma Dy. Director of Mines Safety, No. 3 Region Dhanbad, relinquished charge of his office in the afternoon of the 5th August, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Kodarma Region in the forenoon of the 11th August, 1975.

6. On his transfer to Chaibasa Region, Chaibasa, Shri Srinivas, Dy. Director of Mines Safety (Hqs), Dhanbad, relinquished charge of his office at Dhanbad in the afternoon of the 31st May, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Chaibasa Region, Chaibasa in the forenoon of the 12th June, 1975.

7. On his transfer to Baroda Sub-Region, Baroda, Shri B. N. Singh, Dy. Director of Mines Safety, Chaibasa Region, relinquished charge of his office at Chaibasa in the afternoon of the 30th June, 1975, and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Baroda Sub-Region in the forenoon of the 8th July, 1975.

8. On his transfer to Ramgarh Sub-Region Ramgarh Shri V. Mahajan, Dy. Director of Mines Safety, No. 3 Region, Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of the 12th September, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Ramgarh Sub-Region in the forenoon of the 23rd September, 1975.

9. On his transfer to Parasia Sub-Region, Parasia, Shri S. N. Mitra, Dy. Director of Mines Safety, Oorgaum Region, Oorgaum, relinquished charge of his office in the afternoon of the 13th August, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Parasia Sub-Region, Parasia, in the forenoon of the 26th August, 1975.

10. On his transfer to Oorgaum Region, Oorgaum, Shri H. K. Roy, Dy. Director of Mines Safety, Eastern Zone, Sitarampur, relinquished charge of his office in the afternoon of the 11th July, 1975, and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety Oorgaum Region, Oorgaum in the forenoon of 24th July, 1975.

11. On his transfer to Central Zone, Nagpur, Shri G. S. Dhaliwal, Dy. Director of Mines Safety, Parasia Sub-Region, relinquished charge of his office in the afternoon of the 26th August, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety (V.T.), Nagpur in the forenoon of the 4th September, 1975.

12. On his transfer to Nagpur Region, Nagpur, Shri J. N. Johari, Dy. Director of Mines Safety (HQ), Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of the 2nd July, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Nagpur Region, in the forenoon of 14th July, 1975.

13. On his transfer to No. 3 Region, Dhanbad, Shri P. K. Singh, Dy. Director of Mines Safety, Shahdol Region, relinquished charge of his office in the afternoon of the 2nd July, September, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, No. 3 Region, Dhanbad in the forenoon of the 8th October, 1975.

14. On his transfer to Shahdol Region, Shahdol, Shri R. S. Gupta, Dy. Director of Mines Safety, No. 1 Region Sitarampur, relinquished charge of his office in the afternoon of the 1st July, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Shahdol Region in the forenoon of the 14th July, 1975.

15. On his transfer to No. 1 Region, Sitarampur, Shri S. R. Saha, Dy. Director of Mines Safety No. 2 Region, Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of the 7th August, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, No. 1 Region, Sitarampur in the forenoon of 19th August, 1975.

16. On his transfer to No. 2 Region, Dhanbad, Shri S. C. Batra, Dy. Director of Mines Safety, Shahdol Region, relinquished charge of his office in the afternoon of the 30th July, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, No. 2 Region, Dhanbad in the forenoon of 11th August, 1975.

17. On his transfer to Northern Zone, V. T. Dhanbad Shri T. K. Majumdar, Dy. Director of Mines Safety, Northern Zone Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of the 7th August, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety (V.T.), Northern Zone, Dhanbad on the same date and time.

18. On his transfer to No. 2 Region, Dhanbad Shri R. S. Mishra, Dy. Director of Mines Safety (V.T.), Northern Zone, Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of the 7th August, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, No. 2 Region, Dhanbad on the same date and time.

19. On his transfer to Dhanbad Head Quarters Shri B. K. Sharan, Dy. Director of Mines Safety, Kodarma Region, relinquished charge of his office in the afternoon of the 19th July, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety (M.D.) Dhanbad Head Quarters in the forenoon of the 26th July, 1975.

20. On his transfer to No. 1 Region, Sitarampur, Shri S. R. Sarkar, Dy. Director of Mines Safety (MD) Dhanbad Head Quarters, relinquished charge of his office in the afternoon of the 23rd December, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety No. I-Region, Sitarampur in the forenoon of the 1st January, 1976.

21. On his transfer to No. II Region, Sitarampur Shri P. K. Verma, Dy. Director of Mines Safety, No. I Region, Sitarampur relinquished charge of his office in the forenoon of the 1st January, 1976 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, No. II Region, Sitarampur at the same date and time.

22. On his transfer to Oorgaum Region, Oorgaum, Shri Y. Gopal Krishna, Dy. Director of Mines Safety, Chaibasa Region, Chaibasa relinquished charge of his office in the afternoon of the 2nd September, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Oorgaum Region in the forenoon of the 15th September, 1975.

23. On his transfer to No. III Region, Dhanbad, Shri S. N. Thakar, Dy. Director of Mines Safety, No. II Region, Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of the 13th August, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Region No. III, Dhanbad in the forenoon of the 14th August, 1975.

24. On his transfer to South Eastern Zone, Ranchi Shri A. K. Dey, Dy. Director of Mines Safety, No. II Region, Sitarampur relinquished charge of his office in the afternoon of the 22nd September, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, South Eastern Zone, Ranchi in the forenoon of the 29th September, 1975.

25. On his transfer to Dhanbad (HQ) Shri S. K. Biswas (Gupta), Dy. Director of Mines Safety (Electrical), In-charge, Sitarampur Electrical Circle, relinquished charge of his office in the afternoon of the 23rd October, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety (Electrical) Head Quarters, Dhanbad in the forenoon of the 27th October, 1975.

26. On his transfer to Eastern Zone, Sitarampur, Shri D. S. Nimi, Dy. Director of Mines Safety (Mechanical), Dhanbad, relinquished charge of his office in the afternoon of the 24th October, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety (Mechanical), Eastern Zone, Sitarampur in the forenoon of 31st October, 1975.

27. On his transfer to Kodarma Region, Kodarma, Shri G. P. Gupta, Asstt. Director of Mines Safety, Chaibasa Region, relinquished charge of his office in the afternoon of the 13th January, 1976 and assumed charge of the office of the Asstt. Director of Mines Safety, Kodarma Region, Kodarma, in the forenoon of 19th January, 1976.

28. On his transfer to No. III Region, Sitarampur, Shri S. K. Samanta, Asstt. Director of Mines Safety, Kodarma Region, relinquished charge of his office in the afternoon of

the 20th December 1975 and assumed charge of the office of the Asstt. Director of Mines Safety No. III Region, Sitarampur, in the forenoon of the 29th December 1975.

SHYAM SHIV PRASAD,  
Director-General of Mines Safety

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (DEPARTMENT OF SUPPLY)

##### (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 26th March 1976

No. A-1/1(823).—Shri S. K. Maitra permanent Junior Progress Officer and officiating as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Kanpur retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1976 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 30th March 1976

No. A-1/1(1044).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri Balbir Singh, Junior Progress Officer in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 17th March, 1976 and until further orders.

2. The appointment of Shri Balbir Singh as Assistant Director of Supplies (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppaswamy in the High Court of Delhi.

K. L. KOHLI,  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals

##### (ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 1st April 1976

No. A-17011/1/71-16.—Shri R. M. Roy Choudhury, permanent Examiner of Stores (Tex.) and officiating Asstt. Inspecting Officer (Tex.) in the N. I. Circle, New Delhi under Directorate General of Supplies and Disposals retired from Government service with effect from 29-2-76 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

SURYA PRAKASH,  
Dy. Director (Administration)  
for Director General of Supplies and Disposals

#### MINISTRY OF STEEL AND MINES

##### (DEPARTMENT OF MINES)

##### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 30th March 1976

No. A19011(133)/72-Estt.A.—On his selection in the Hindustan Zinc Ltd., for appointment to the post of Geologist, Shri J. C. Khare, Junior Mining Geologist of this department has been relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 9th June, 1975. Shri Khare will have no lien on any post in the Indian Bureau of Mines.

A. K. RAGHAVACHARY,  
Sr. Administrative Officer  
for Controller

#### SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 2nd April 1976

No. E1-5063/698-Map Curator.—Shri A. B. Sarkar, Officiating Superintendent, Circle Office is appointed to officiate as Map Curator (G.C.S. Group 'B') on transfer on deputation, in Eastern Circle Office, Survey of India, Calcutta in the scale of pay of Rs. 550-25-750-EB-30-900, with effect from the forenoon of 11th March, 1976 for the period not exceeding three years.

The 3rd April 1976

No. E1-5064.—Consequent upon the permanent absorption in the Hindustan Steelworks Construction Limited (A Govt. of India Undertaking) as Divisional Engineer (Civil) the resignation tendered by Shri T. Thankappan, Officer Surveyor is hereby accepted and the lien held by him in the permanent post of Officer Surveyor in the Survey of India is terminated with effect from 20th March, 1976.

The 5th April 1976

No. E1-5065/594-Managers.—Shri Tara Pada Mukherjee, Technical Assistant (Ordinary Grade) is appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction, (G.C.S. Group 'B') in the Map Publication Directorate, Survey of India, Dehra Dun on a pay of Rs. 650/- p.m. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 23rd February, 1976.

K. L. KHOSLA,  
Colonel,  
Surveyor General of India  
(Appointing Authority)

#### MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING (FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 1st April 1976

No. A-31014/2/75-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, Bombay, hereby appoints Shri T. R. Madhok, Quasi Permanent Recordist and Offg. Chief Recordist to the post of Chief Recordist in a substantive capacity with effect from the 1st November, 1973.

R. S. SHARMA,  
Administrative Officer  
for Chief Producer

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 30th March 1976

No. A.32013/1/76-Adm.-I.—Consequent on her reversion to the post of Nursing Officer, Smt. R. K. Sood relinquished charge of the post of Nursing Adviser in the Dto. of G.H.S. on the afternoon of the 28th February, 1976.

S. P. JINDAL,  
Deputy Director (Adm.) (O&M)

#### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 12th February 1976

No. PA/73(13)/68-R-IV(I).—In continuation of this Research Centre's Notification No. PA/73(13)/68-R-IV/74-I dated June 21, 1974, the Director, Bhabha Atomic Research Centre, extends the period of appointment of Kum. Kalpana Dattatraya Khanapurkar as Physiotherapist on part-time basis in a temporary capacity in this Research Centre from the forenoon of April 1, 1975 to September 30, 1976 (A.N.).

No. PA/73(13)/68-R-IV(II).—In continuation of this Research Centre's Notification No. PA/73(13)/68-R-IV(II) dated June 21, 1974, the Director, Bhabha Atomic Research Centre, extends the period of appointment of Dr. Kirtikumar Laxmichand Shah as ENT Surgeon on part-time basis in a temporary capacity in this Research Centre from the forenoon of April 1, 1975 to September, 30, 1976 (A.N.).

No. PA/73(13)/68-R-IV(III).—In continuation of this Research Centre's Notification No. PA/73(13)/68-R-IV/74-III dated June 21, 1974, the Director, Bhabha Atomic Research Centre, extends the period of appointment of Shri Rameshchandra Bhagwandas Arora as Physiotherapist on part-time basis in a temporary capacity in this Research Centre from the forenoon of April 1, 1975 to September 30, 1976 (A.N.).

P. UNNIKRISHNAN,  
Dy. Establishment Officer (R)

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 10th March 1976

No. DPS/A/32011/2/75/Est.3673.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Muliappurath Raju, a permanent Storekeeper in the Central Stores Unit of this Directorate at Trombay to officiate as an Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from 17-3-1976 to 15-5-1976, *vice* Shri K. Chandrasekharan, Assistant Stores Officer, granted leave.

No. DPS/A/32011/2/75/Est.3665.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri M. O. Karunakaran Nair, a permanent Storekeeper in the Central Stores Unit of this Directorate at Trombay to officiate as an Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from 23-2-1976 to 26-3-1976, *vice* Shri T. C. George, Assistant Stores Officer, granted leave.

K. P. JOSEPH,  
Administrative Officer

#### MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603102, the 27th February 1976

No. 18(60)/75-Rectt.—Director, Power Projects Engineering Division appoints Shri C. V. Harikrishnama Raju, temporary Scientific Assistant 'C' as Scientific Officer/Engineer 'SB' in this Project in a temporary capacity with effect from February 1, 1976 until further orders.

No. 18(60)/75-Rectt.—Director, Power Projects Engineering Division appoints the following temporary Supervisors as Scientific Officer/Engineers 'SB' in this Project in a temporary capacity with effect from the date indicated against each until further orders:—

1. Shri M. Sakkarai Mohamed—1-2-1976.
2. Shri O. M. Mohan Rao—1-2-1976.
3. Shri C. Ramamoorthy—2-2-1976.

The 8th March 1976

No. 18(64)/75-Rectt.—Director, Power Projects Engineering Division appoints Shri V. Bhaskaran, temporary Supervisor as Scientific Officer/Engineer Grade SB in this Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1976.

K. BALAKRISHNAN,  
Administrative Officer

#### TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Bombay, the 13th March 1976

No. TAPS/Adm/735-A.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, DAE appoints Shri R. R. Bandooni, a quasi-permanent Personal Assistant in the Tarapur Atomic Power Station as Assistant Personnel Officer in the same Power Station on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of March 8, 1976 and upto April 6, 1976.

D. V. MARKALE,  
Administrative Officer-III

#### HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 3rd April 1976

No. 05000/S-217/1984.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri P.M. Sawai, a Sub-Officer of Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Station Officer in Heavy Water Project (Tuticorin) for a period of 120 days with effect from March 10, 1976 (FN) or until a Fire Officer is appointed there, whichever is earlier.

T. C. SATHYAKEERTHY, Sr. Adm. Officer.



MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION  
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 2nd April 1976

No. E(1) 05485.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri M. D. Kundra, Professional Assistant, Meteorological office, NASIK, under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of 47 days with effect from the forenoon of 15-3-76 to 30-4-76.

Shri M. D. Kundra has been transferred to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi where he has assumed charge as officiating Assistant Meteorologist with effect from the Forenoon of 15-3-76.

G. R. GUPTA, Meteorologist,  
for Director General of Observatories.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL  
AVIATION

New Delhi-110022, the 19th March 1976

No. A.31014/2/75-EC&.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Assistant Technical Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department with effect from the 1st May, 1975 :—

Serial No.	Name
1.	Shri H. L. Dhiman
2.	Shri V. C. Reddy
3.	Shri B. Kar
4.	Shri D. K. Sharma
5.	Shri P. M. P. Adiyodi
6.	Shri D. P. Agnihotri
7.	Shri B. Ramakrishnan
8.	Shri K. N. K. Poduval
9.	Shri Y. V. Rao
10.	Shri K. P. Alagh
11.	Shri S. R. Venkataraman
12.	Shri A. K. Tikoo
13.	Shri D. B. Sud

The 31st March 1976

No. A. 38013/1/76-EC.—Shri Harish Chandra, Assistant Technical Officer in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, New Delhi relinquished charge of his office on the 1-3-76 (FN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

No. A. 32014/2/75-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Assistant Technical Officer in an officiating capacity and until further orders with effect from the date shown against each :—

S. No.	Name	Date from which appointed	Station to which posted
1.	Shri Raj Chand	27-2-1976 (F/N)	A.C.S. Calcutta.
2.	Shri C. S. Paul	1-3-1976 (N)	A.C.S. Bangalore.

No. A. 38012/1/75-EC.—Shri K. Anjaiah, Deputy Director of Communication in the office of the Director General of Civil Aviation relinquished charge of his office on the 1st March, 1976 (F.N.) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

H. L. KOHLI, Dy. Director (Admn.)  
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 1st April 1976

No. A. 12025/1/75-Hindi.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Suraj Pal Sharma as Hindi Officer in the Civil Aviation Department w.e.f. 20-3-1976 (A.N.) on ad-hoc basis and until further orders, and post him in the office of the Regional Director, Delhi.

H. L. KOHLI, Dy. Director Adm.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 2nd April 1976

No. 1/82/76-Est.—The Director General, O.C.S., hereby appoints Shri C. N. N. Nair, officiating Technical Assistant, Switching Complex, Bombay as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch for the period from 19-1-1976 to 21-2-1976 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

No. 1/43/76-Est.—On attaining the age of superannuation, Shri R. G. Mankeekar, Perm. Assistant Engineer, Poona Branch retired from service with effect from the afternoon of the 29th February, 1976.

No. 1/359/76-Est.—The Director General, O.C.S., hereby appoints Shri V.S.N. Murty, Officiating Technical Assistant, Switching Complex, Bombay as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch for the period from 1-1-76 to 9-2-76 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

No. 1/98/76-Est.—The Director General, O.C.S., hereby appoints Shri G. S. Chaitwal, Offg. Technical Assistant, New Delhi Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch for the period from the 1-12-75 to 6-2-76 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

P. K. G. NAYAR, Dy. Director (Admn.)  
for Director General.

MINISTRY OF RAILWAYS  
(RAILWAY BOARD)

New Delhi-110001, the 30th March 1976

No. 75/EB/1506.—It is hereby notified for general information that Dronachellam (inclusive) to Guntakal (exclusive) Section has been transferred from the jurisdiction of Hubli Division of the South Central Railway to the Vijayawada Division of that Railway with effect from 1-1-1976. The jurisdiction of Vijayawada Division will now extend upto Guntakal (exclusive) with corresponding reduction in the jurisdiction of Hubli Division.

The adjustment has been made in the interest of the Railway's day-to-day administration for improving the operational efficiency in the area.

No. 75/EB/1503.—It is hereby notified for general information that Kantabanji (exclusive)—Raipur Section has been transferred from the Waltair Division of the South Eastern Railway to the Bilaspur Division of the same Railway with effect from 1-2-1976.

A. L. GUPTA, Secy.  
Railway Board & ex. Officio Jt. Secy.

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 23rd March 1976

No. 7.—The following doctors of this Railway are provisionally confirmed as Assistant Medical Officers, Class II Scale Rs. 350-900 (AS) on this Railway from 1-1-1966 :—

1. Dr. (Mrs.) Shanno Devi Agarwal.
2. Dr. (Mrs.) K. Khera.

V. P. SAWHNEY, General Manager.

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS  
(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Hyderabad-1, the 29th March 1976

In the matter of the Companies Act, 1956 and of THE IDEAL COFFEE AGRICULTURAL DEVELOPMENT COMPANY PRIVATE LIMITED.

No. 1231/(560)(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Ideal Coffee Agricultural Development Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN, Registrar of Companies,

## NOTICE UNDER SECTION 445(2)

Ahmedabad-380009, the 1st April 1976

*In the matter of the Companies Act 1956 M/S Saurashtra Iron Foundry & Steel Works Private, Limited.*

No. 672/Liquidation.—By an order dated 27-1-76 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 66 of 1975, it has been ordered to wind-up M/S Saurashtra Iron Foundry & Steel Works Pvt. Ltd.,

J. G. GATHA, Registrar of Companies.  
Gujarat.

## OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-20, the 18th March 1976

No. F. 48-Ad(AT)/76.—Shri S. Jayaraman, Senior Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad-hoc basis in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740—35—810—EB —35—880—40—1000— EB —40—1200 with effect from the forenoon of 15th March 1976 upto 30th April, 1976 (Afternoon) vice Sri B. M. Dureja.

No. F.48-Ad(AT)/76.—1. Sri S. V. Narayanan, Senior Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches, Hyderabad is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Calcutta Benches, Calcutta on ad-hoc basis in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months with effect from 11th March, 1976 (Forenoon) vice Sri B. N. Shukla or till the post is filled up on regular basis by appointment of a nominee of the UPSC, whichever is earlier.

2. Sri U. N. Krishnamurthy, Senior Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches, Hyderabad is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Jaipur Bench, Jaipur on ad-hoc basis in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months with effect from 11th March, 1976 (Forenoon) vice Sri N. K. Chaurasia or till the post is filled up on regular basis by the appointment of a nominee of the UPSC, whichever is earlier.

HARNAM SHANKAR, President.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
DELHI-V

New Delhi, the 11th September, 1975

## ORDER

No. JUR-DLI/V/75-76/13090—In partial modification of notification No. Est./1/JUR-DLI/70-71/R-IX/14588 dated the 15-2-71 issued by the CIT-I New Delhi and in exercise of the powers conferred by Sub-section (I) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officers mentioned in column II of the Schedule appended hereto shall perform their functions in respect of persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases specified in column III of the said schedule other than person or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases which have been or may here after be assigned under sub-section (1) of Section 124 or Section 127 of the said Act to any other Income-tax Officer.

This order shall have effect from the 1-9-1975.

## SCHEDULE

I	II	III	IV
1.	Income-tax Officer Distt. IV-(6) Addl. New Delhi.	(a) Every persons, carrying on a business or profession or having the principal place of his business or profession in any of the areas specified in column IV of this schedule of residing in any such areas, and whose name commences with any one of the alphabets from A to I (both inclusive).	The area comprised in Municipal ward Nos. 8, 17, 18, 19, 20, 21 & 22 viz Darya Ganj, Matia Mahal, Chatta Lal Mian Lal Darwaza, Suiwalan, Kucha Patti Ram & Kalan Masjid.
		(b) All persons being partners of the firms falling in items (a) above.	
2.	Income-tax, officer, Distt. IV-(2), New Delhi.	(a) Every person, carrying on a business or profession or having the principal place of his business or profession in any of the areas specified in column IV of this schedule or residing in any such areas, whose name commences with any one of the alphabets from J, K & L (Both inclusive).	Do.
		(b) All persons being partners of the firms falling in item (a) above.	
3.	Income tax Officer Distt. IV-(3), New Delhi.	(a) Every person carrying on a business or profession or having the principal place of his business or profession in any of the areas specified in column IV of the Schedule or residing in any such areas, whose name commences with any one of the alphabets from M to Q (both inclusive).	Do.
		(b) All persons being partners of the firms falling in item (a) above.	

I	II	III	IV
4. Income-tax Officer, Distt.-IV-(6), New Delhi.	(a) Every person carrying on a business or profession or having the principal place of his business or profession in any of the areas specified in column IV of this schedule or residing in any such areas, whose name commences with any one of the alphabets from R to Z (both inclusive).	The area comprised in Municipal ward Nos. 8, 17, 18, 19, 20, 21 & 22 viz. Darya Ganj, Matia Mahal, Chatta Lal Mian Lal Darwaza Suwalan, Kucha patti Ram & Kalan Masjid.	
	(b) All persons being partners of the firm falling in item (a) above.		

The 31st October 1975

## INCOME-TAX

No. JUR-DLI/V/75-76/18863.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle shall be created with effect from 1st November 1975.

1. Distt. IV(8), (Addl.).

A. C. JAIN  
Commissioner of Income-tax,  
Delhi-V, New Delhi.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ANDHRA PRADESH I & II

## INCOME TAX

Hyderabad, the 6th March, 1976

No. 132 C.R. No. 2/76(N)—In exercise of the powers conferred by sub-section 2 of section 117 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Commissioner of Incometax, Andhra Pradesh-II, Hyderabad has appointed the following Incometax Inspector to officiate as Incometax Officer, Class-II in the time scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date mentioned against his name and until further orders.

Sl. No.	Name of the promotee	Place of posting	Date of Joining
1.	Sri C. Venugopal	Incometax Officer, K-Ward, Vijayawada.	6-1-76

## 2. He should note :

- that his promotion is purely provisional;
- that he will be liable for reversion, if, after a review of the vacancies, it is found that his promotion/appointment is in excess of the vacancies available;
- that he will be on probation for a period of two years in terms of Notification No. 63/F. No. 22/27/59-Ad. VI dated 20-11-1963 from the Government of India, Ministry of Finance, (Department of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if found necessary, be extended beyond the above period. He would also be liable for reversion if his performance during the said period is not found to be satisfactory.

He has been posted as Incometax Officer, with effect from the date and in the office noted against his name.

K. RAMA RAO,  
Commissioner of Incometax.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOMETAX  
ANDHRA PRADESH III

Hyderabad, the 8th March, 1976.

No. 133 : [C. R. No. 2/76 (N)]—In exercise of the powers conferred by sub-section 2 of section 117 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Commissioner of Incometax, Andhra Pradesh-III, Hyderabad has appointed the following Incometax Inspector to officiate as Incometax Officer, Class-II in the time scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date mentioned against his name and until further orders.

Sl. No.	Name of the Promotee	Place of posting	Date of joining.
1.	Sri C. Bhimsena Rao	Incometax Officer, B-Ward, Cuddapah.	9-12-75

## 2. He should note :

- that his promotion is purely provisional;
- that he will be liable for reversion if, after a review of the vacancies, it is found that his promotion/appointment is in excess of the vacancies available;
- that he will be on probation for a period of two years in terms of Notification No. 63/F. No. 22/27/59-Ad. VI dated 20-11-1963 from the Government of India, Ministry of Finance, (Department of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if found necessary, be extended beyond the above period. He would also be liable for reversion if his performance during the said period is not found to be satisfactory.

He has been posted as Incometax Officer, with effect from the date and in the office noted against his name.

N. SUBBA RAO,  
Commissioner of Incometax.

## FORM ITNS—

(1) Shrimati Pushpa Devi, Jain W/o Sri Harchand Mal Jain of Jharia, Dhanbad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Banarasi Lal Agarwalla S/o Late Bhagwan Das Agrawalla & Sri Madan Lal Agrawalla S/o Sri Ramadhar Agrawalla of Jharia, Dhanbad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 1st April 1976

Ref. No. III-149/Acq/75-76/2531.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 265, Plot No. 264 situated at Jharia,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 2-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land 3K, 10 ch. with building at Jharia, Plot No. 364, H. No. 265 etc. as described in deed No. 9929 dated 2-8-75.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-4-1976

Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
PATNA

Patna, the 1st April 1976

Ref. No. III-150/Acq/75-76/2530.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M. H. No. 117 & 118 situated at Deoghar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-8-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

16-46 GI/76

(1) S/Shri Sovendra Lal De, Devendra Lal De, Brojendra Lal De, Rajendra Lal De, Smt. Padma De, Smt. Brojoti De, Smt. Sukla De and Smt. Annapurna Rakshit of Ashu Neogy Lane, Hatkhola, Chander-nagar.

(Transferor)

(2) Most Luxmi Devi Modi of Gurgola, Bhagalpur Road, Deoghar Town.

(Transferee)

(3) The Transferor  
(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 16 Kathas 7 Dhurs together with two Pucca buildings know as "Kumud Kanan & Retreat" H. No. 29/3560(50/3) of Rohini Estate, M. H. No. 117 & 118, W. No. 2 at Deoghar.

A. K. SINHA.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna.

Date : 1-4-1976

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
PATNA

Patna, the 1st April 1976

Ref. No. III-151/Acq/75-76/2529.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 35D (old) 38 (New) situated at Patel Babu Road, Bhagalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 25-8-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Bishnu Narain Puri, Ram Narain Puri, Govind Narain Puri of Sri Kanahyalal Puri Of Sonapat, Haryana 147, Indra Bisun Road, Calcutta, Vishakapatnam, Andhra Pradesh.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash Nanole of Mundichak, PS—Kotwali, Dt. Bhagalpur.

(Transferee)

(3) Dr. Om Prakash in first floor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Land 3 Katha with building thereon at Patel Babu Road, Bhagalpur, H. No. 35D (Old) 38 (New) W. No. 2, G. No. 3 as described in deed No. 1-5001, dated 25-8-75.

A. K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Patna.

Date : 1-4-1976

Seal :

FORM ITNS

of Jhumaritelaiya, Dt. Hazaribagh.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dilchand Ram Charan Pahari of Jhumaritelaiya, P.S.-Kodarma Dt. Hazaribagh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
PATNA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Patna, the 1st April 1976

Ref. No. III-152/Acq/75-76/2528,—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khata No. 292, 1151 (New) Plot No. 7347 situated at Jhumaritelaiya, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hazaribagh on 26-8-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land 48 dec. at Jhumaritelaiya, Khata No. 292, 1151 (New) Plot No. 7347 as described in deed No. 17601 dated 26-8-75.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-4-1976  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Malti Saha w/o Sri Krislo Saha of Giridih,  
P.S./Dt. Giridih.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sardar Harjit Singh S/o Sardar Kartar Singh of  
Jhumaritelaiya, P.S. Kodarma, Dt. Hazaribagh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BIHAR, BORING CANAL ROAD,  
PATNA

Patna, the 1st April 1976

Ref. No. III-153/Acq/75-76/2527.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 296(P), W No. 6 situated at Jhumaritelaiya, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hazaribagh on 22-8-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 7 Dec. with building on it in Jhumaritelaiya Municipality, H. No. 296(P), W. No. 6 as per deed No. 17378.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 1-4-1976

Seal :



FORM ITNS—

(1) Shrimati Malti Saha W/o Sri Kristo Kumar Saha of Giridih, P.S./Dt. Giridih.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BIHAR, BORING CANAL ROAD,  
PATNA

Patna, the 1st April 1976

Ref. No. III-154/Acq/75-76/2526.—Whereas, I. A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 296, W. No. 6 situated at Jhumaritelaiya, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hazaribagh on 22-8-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shrimati Kaushalya Devi w/o Sardar Kartar Singh of Jhumaritelaiya P.S. Kodarma, Dt. Hazaribagh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 7 Dec. with a single storeyed building on it in Jhumaritelaiya Municipality, H. No. 296, W. No. 6, as described in deed No. 17379- dated 22-8-75.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 1-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BIHAR, BORING CANAL ROAD,  
PATNA

Patna, the 1st April 1976

Ref. No. III-155/Acq/75-76/2525.—Whereas, I, A. K. Sinha, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2602, W. No. 1, situated at Mokama, (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barh on 22-8-75.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raghunandan Gope S/o Late Shyamu Gope, At Mokama Moladiyar tola P.O. P.S. Mokama Dt. Patna.  
(Transferor)

- (2) M/s Ram Sumiran Singh At/P.O. Mokama, Dt. Patna, Through, Prop. Sri Ram Sumiram Singh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 14 Kathas with house at Mokama Dt. Patna W. No. 1 Khata No. 1289 Plot No. 2602 as described in deed dated 22-8-75.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 1-4-1976  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shrimati Bhanumoti C. Thaker W/o Sri Chandra Kant Thaker. Sri Kapil C. Thaker (Minor) Sri Jugul C. Thaker of Hirapur, Dhanbad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Bishwanath Prasad S/o Sri Uttim Chand. Sri Nirmal Kumar Sri Abhoy Kumar, Sri Nirbhoy Kumar, Sri Bimal Kumar & Sri Raj Kumar all sons of Sri Bishwanath Prasad of Hirapore, Dhanbad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BIHAR, BORING CANAL ROAD,  
PATNA

Patna, the 3rd April 1976

Ref. No. III-156/Acq.76-77/23.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section exceeding Rs. 25,000/1 and bearing 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. deed No. IV 189 situated at Dhanbad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 7-8-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

4th Share of "Ray Talkies" at Dhanbad as described in deed No. IV 189 dated 7-8-75.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 3-4-1976.  
Seal ;

FORM ITNS—

- (1) Shri Nasik Lal Singh S/o Sri Ramchandra Singh of  
Ranipurchak, P.S.-Chowk Patna City, Dt. Patna.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BIHAR, BORING CANAL ROAD,  
PATNA

Patna, the 3rd April 1976

Ref. No. III-158/Acq/76-77/25.—Whereas, I, A. K. Sinha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 4901, K. No. 632 situated at Ranipurchak, (and more gully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna City on 13-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (2) Shrimati Shanti Devi W/o Sri Rajendra Mahto of  
Bari Patan Devi P.S. Alomgari, Dist. Patna.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 1.54 acres at Ranipur Chak, P.S. Chouk, Patna City Dt. Patna, Plot No. 4901, Khata No. 632 as described in deed No. 498 dated 13-8-75.

A. K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 3-4-1976.

Seal ;

## FORM ITNS

(1) Shri Man Mohan Kapoor S/o Sri Madan Mohan Kapoor, of Gardiner Road, Patna. At Present—Pataliputra Colony, New Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sardar Harjit Singh S/o Sardar Budha Singh, At Sewak Bhawah, P.O. Jhauganj, Patna City, Dt. Patna.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BIHAR, BORING CANAL ROAD,  
PATNA.

Patna, the 3rd April 1976

Ref. No. III-157/Acq/76-77/24.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 438 (Part) situated at Station Road, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 22-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

17—46GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One building on 1593 sq. ft. at Station Road, Patna, H. No. 438 (Part), M. Plot No. 304 (Part) W. No. 2 as described in deed No. 9623 dated 22-8-75.

A. K. SINHA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 3-4-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA.

Patna, the 3rd April 1976

Ref. No. III-159/Acq./76-77/26.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing open land in S. No. 235 No H, No. 14, row 16, B. No. 207, situated at Marufganj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 6-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1972 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Nut Bihari Mondal, Sri Rasick Bihari Mondal, Sriman Binod Bihari Mondal (Minor), Sriman Achal Bihari Mondal, (Minor) Sriman Chanchal Bihari Mondal (Minor), Kumari Sharmistha Mondal (Minor), Kumari Parbak Mondal (Minor), All sons & D/o Late Rash Bihari Mondal—represented by their mother Smt. Kanak Lata Mondal and Smt. Kanak Lata Mondal, w/o Late Rash Bihari Mondal, At Ichapur, P.S. Nowpara Dt.—24-Parganas, W.B.

(Transferor)

(2) Shri Pawan Kumar Singh S/o Sri Shyam Bahadur Singh At—Marufganj, P.S.—Malsalami, Patna.

(Transferee)

(3) Shri Shib Nath Bhattacharjee.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 0.335 acres with some structures, shed Godown etc. at Marufganj, Patna, H. No. 14 now 16, Cr. No.—207, M.S. Plot No. 356 as described in deed No. 1-4600 dated 6-8-75.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 3-4-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Harihar Singh Others.

(Transferor)

(2) Shri Virendra Kumar and Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 4th February 1976

Ref. No. 35-V/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. \_\_\_\_\_ situated at Village, Gurli Tappa, Distt. Gorakhpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maharaj-ganj (Distt. Gorakhpur) on 7-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half portion of agricultural land measuring 95.9 acres, situated in Village-Gurli Tappa Bharatkhand, Pargana-Tilpur, Tehsil-Maharaj-ganj, Distt. Gorakhpur.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 4-2-1976.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Abdul Alim.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shahida Faizan,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 11th February 1976

Ref. No. 113/S/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-K65/425 etc, situated at Moh. Piyari Kalan—Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Varanasi on 4-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Part of house Nos. C-K 65/425, C-K 65/426, and C-K 65/427, situated at Mohalla Piyari Kalan Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date : 11-2-1976  
Seal ;



FORM ITNS. \_\_\_\_\_

(1) Shrimati Bijhar Devi

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sushil Kumar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Lucknow, the 12th February 1976

Ref. No. 114-S/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-52/41-C situated at Luxmi Kund Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 19-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house No. D-52/41-C measuring 4452 sq. ft. situated in Luxmi Kund Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitions of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 12-2-1976.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Narbada Joshi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Arbind Kumar &amp; Others.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 13th February 1976

Ref. No. 60-A/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 640, situated at Village Municipal Bhitari Distt. Almora (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Almora on 27-8-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half portion of house bearing No. 640, including land, situated in Village Municipal Bhitari, Patti—Khas—Parja Distt. Almora.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 13-2-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Munni Joshi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arbind Kumar &amp; Others.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 13th February 1976

Ref. No. 61-A/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 640, situated at Village Municipal Bhitari Distt, Almora, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Almora on 27-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half portion of house bearing No. 640, including land, situated in Village Municipal Bhitari, Patti—Has—Parja, Distt. Almora.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 13-2-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Panchu Gopal Mullick.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Laxman Das Verma.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 19th February 1976

Ref. No. 22-L/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-19/20 and S-19/21 situated at Baruna Bridge Road, Distt. Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta, on 22-8-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A three storeyed house bearing No. S-19/20, alongwith land bearing No. S-19/21, situated at Baruna Bridge Road, Nadeswar, Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 19-2-1976.  
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gita Rani Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gopal Das Khanna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 23rd February 1976

Ref. No. 31-G/ACQUISITION.—Whereas, I, F. Rahman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-21/120 situated at Kammachha Distt. Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 5-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house property bearing No. B-21/120, situated in Kammachha, Distt. Varanasi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—46GI/76

F. RAHMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 23-2-1976.

Seal :

FORM ITNS.-----

(1) Shri Sri Ram Misra, 620-C Faithfulganj, Kanpur.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Shri M. Khurshid, 2. Iqbal Ahmad, 3. Zamir  
Ahmad, 4. Rashid, 5. Anwar Jamal, 39/11, Meston  
Road, Kanpur.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 30th January 1976

Ref. No. 404/Acq/Knp/75-76/2583.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at as per Schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Kanpur on 1-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of one pucca three storeyed house No. 39/11, situated at Topkhana Bazar adjacent Meston Road, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 70,000/-.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 30-1-1976.  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR.

Kanpur, the 3rd April 1976

Ref. No. 868/Acq./G.Bad/75-76/40.—Whereas, I, Vijay Bhargava, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 1-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Manohar Lal Sons of Sri Chandan Lal R/o 19-A, Model Town, Ghaziabad, Distt. Meerut.  
(Transferor)

(1) Shri Raj Kishore s/o Jyoti Prasad, 2. Smt. Ram Murti W/o Raj Kishore, Residents of 2737, Kishan Ganj, Teliwara, Delhi-6.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/2 portion of three storied residential accommodation bearing Municipal No. 18, area 120 sq. yds. situated at Jagniganj, Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 30,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-4-1976.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Manohar Lal son Shri Chandan Lal, R/o 19-A, Model Town, Ghaziabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Nanak Chand, 2. Lalman Das, both Sons of Late Lala Deewan Chand R/o 18, Jagni Ganj, Ghaziabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR.

Kanpur, the 3rd April 1976

Ref. No. 869/Acq/G.Bad/75-76/41.—Whereas, I, Vijay Bhargava, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 2-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Immovable property consisting of 1/2 portion of three storeyed residential accommodation bearing Municipal No. 18, area 120 sq. yds, situated at Jagniganj, Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 30,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 3-4-1976

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 5th April 1976

Ref. No. 870/Acq./G.Bad/75-7642.—Whereas, I, Vijay Bhargava, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 13-8-75, Ghaziabad, on 13-8-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Chuard Devi Wife of D.L. Gupta, Resident of 25, Chandrapuri, Ghaziabad, Distt. Meerut, (Transferor)

- (1) Smt. Savitri Devi W/o Satya Prakash, 2. Raj Kumar, 3. Pawan Kumar, both Sons of Satya Prakash, 4. Munesh Kumar (Minor) S/o Satya Prakash, through his Mother Smt. Savitri Devi, R/o 43, Kelawalan, Delhi Gate, Ghaziabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 88, measuring 200 sq. yds. situated at Navyug Market, Ghaziabad, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 66,892/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 5-4-1976.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 5th April 1976

Ref. No. 834-A/Acq./Agra/75-76/43.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 2-8-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) (i) Shri Hubb Lal; (ii) Chotey Lal; (iii) Jamuna Prasad, sons of Late Kanhaiya Lal, R/o Gopalpuri, Distt. Agra.

(Transferor)

(2) Parshuram Nagar Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd. Agra through Ramesh Chand Sharma, Secretary, 66, Saket Colony, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 2 Bigha 2 Biswa comprised in Khet Nos. 233 and 234, Khata No. 44, situated at Gopalpura, Distt. Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 42,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 5-4-1976.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) (i) Shri Hubb Lal; (ii) Chotey Lal; (iii) Jamuna Prasad, sons of Kanhaiya Lal, R/o Gopalpura, Distt. Agra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th April 1976

Red. No. 835-A/Acq./Agra/75-76/44.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 2-8-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Parshuram Nagar Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd. Agra, through Shri Ramesh Chand Sharma, Secretary, 66, Saket Colony, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 2 Bigha 2Biswas comprised in Khet Nos. 337, 338 and 339, Khata No. 44, situated at Gopalpura, Distt. Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 48,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 5-4-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 5th April 1976

Ref. No. 386-A/Acq./Agra/75-76/45.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 2-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) (i) Shri Hubb Lal, (ii) Chotey Lal; (iii) Jamuna Prasad sons of Kanhaiya Lal, R/o Gopalpura, Distt. Agra.

(Transferor)

(2) Parshuram Nagar Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd. Agra, through Ramesh Chand Sharma, Secretary, 66, Saket Colony, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 1 Bigha 12 Biswa comprised in Ket No. 344, Khata No. 44, situated at Gopalpura, Distt. Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 32,000/-.

VIJAY BHARGAVA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 5-4-1976.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) (i) Shri Hubb Lal (ii) Chotey Lal; (iii) Jamuna Prasad s/o Late Kanhaiya Lal, R/o Gopalpura, Distt. Agra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Parshuram Nagar Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd. Agra, through Ramesh Chand Sharma, Secretary, 66, Saket Colony, Agra.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 6th April 1976

Ref. No. 837-A/Acq./Agra575-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 2-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

19—46GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 2 Bigha 5 Biswa comprised in Khet Nos. 320, 335 and 336, Khata No. 44, situated at Gopalpura, Distt. Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-4-76.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 6th April 1976

Ref. No. 838-A/Acq./Agra/75-76/47.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 2-8-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Hubb Lal (ii) Chotey Lal; (iii) Jamuna Prasad s/o Late Kanhaiya Lal, R/o Gopalpura, Distt. Agra.

(Transferor)

- (2) Parshuram Nagar Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd. Agra, through Ramesh Chand Sharma, Secretary, 66, Saket Colony, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 2 Bigha 5 Biswa comprised in Khet Nos. 340 and 341, Khata No. 44, situated at Gopalpura, Distt. Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

VIJAY BHARGAVA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-4-76

Seal :

## FORM ITNS—

(1) (i) Shri Hubb Lal (ii) Chotey Lal; (iii) Jamuna Prasad s/o Late Kanhaiya Lal, R/o Gopalpura, Distt. Agra.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th April 1976

Ref. No. 839-A/Acq./Agra/75-76/48.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 2-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(2) Parshuram Nagar Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd. Agra, through Ramesh Chand Sharma, Secretary, 66, Saket Colony, Agra.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 2 Bigha 4 Biswa comprised in Khet Nos. 342 and 343, Khata No. 44, situated at Gopalpura, Distt. Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 44,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-4-76  
Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 7th April 1976

Ref. No. 915-A/Acq./M.Nagar/75-76/51.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffar Nagar on 7-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Chandra Prakash Sangal s/o Shri Indra Prakash Sangal R/o H. No. 166, Mohalla Rajputana, Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) M/s. ESS-CEE Industrial Corporation, B-11, Industrial Estate, Muzaffarnagar, through Shri Suresh Chand Gupta s/o Gopi Chand Gupta, R/o H. No. 82, Mohalla No. 23, Jullundur Cantt. (Punjab) present Res. 44, Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Factory Building situated at B-11, Industrial Estate, G. T. Road, Muzaffar Nagar, land Area 756.37 sq. yds. transferred for an apparent consideration of Rs. 65,000/- and machinery parts for an apparent consideration of Rs. 18,000/- (Total Rs. 83,000/-).

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-4-1976

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Smt. Padma Rani Gupta wife of Shri Ashok Gupta,  
R/o 12, Admonston Road, Allahabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinod Prakash Agrawal son of Shri Kunj  
Behari Lal, through Sri Subodh Kumar s/o  
Kunj Behari Lal, R/o KC/70, Kavi Nagar,  
Ghaziabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 3rd April 1976

Ref. No. 867/Acq/G.Bad/75-76.—Whereas, I, VIJAY  
BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule, situated at  
As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Ghaziabad on 1-8-75

for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the 'said Act', in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assests which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said  
Act', of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the  
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said prop-  
erty may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and experience used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'Said  
Act', shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. KA/29, mea-  
suring 1422.22 sq. yds. situated at Kavi Nagar, Ghaziabad,  
Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration of  
Rs. 52,622/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-4-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 6th March 1976

Ref. No. ARI/1258-1/Aug-75.—Whereas, I V. R. AMIN, being the Competent Authority under section 269 B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. Nos. 790(P), 8/788 and 790 at Malbar & Cumballa Hill Div., situated at Warden Rd. Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) His Highness Maharaja Martandsinghji of Reva.  
(Transferor)
- (2) Ramniklal Talakshi Doshi & Others.  
Transferee)
- (3) Occupants.  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the messuages,, tenements and dwelling house with chawls and other structures bearing plot No. "C" standing thereon situated lying and being at Warden Road, near Mahalaxmi Compound, in the City Island, Dist. and Registration sub-Dist. of Bombay containing by admeasurement 4233.33 Sq. meters or thereabouts (i.e. 5063 sq. yds or thereabouts) forming part or a portion of a larger piece of land bearing Cadastral Survey Nos. 790(P) 8/788 and 790 of Malabar and Cumbala Hill Division and bounded as Follows that is to say, on or towards the North by Sub-Plot No. B; on or towards the South by the property bearing Cadastral Survey No. 791; on or towards the East party by Sub-Plot No. B and partly by a common access passage and on or towards the West By the property bearing Cadastral Survey No. 788 and delineated on the plan there of hereto annexed and marked thereon as Plot "C".

V. R. AMIN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 6-3-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BOMBAY

Bombay, the 7th April 1976

Ref. No. AR-I/1292-1/Aug 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and C.S. No. 1431 of lower parcel Divn. TPS No. IV Mahim, situated at Final Plot No. 490/491 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Eastern Woollen Mills Ltd. (Transferor)
- (2) Priyadarshini Mahila Co-op. Hsg. Soc. Ltd. (Transferee)
- (3) Tenants. [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Final Plot No. 490/491 of T.P.S. No. IV, Mahim Area, Bombay, area 6950/73 sq. mts. C.S. No. 1431 of Lower parcel Division.

V. R. AMIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 7-4-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BOMBAY

Bombay, the 7th April 1976

Ref. No. AR-I/1293-2/Sept 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 1/57/Malbar & Cumballa Hill Divn. situated at Plot No. 1/57/Gowalia tank Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-8-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (1) Hariram Keshavdas Rohitra & Ors.  
(Transferor)
- (2) New Mahavir Co-op. Hsg. Soc. Ltd.  
(Transferee)
- (3) Members.  
[Person in occupation of the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with 5 storeyed bldg. and garages on plot No. 1/571 Gowalia Tank Road, bearing C.S. No. 1/571 of Malabar & Cumballa Hill Division.

V. R. AMIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-4-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Ved Prakash Aggarwal,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
BOMBAY-2

Bombay-2, the 22nd March 1976

Ref. No. AR-II/2034/3730/75-76.—Whereas, I, M. J. MATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 119-B-1 TPS-V, CS No. 26B, situated at Santacruz (E), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
20—46GI/76

- (2) Jai Bansal Cooperative Housing Society Limited.  
(Transferee)
- (3) As per annexure 'A'  
(1) Smt. Savitri Devi K. Kumar, (2) Shri Mahabir Prasad Dalmia, (3) Shri Bajranglal Dalmia, (4) Shri Jugal Kishore Dalmia, (5) Smt. Bhanuben Bachubhai Trivedi, Shri Bachubhai Trivedi, (6) Smt. Dhanlaxmi Natverlal Mehta, Shri Natvarlal Shival Mehta, (7) Smt. Shardambal Hariharan, (8) Shri Balkrishna Shetty Shiroor, (9) Shri Zinbai Kurji Popat, (10) Dr. Ramanlal Hathalal Joshi, (11) Shri Vijaykumar Mundra, (12) Shri Girdharilal Dharam Chand Malhotra, (13) Shri Thirupudaimaruthur Pichumony Venkatanarayan, (14) Shri Vishwambarlal Balwankand Gupta, (15) Shri Mewati Bros. (16) Shri V. P. Aggarwal (Garage).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground together with messuages and tenements standing thereon situated lying and being at Prabhat Colony Santacruz East, Registration District, Bandra District Bombay suburban in the Greater Bombay area bearing Plot No. 119-B-1 (new number 103-A) TPS V Santacruz and bearing City Survey No. 26B and Bombay Municipal Corporation No. H Way No. 6918 St. No. 1 AA admeasuring 918.81 sq. metres i.e. 1107 sq. yds. and bounded as follows: i.e. to say on or towards the North by Plot No. 119-B-2 of the said Scheme, belonging to the vendor, on or towards the South by 40' Road of the said Scheme on or towards the East partly by Plot No. 127 and partly by Plot No. 128 of the said scheme, on or towards West by Plot No. 118 of the said Scheme.

M. J. MATHAN  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 22-3-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V,  
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 26th March 1976

Ref. No. AR-V/(416-A/39)75-76.—Whereas, I, I. M. MEHRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 4, Hissa No. 1A, S. No. 5, H. No. 2A, & 3A, situated at Moghul Sakhi Vihar Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 16-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Himat Naginbhai Khetani,  
2. Shri Pravin Naginbhai Khetani Keshav Kanji  
Oghadbhai Lane, Ghatkopar, Bombay-77.  
(Transferor)
- (2) Linus D'Souza,  
235 Village Ward,  
Old Kurla, Bombay-70.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 5830 square yards equal to 4874.46 sq. mtrs. or thereabouts and bearing Survey No. 4, Hissa No. 1A, Survey No. 5 Hissa No. 2A and 3A situate at Moghul Sakhi Vihar Road, Zilla South Salsette in the Registration Sub District and District Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows that is to say on or towards the East by the property bearing Survey No. 4 Hissa No. 2 belonging to Ratilal Sanghi & Co., On or towards the West partly by the property bearing Survey No. 4 Hissa No. 1 belonging to Hindustan Oil Mills and partly by the property bearing Survey No. 4 Hissa No. 4 belonging to Gayadin Algue Metal Refinery, On or towards the North by the property bearing Survey No. 6 belonging to Janbhai Poulu Miskita and On or towards the South by 4 feet Road.

J. M. MEHRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-V, Bombay

Date: 26-3-1976

Seal

## FORM ITNS—

(1) Hiralal Amratlal Parikh,  
Mangal Bhavan, Karan Para,  
Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shri Ram Traders, Lathi Plot,  
Kuvadva Road, Rajkot.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th February 1976

Ref. No. Acq.23-I-688(276)/16-6/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 119/1, & 119/2, Plot No. 22 & 23, situated at the Rajya Plot, alliance to Lathi Plot, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 16-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land, bearing Survey No. 119/1 & 119/2, Plot No. 22 & 23, Jiva Raiya Plot, adjacent to Lathi Plot, and measuring in all about 2474 sq. yards and situated at Rajkot.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 26-2-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1976

Ref. No. Acq. 23-I-683(281)/10-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

City Survey No. 37-F-4, situated at Bedi Road, Opp; Solarium, Jamnagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on Aug., 1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Manubhai Jeevanlal Khamar,  
26, Narsi Nagar Society,  
Naranpura, Ahmedabad-13.

(Transferor)

(2) Shri Vasantrai Bhagwanji,  
C/o. Shakti Oil Mills,  
Man Mohan Market, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A double storey building standing on land admeasuring 426 sq. metres, bearing City Survey No. 37-F-4, situated at Bedi Road, Opposite Solarium, Jamnagar.

J. KATHURIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 5-3-1976

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Patel Nagindas Ukabhal,  
115, M.I.G. Shastri Nagar,  
Bhavnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1976

Ref. No. Acq. 23-I-680 (282)/5-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 947-B situated Near Gita Chowk, Don Area, Krishna Nagar, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 25-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely :—

- (2) (1) Virendra Ratilal Vora,  
(2) Dhirendra Ratilal Vora, and  
(3) Hasmukh Ratilal Vora,  
Panjrapole 2nd Street, Laxmi Niwas,  
2nd Floor, Bombay-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A two-storeyed bungalow constructed land admeasuring 528.83 sq. yards, bearing Plot No. 947-B and situated Near Gita Chowk, Don Area, Krishna Nagar, Bhavnagar.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 5-3-1976  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th March 1976

Ref. Acq. 23-1-681 (295)/5-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sanand No. 6296, New City Survey Ward No. 3 situated Near Mahalaxmi Mandir, Vora Bazar, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhavnagar on 25-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Harshukumar Virendrarai Desai,  
Atabhai Road, Plot No. 153,  
Krishnanagar, Bhavnagar.  
(Transferor)
- (2) M/s. Kiran Corporation, Vora Bazar, Bhavnagar  
through partners—  
(1) Gunvantbhai Kanjibhai Shah,  
(2) Vasantiben Harakhchand Sheth,  
(3) Pratibhaben Rasiklal Shah, &  
(4) Harshubhai Virendrarai Desai.  
(Transferee)
- (3) (1) Magal Bharti Hotel,  
(2) Babubhai Tailor,  
(3) Prabhudas Soni,  
(4) Rasiklal K. Shah  
(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A building known as 'Kiran Vidyashram' bearing new City Survey Ward No. 3, Sanand No. 6296 and situated near Mahalaxmi Mandir, Vora Bazar, Bhavnagar.

J. KATHURIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 12-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 20th February 1976

Ref. No. Acq. 23-I-763 (273)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 198, Final Plot No. 143 of T.P.S. No. 14 situated at Shahibaug, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. Vinodaben Harshadrai Adhyaru,  
(2) Smt. Parthiv Harshadrai Adhyaru,  
(3) Kumari Shrungari Harshadrai Adhyaru, 'Kum Kum', Panchvati, C.G. Road, No. 1, Ellis Bridge, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Dr. Jagdish Ramnath Jaju,  
13, Subhash Nagar, Near Girdhar Nagar, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open land admeasuring 709 sq. yds. bearing Survey No. 198 Final Plot No. 143 of T.P.S. No. 14, situated at Shahibaug, Ahmedabad and as fully described in the sale deed No. 12347 dated 22-8-1975.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 20-2-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

## INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 20th February 1976

Ref. No. Acq. 23-I-763 (274)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria,

being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 198, Final Plot No. 143 of T.P.S. No. 14 situated at Shahibaug, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 22-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. Vinodaben Harshadrai Adhyaru,
  - (2) Smt. Parthiv Harshadrai Adhyaru,
  - (3) Kumari Shrungari Harshadrai Adhyaru,
- 'Kum Kum', Panchvati, C.G. Road, No. 1,  
Ellis Bridge, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Chitraben Jagdish Jaju,
- 13, Subhash Nagar, Near Girdharnagar,  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 709 sq. yds. bearing Survey No. 198, Final Plot No. 143, of T.P.S. No. 14, situated at Shahibaug, Ahmedabad and as fully described in the sale deed No. 12348, dated 22-8-1975.

J. KATHURIA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 20-2-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Rohinton Dungaji Daruwala,  
Room No. 5, Grand Hotel Building,  
Lal Darwaja, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Shakti Builders, 174 New Cloth Market, Raipur  
Gate, Ahmedabad-2.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 20th March 1976

Ref. No. Acq. 23-I-743 (305)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 197, 199/2/B T.P.S. No. 19 situated at Memnagar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

21—46 GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 2794 sq. yards bearing Survey No. 197 and 199/2/B, T.P.S. No. 19 and situated at Memnagar, Ahmedabad.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 20-3-1976

Seal :

## FORM ITNS.—

- (1) (1) Shri Chimanlal Kuberdas Modi,  
 (2) Smt. Kamlaben Mavjibhai,  
 Kuber Nivas, Raikhad, Ahmedabad.  
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Nav Durga Tenaments Association,  
 Opp : S.T. Central Workshop,  
 Naroda Road, Patia, P.O. Sahijpur Bogha,  
 Ahmedabad.  
 (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE-I,  
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
 ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period  
 of 45 days from the date of publication of this  
 notice in the Official Gazette or a period of  
 30 days from the service of notice on the re-  
 spective persons, whichever period expires later;

Ahmedabad-380009, the 20th March 1976

- (b) by any of the person interested in the said  
 immovable property within 45 days from the  
 date of the publication of this notice in the  
 Official Gazette.

Ref. No. Acq. 23-I-754 (306)/1-1/75-76.—Whereas, I, J.  
 Kathuria,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
 and bearing

Survey No. 54, 57 & 58 (Part) situated at Sahijpur Bogha,  
 Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering Officer at  
 Ahmedabad on 16-8-1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid  
 property and I have reason to believe that the fair  
 market value of the property as aforesaid exceeds the  
 apparent consideration therefor by more than fifteen per  
 cent of such apparent consideration and that the 'con-  
 sideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
 liability of the transferor to pay tax under the said  
 Act, in respect of any income arising from the trans-  
 fer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
 any moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for the  
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
 the aforesaid property by the issue of this notice under  
 sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
 following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the Said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 6659 sq. yards bearing  
 Survey No. 54, 57 & 58 (Part), situated at Sahijpur Bogha,  
 Ahmedabad.

J. KATHURIA  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
 Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 20-3-1976  
 Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 1st April 1976

Ref. No. Acq. 23-I-689 (307)/16-6/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 215, Plot No. 1071-73 situated at the Aji Industrial Area, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 22-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Comsales Engineering Works, Rajkot,  
Prop : Shri Damodar Mohanlal Soni,  
80 Ft. Road, "Ishwan Ashish", Rajkot.  
(Transferor)
- (2) M/s. Vacco Electoplasts, Rajkot  
through its main partner :  
Shri Laljibhai Karamshibhai Vakaria,  
Bhaktinagar Station, Godown Road,  
Rajkot.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 1500 sq. yards and bearing Survey No. 215, Plot No. 1071-73 and situated at Aji Industrial Area, Rajkot.

J. KATHURIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 1-4-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 7th April 1976

Ref. No. Acq. 23-1-765 (317)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 126, Sub-Plot No. 18 T.P.S. 4 situated at Ganesh Gali, Maninagar Char Rasta, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hiralaxmi daughter of Mohanlal Punjiram Modi,  
Maninagar, Char Rasta, Ahmedabad-8. (Transferor)

(2) (1) Ambalal Vithaldas,  
(2) Vimlaben Ambalal,  
Maninagar Char Rasta, Ahmedabad-8. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 486 sq. yards bearing F. Plot No. 126, Sub-Plot No. 18 of T.P.S. No. 4 and situated at Ganesh Gali, Maninagar Char Rasta, Ahmedabad.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 7-4-1976

Seal :



## FORM ITNS—

- (1) (1) Bipinkumar Gajanan Joshi,  
(2) Shirishchandra Gajanan Joshi,  
Residing near Moti Tanki, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) M/s. R. P. Shah Sons (A Registered Firm)  
Danapith, Rajkot.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th April 1976

Ref. No. Acq. 23-I-691(319)/16-6/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 608-A situated at Parduman Nagar, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 8-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A building (since dismantled) alongwith land admeasuring 776-2-3 sq. yards bearing Survey No. 608-A, situated near Moti Tanki, Praduman Nagar, Rajkot.

J. KATHURIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 9-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Fulchandbhai Jakisandas Vakharia, Navapura, Karva Road, Surat.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chandrakant Nathubhai Shah; 9/441, Store Sheri, Wadi Falia, Surat.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 29th March 1976

Ref. No. P.R. No. 314/Acq.23-534/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 389A Hissa No. 1, 2 & 3 paiki situated at Katargam Ashwinikumar Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 20-8-1975, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section, 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 389/A Hissa 1, 2 and 3 paiki, Final Plot No. 79B admeasuring 4213 sq. yds, along-with wire fencing situated on Ashwinikumar Road, Katargam, Surat as fully described in the Registered sale deed No. 3819 of August, 1975 of Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 29-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 29th March 1976

Ref. No. P.R. No. 315Acq.23-594/19-7/75-76.—Whereas,  
I, P. N. MITTAL,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'Said Act')  
have reason to believe that the immovable property having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
Nondh No. 196 of Ward No. 9, situated at Pagathia Sheri,  
Surat  
(and more fully described in the  
Schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Surat on 12-8-1975  
for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid prop-  
erty and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the appa-  
rent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the con-  
sideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'Said Act'  
in respect of any income arising from the trans-  
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the  
Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of  
1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said  
Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following per-  
sons, namely:—

(1) Balvantrai Jakisandas, Karta of his HUF and others,  
Pagathia Sheri, Wadi Falia, Surat.  
(Transferor)

(2) S/Shri  
Ambalal Balvantrai;  
Jaswantlal Balvantrai;  
Navinbhai Balvantrai;  
Arvindlal Balvantrai;  
Jitendra Balvantrai;  
Pagathia Sheri, Wadi Falia, Surat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the  
respective persons whichever period expires  
later;

(b) by any other person interested in the Said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the Said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land with old shed bearing Nondh No. 196  
of Ward No. 9 admeasuring in all 281 sq. yds. and situated  
in Pagathia Sheri, Wadi Falia, Surat as fully described in the  
registered sale deed No. 2067 of August, 1975 of the Regis-  
tering Officer, Surat.

P. N. MITTAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Date : 29-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Jaipur Investment Company Ltd.  
(Transferor)(2) Shri Sripal Bahadur Singh.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 11th March 1976

Ref. No. AC-51/Acq. R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 107,

situated at Netaji Subhas Ch. Bose Road, P. S. Tollygunge (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 1 bigha 0 cottah 13 chittaks 15 sft. together with two storied building and other structures thereon situated at 107, Netaji Subhas Chandra Bose Road, P. S. Tollygunge, Calcutta more particularly as per deed No. 4927 dated 20-8-1975.

S. S. INAMDAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-V

54, Rafi Ahmed Kidwai Road,

CALCUTTA-16

Date : 11-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Mani Kant Pvt. Ltd.  
15, Mathew Road, Fort Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shanti Nagar Housing  
Society Pvt. Ltd.  
50, Ezra Street, Calcutta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-V,  
CALCUTTA

Calcutta, the 1st April 1976

Ref. No. AC-1/Acq. R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2&2/1,  
situated at Netaji Subash Road, P. S. Bally,  
Howrah,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at

Calcutta  
on 20-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transferor;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely :—

22—46 GI76

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 11 Bighas 7  
Cottahs 3 Chittaks 30 Sft. situated at Premises No. 2 & 2/1,  
Netaji Subash Road, Lileoah, P. S. Bally, Dist-Howrah more  
particularly as per deed No. 1-4922 dated 20-8-75 registered  
in the office of the Registrar of Assurances, Calcutta.

S. S. INAMDAR  
Comptent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V  
CALCUTTA-16

Date : 1-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V

Calcutta, the 1st April 1976

Ref. No. AC-2/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2 &amp; 2/1

situated at Netaji Subhas Road, P. S. Balley, Howrah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta

on 20-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Mani Kant Pvt Ltd,  
15, Mathew Road, Fort Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Shanti Nagar Housing  
Society Pvt. Ltd.  
50, Ezra Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece of parcel of land measuring 15 cottabs 14 chittaks 40 sft. situated at premises No. 2 &amp; 2/1 Netaji Subhas Road, Lilloah, P. S. Balley Dist-Howrah more particularly as per deed No. 1-4924 dated 20-8-1975 registered in the office of the Registrar of Assurance, Calcutta.

S. S. INAMDAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V, Calcutta

Date : 1-4-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.  
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd April 1976

Ref. No. AC-3/Acq. R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15

situated at Dum Dum Road, P. S. Chitpur, 24-Pgs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sharimati Raj Lakshmi Mullick wife of Sri Bhubaneswar Mullick, Burrabazar, Chitpur, Dist-Hooghly.  
(Transferor)
- (2) Shri Anil Kumar Mitra,  
14/C/IA, Dum Dum Road, Calcutta-30.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3 bighas 12 cottahs more or less together with building being premises No. 15, Dum Dum Road, P. S. Chitpur, Dist-24-pgs more particularly as per deed No. 1-4686 dated 11-8-75 Registered in the office of the Registrar of Assurances, Calcutta.

S. S. INAMDAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-V  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date : 3-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Jyotsna Chatterjee, 141, Lake Road, Cal-29.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Paritosh Mazumdar and Sm. Susama Mazumdar, R.K-1/332 Sindri, Dist. : Dhanbad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V,  
CALCUTTA

Calcutta, the 3rd April 1976

Ref. No. AC-4/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag-9761, Kh. No. 1849, situated at Mouza Chatra P.S. Srirampur Dist-Hooghly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 0.0132 acres together with two storied building thereon being Dag No. 9761 Kh. No. 1849 at Mouza Chatra, P.S. Serampore, Dist-Hooghly.

S. S. INAMDAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date : 3-4-1976.

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V,  
CALCUTTA

Calcutta, the 3rd April 1976

Ref. No. AC-5/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag 2686, Kh. No. 425, situated at Mouza Belur, P.S. Bally, Dist-Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrah on 13-8-75 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-Tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Shanti Devi, 2. Sri Hemant Kr. Ganeriwalla, 3. Sri Sushil Kr. Ganeriwalla and 4. Sri Sarad Kr. Baneriwalla.

(Transferor)

(2) 1. Sri Surajmal Gupta, 2. Ram Kanwar Singh, 3. Nawal Kishore Gupta, 4. Smt. Chalti Devi Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2 bighas 19 cottahs and 3 chittaks together with structures thereon situated at 15 & 15/2, Belur Road, being Dag No. 2686 of Kh. No. 425 at Mouza Belur, P.S. Bally, Dist-Howrah more particularly as per deed No. 3203 dated 13-8-1975.

S. S. INAMDAR,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-V,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date : 3-4-1976.

Sent :

## FORM ITNS

(1) Shri Panchanan Roy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kali Prasad Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V,  
CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1976

Ref. No. AC-6/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mouza Barrackpore, situated at P.S. Bally, Dist-Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrah on 14-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of tank with the land underneath and bank land measuring ¾th share of 5 Bighas 15 cottahs 10 chittaks 8 sft. being Dag No. 2996, 2997, 2999 and 3000 of Kh. No. 1053 situated in Mouza Barrackpore, P. S. Bally, Dist.-Howrah.

S. S. INAMDAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date : 6-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chitta Ranjan Roy.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kali Prasad Gupta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V,  
CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1976

Ref. No. AC-7/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mouza Barrackpore, situated at P.S. Bally, Dist-Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 14-8-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269C of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of tank with the land underneath and bank land measuring 1/4th share of 5 Bighas 15 cottahs 10 chittaks 8 sft. being Dag No. 2996, 2997, 2999 and 3000 of Kh. No. 1053 situated in Mouza Barrackpore, P. S. Bally, Dist-Howrah more particularly as per deed No. 3223 dated 14-8-1975.

S. S. INAMDAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-V,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date: 6-4-1976

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Panchanan Roy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Mohan Lal Takmani, 2. Krishna Kr. Garg,  
3. Bhagwati Prosad Kanodia, 4. Sambhu Charan  
Kanodia.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V,  
CALCUTTAObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 6th April 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

Ref. No. AC-8/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mouza Barrackpore, situated at P.S. Bally, Dist-Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 14-8-75

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under  
the 'said Act', in respect of any income arising from  
the transfer; and/or

All that piece and parcel of tank with the land underneath and bank land measuring 3th share of 5 Bighas 18 cottahs 9 chittaks 6 sft. being Dag No. 2993, 2994, 2996 and 2997 of Kh. No. 927 and 1053 situated in Mouza Barrackpore, P.S. Bally, Dist-Howrah.

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

S. S. INAMDAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-V,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 6-3-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Panchanan Roy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhabani Charan Nandy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V,  
CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 6th April 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-10/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mouza Barrackpore, situated at P.S. Bally, Dist-Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 13-8-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

All that piece and parcel of tank with the land underneath and bank land measuring 4 bighas 16 cottahs 5 chittaks 3 sft. being Dag No. 2995 of Kh. No. 1097 situated in Mouza Barrackpore, P.S. Bally, Dist-Howrah.

S. S. INAMDAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—36GI/76

Date . 6-4-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Chitta Ranjan Roy.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri 1. Mohan Lal Takmani, 2. Krishna Kr. Garg, 3. Bhagawati Prosad Kanodia &amp; 4. Ambha Charan Kanodia.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V,  
CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1976

Ref. No. AC-9/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mouza Barrackpore, situated at P.S. Bally, Dist-Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 12-8-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of tank with the land underneath and bank land measuring 4th share of 5 Bighas 18 cottahs 9 chittaks 6 sft. being Dag No. 2993, 2994, 2996 and 2997, of Kh. No. 927 and 1053 situated in Mouza Barrackpore, P.S. Bally, Dist-Howrah.

S. S. INAMDAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-V,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date : 6-4-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Shyam Sunder Goenka, 9, Rowdon Street,  
Calcutta,  
(Transferor)

(2) Shrimati Puspa Kajaria, 9, Bonfield Lane, Calcutta.  
(Transferee)

\*(4) 1. Sm. Sushila Kajaria.  
2. Sakun Kajaria.  
3. Sm. Prabhawati Kajaria.  
[Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 18th March 1976

Ref. No. 323/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 145, situated at Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in all the piece and parcel of land measuring 1 bigha 19 cottahs 13 chittacks 14 sq. ft. together with a two storied building thereon at 145, Netaji Subhas Chandra Bose Road, P.S. Jadavpur, 24-Parganas registered under deed No. 4720 of 1975 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-III, Calcutta

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 18-3-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shyam Sunder Goenka, 9. Rowdon Street, Calcutta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 18th March 1976

Ref. No. 324/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 145, situated at Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-8-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Shrimati Puspa Kajaria, 9. Bonfield Lane, Calcutta. (Transferee)

- (3) 1. Sm. Sushila Kajaria.
2. Sm. Sakun Kajaria.
3. Sm. Prabhawati Kajaria.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in all the piece and parcel of land measuring 1 bigha 19 cottahs 13 chittacks 14 sq. ft. together with a two storied building thereon at 145, Netaji Subhas Chandra Bose Road, P.S. Jadavpur, 24-Parganas registered under deed No. 4719 of 1975 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 18-3-1976.

Seal :



FORM ITNS.....

(1) Shri Shyam Sunder Goenka, 9, Rowdon Street,  
Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shrimati Sakun Kajaria, 9, Bonfield Road, Calcutta.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

\* (4) 1. Sm. Sushila Kajaria.

2. Sm. Puspa Kajaria.

3. Sm. Prabhawati Kajaria.

(Person whom the undersigned knows to be interested  
in the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTAObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta, the 18th March 1976

Ref. No. 325/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No. 145, situated at Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-8-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided 1/4th share in all the piece and parcel of land measuring 1 bigha 19 cottahs 13 chittacks 14 sq. ft. together with a two storied building thereon at 145, Netaji Subhas Chandra Bose Road, P.S. Jadavpur, 24-Parganas registered under deed No. 4717 of 1975 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range III, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 18-3-1976.

Seal :

FORM ITNS.....

(1) Shri Shyam Sunder Goenka, 9, Rowdon Street, Calcutta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta, the 18th March 1976

Ref. No. 326/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 145, situated at Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(2) Prabhawati Kajaria, 9, Bonfield Road, Calcutta.

(Transferee)

(4) 1. Sm. Sushila Kajaria.

2. Sm. Puspa Kajaria.

3. Sm. Sakun Kajaria.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in all the piece and parcel of land measuring 1 bigha 19 cottahs 13 chittacks 14 sq. ft. together with a two storied building thereon at 145, Netaji Subhas Chandra Bose Road, P.S. Jadavpur, 24-Parganas registered under deed No. 4716 of 1975 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range III, Calcutta

54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 18-3-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati Sabita Pathak  
40/17B, Moore Avenue, Calcutta-40.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Samir Kumar Panja  
23/40/1, K. M. Nasker Road,  
Calcutta-40.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd March 1976

Ref. No. 327/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 40/17B, situated at Moore Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 11-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 3 cottahs 7 chittacks 11 sq. ft. together with 21storeyed building erected thereon situated at 40/17B, Moore Avenue, P. S. Jadavpur, Calcutta-40, Under deed No. 4167 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Alipore, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax  
Acquisition Range III,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 22-3-1976

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 29th March 1976

Ref. No. 329/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I. L. K. Balasubramanian

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at Gariahat Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore, Calcutta on 14-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. K. Sharafat Hossain  
Bolepur (Nichupati)  
P.O. Bolepur, Dist. Birbhum. (Transferor)
- (2) 1. Sri Ashis Guha Roy  
314, Parnasree Pally, P.S. Behala, 24-Pgs.  
2. Sm. Krishna Roy  
67/1, S. N. Roy Road, Calcutta-38.  
3. Sm. Sukla Chowdhury  
25, East Road, Calcutta-32. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 5 cottahs 3 chittacks and 21 sq. ft. situated and being premises No. 1, Gariahat Road, Calcutta under deed No. 4274 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Alipore, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax  
Acquisition Range III.  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 29-3-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 30th March 1976

Ref. No. 330/Acq.R-III/75-76-Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26/6, situated at Hindusthan Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-8-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the Section (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :—

24—46GI/76

- (1) Shri Deborati Ghosh, 14, Hem Chandra Street, Calcutta-14.  
(Transferor)
- (2) Shri Ganesh Ojha, 26/6, Hindusthan, Park, Calcutta-29.  
(Transferee)
- (3) 1. "Shyama" (Cloth Shop)  
2. "Dress Co." (Cloth Shop)  
3. "Eva Land Tailors" (Cloth Shop)  
4. Sri S. C. Jain  
5. Union Bank  
6. Sri Chobe.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 2.5 cottabs together with three storeyed building erected thereon situated at and being the southern portion of premises No. 26/6, Hindusthan Park, Calcutta as per deed No. 4549 of 1975 registered with Registrar of Assurance, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 30-3-76.

Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA**

Calcutta, the 30th March 1976

Ref. No. 331/Acq.R-III/75-76-Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26/6, situated at Hindusthan Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 4-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Debarati Ghosh, 14, Hem Chandra Street, Calcutta-14.

(Transferor)

(2) Shri Deodip Singh, 26/6, Hindusthan Park, Calcutta-29.

(Transferee)

- (1) 1. Sri Kayan Kr. Saha
- 2. Sri Pritam Singh
- 3. Sri Raini M. Sadwani
- 4. Sri Nagina Ram Sharma
- 5. Union Bank
- 6. Smt. Gayatri Debi.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All the piece and parcel of land measuring 2.5 cottahs together with three storeyed building erected thereon situated at and being the southern portion of premises No. 26/6, Hindusthan Park, Calcutta as per deed No. 4550 of 1975 Registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 30-3-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sunit Kumar Lahiri.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok Kumar Poddar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1976

Ref. No. TR-127/C-126/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, situated at Prafulla Sarkar St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 7-8-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

1/12th share of land being 10 cottah 15 Ch. at premises No. 5, Prafulla Sarkar St., (formerly 16 Bentinck St. & 35, Sootarkin St.) Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-76.

Seal :

FORM ITNS.—

(1) Shri Gouri Choudhuri.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Poddar.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 9th April 1976

Ref. No. TR-128/C-125/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B. of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, situated at Prafulla Sarkar St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 6-8-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

1/12th share in land being 10 cottahs 15 chittacks at No. 5, Prafulla Sarkar St., Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, 3rd Floor, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date, 9-4-76.

Sent :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1976

Ref. No. Ac-1/R-II/Cal/76-77.—Whereas, I, R. V. Lalmawia, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kh. Nos. 202, 162 & 346 and Dag Nos. 234, 234/388, 234/389, 331/368, 331/474 & 228, situated at Mouza Rampur, Pargana Magura, P.S. Maheshallah, Alipore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 19-8-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Chandur Shivandas Advani, s/o Late Shivandas Advani & 2. Smt. Savita Chandur Advani, wife of Chandur Shivandas Advani, both residing at Flat No. 14, in premises No. 10/4, Elgin Rd., Cal. (Transferor)
- (2) 1. Nuruddin M. Abbasbhoy, 2. Sajjad M. Abbasbhoy, 3. Mohamedi M. Abbasbhoy, 4. Feroze M. Abbasbhoy and 5. Zoeb M. Abbasbhoy, all sons of Abbasbhoy, C/o M/s. M. S. Fittings Mfg. Co., 17, Weston Street, Calcutta-13. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1.49 acres in Mouza Rampur, Pargana Magura P.S. Maheshallah, Distt. Alipore, of Kh. Nos. 202, 162 & 346, Dag Nos. 234/338, 234/389, 331/368, 331/474 & 228.

R. V. LALMAYIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta,

Date : 8-4-76.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Tara Chand Mohanka, 36, Ezra Street, Calcutta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Techno Electric &amp; Engineering Co. Pvt. Ltd., P46A, Radhabazar Lane, Calcutta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1976

Ref. No. Ac. 2/R-II/Cal/76-77.—Whereas, I, R. V. Lal-mawia, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 926, situated at Alipore Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registrar of Assurances, Calcutta on 8-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 11-kottahs, 7-chittaks & 5-sq. ft. at 92E, Alipore Rd., Calcutta.

R. V. LALMAWIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta

Date : 8-4-76.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th February 1976

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/315.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nohra No. 12 situated at Sriganganagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 18-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Santlal  
(2) Shri Ram Daval  
(3) Shri Hukamchand  
(4) Shri Tarachand  
(5) Shri Madanlal Sons of Shri Ramsukhdas alias Ramsarupdas Aggarwal,  
R/o Sriganganagar.

(Transferor)

- (2) Shri Amarlal S/o Shri Karamchand Arora,  
R/o Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Nohra No. 12, measuring 22×90 ft. in Industrial Area, Sriganganagar more fully described in conveyance deed registered on 18-8-1975 by Sub-Registrar Sriganganagar.

C. S. JAIN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 10-2-1976,  
Seal ;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th February 1976

Ref. No. Raj/IAC/(Ac)/316.—Whereas, I. C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nohra No. 12 situated at Sriganganagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sriganganagar on 5-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Santlal
- (2) Shri Ram Dayal
- (3) Shri Hukamchand
- (4) Shri Tarachand
- (5) Shri Madanlal, Sons of Shri Ramsukhadas alias Ramsarupdas Aggarwal, R/o Sriganganagar.

(Transferor)

- (2) Shrimati Shila Devi w/o Shri Amarlal Arora, R/o Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Nohra No. 12, measuring 20×90 ft. in Industrial Area, Sriganganagar more fully described in conveyance deed registered on 5-9-1975 by the Sub-Registrar, Sriganganagar.

C. S. JAIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 10-2-1976,  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 2nd April 1976

Ref. No. X/1/63(AUG)/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-  
NATHAN,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. 1-B, situated at New Natham Road, Madurai-2,  
situated at Sagar(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officerat Madurai (Doc. No. 2657/75) on August 1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the Said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Sec-  
tion (1) of Section 269D of the Said Act to the following  
persons, namely :—

25—46 GI/76

(1) Shri K. Padmanabhan,  
Chartered Engineer,  
1B, New Natham Road, Madurai.

(Transferor)

(2) Shri S. E. Varusai Mohamed Ravoothar,  
280B, Goodshed Street, Madurai-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter XXA of  
the Said Act shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 18 cents with buildings thereon at door  
No. 1B (T.S. No. 4471/1A), New Natham Road Madurai.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 2-4-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri An Jeth Ahamed,  
41, Promonade Road, Tiruchirapalli-1.

(Transferor)

(2) M/s. Vincent & Co., (P) Ltd.,  
No. 6, Madurai Road, Tiruchirapalli-1.  
Represented by Shri P. Krishnamoorthy Rao,  
Director,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 6th April 1976

Ref. No. X/10/7(AUG)/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 situated at West Veli Street, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 1492) on 14-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/3rd of the 2/3rds undivided share in land measuring 1202 sq. ft. with building thereon at door No. 4 (Survey No. 448), West Veli Street, Madurai.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-4-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Zafar Ahamed,  
J. 122/1, Gangaikondar Colony,  
NEYVELI 2, South Arcot Dt.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Vincent & Co., (P) Ltd.,  
No. 6, Madurai Road, Tiruchirapalli-1.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 6th April 1976

Ref. No. X/10/8/(AUG)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 situated at West Veli Street, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 1493/75 on 14-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person increased in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/3rd of the 2/3rds undivided share in land measuring 1202 sq. ft. with building thereon at door No. 4 (Survey No. 468), West Veli Street, Madurai.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-4-1976.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 6th April 1976

Ref. No. X/10/96(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 situated at West Veli Street, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 1671/75) on Sept. 1975 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Shawket Ahamed,  
"Dilkusha",  
16-8-238/2, Malakpet, Hyderabad-36.  
(Transferor)

(2) M/s. Vincent & Co., (P) Ltd.,  
No. 6, Madurai Road, Tiruchirapalli-1.  
Represented by Shri P. Krishnamoorthy Rao,  
Director,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd of the 2/3rds undivided share in land measuring 1202 sq. ft. with building thereon at door No. 4 (Survey No. 468), West Veli Street, Madurai.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 6-4-1976.

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 6th April 1976

Ref No. XVI/1/20(AUG)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12/350 situated at Rajaji Road, Salem-7, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 3337/75) on August 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent to such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Vijayalakshmi W/o Shri Gopalakrishna Menon,  
By Power of Attorney Agent  
Shri K. Vasudevan Nair, Chennakrishnapuram,  
Salem-7.

(Transferor)

(2) 1. Shri A. S. Mani,  
2. Shri A. S. Venkataraman,  
3. Shri A. N. Rajamani,  
4. Shri M. Nanjundan,  
5. Shri A. V. Sundaresan,  
Minor A. M. Sivakumar,  
Minor M. Srinivasan  
by father and guardian Shri A. S. Mani,  
Minor R. Balasubramanian,  
Minor R. Naranaganesb,  
Minor R. Suresh,  
by father and guardian Shri A. N. Rajamani.  
Photo House, Mani Studio, 1st Agraharam,  
Salem-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 33464 sq. ft. with buildings thereon at door No. 12/350 (T.S. No. 5, Block 17, Ward 'C'), Chairman Rajagopalachari Road, Sivasamipuram Extension Salem.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 6-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 6th April 1976

Ref No. XVII/2/11(AUG)/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Pottireddipatti village, Namakkal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erumapatti, Namakkal (Doc. No. 726/75) on 7-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. Salima Bi Ammal, W/o Abdul Ajeez Sahib,
- (2) Shri Anwar Basha, Pudu Agraharam, Namakkal, Kamal Basha,
- (3) Shri Thabruz Basha
- (4) Shri Edappadi, Iqbal,
- (5) Shri Pudu Agraharam, Namakkal.

(Transferor)

- (2) Smt. Kuppulakshmi W/o Varadarajun, Pera Kurichi P.O. Namakkal Taluk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands at Pottireddipatti village, Erumapatti, Namakkal Taluk having the following measurements :

Survey Nos. 304/1 & 304/2—3 Acres and 72 cents with half share in shed and well.

Survey No. 305/1—4 Acres and 94 cents with half share in well, motor, pumpset and trees.

Survey Nos. 304/3 and 4—21 cents with half share in trees.

Survey No. 305/2—2 Acres and 86 cents with half share in trees.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 6-4-1976.

Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Shri Puttan (alias) Mari Gounder (1),  
Shri Chinnasamy Gounder,  
Vakurappampatti village, Arur Tq., Dharmapuri Dt.,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B. Srinivasan,  
Raji Vakurappampatti village,  
Arur taluk, Dharmapuri district.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 7th April 1976

Ref. No. V/15/72(AUG)/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority,  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 209/2 situated at Vakurappampatti village, Dharmapuri Dt.,

(and more fully described in the schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Barur (Doc. No. 695/75) on August 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 19 acres in Survey No. 209/2, Vakurappampatti village, Arur taluk, Dharmapuri district.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 7-4-1976.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 7th April 1976

Ref. No. XVII/3/69(AUG)/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. 636/13 situated at Arasiramani Village Indappadi, Namakkal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Idappadi (Doc. No. 1172/75) on 29-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Veerayammal (1)  
W/o Arumuga Gounder,  
Periyayi (2),  
Mariammal (3) and  
Palaniammal (4) } minors  
Settipatti Arasiramani village, Namakkal.

(Transferor)

- (2) Shri Nagappa Chettiar (1),  
Shri Palaniappan and  
Shri Kandappan (3),  
Thavantheru, Edappadi, Namakkal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 3.30 share in land measuring 5 acres and 17 cents in R.S. No. 636/13, Arasiramani village, Namakkal.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 7-4-1976.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 7th April 1976

Ref. No. XXII/1/55(AUG)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 152/1 situated at Piranur, Tenkasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenkasi (Doc. No. 763/75) on 30-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, by the following person, namely :—

26—46GI/75

- (1) Heeralal Nanda,  
Shri Yashpal Nanda,  
Shri Ranbeer Kumar Nanda and Smt. Neelam Nanda  
w/o Ranbeer Kumar Nanda by power of attorney  
agent Heeralal Nanda,  
No. 85, Venkatasamy Road, R. S. Puram,  
Coimbatore.

(Transferor)

- (2) M/s. Sakti Automatic Saw Mills, Piranur, Tenkasi;  
By partners

1. Shri Abjee Samjee;
2. Shri Dasarath;
3. Shri Babulal and
4. Shri Karamji,

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1-15 acres with buildings thereon with trees, machinery, etc., in Survey No. 152/1, Piranur village, Tenkasi covered by Doc. No. 763/75.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 7-4-1976.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 7th April 1976

Ref. No. XXII/1/56(AUG)/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 152/2 situated at Piranur village, Tenkasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tenkasi (Doc. No. 764/75) on 30-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section(1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely :—

(1) Shri Ranbeer Kumar Nanda,  
by Power of Attorney Agent  
Shri Heeralal Nanda.  
85, Venkatasamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.  
(Transferor)

(2) M/s. Abjee Samjee,  
Shri Dasarath,  
Shri Babulal and  
Shri Karamji,  
Timber and Saw Mill merchants,  
Palladam Road, Pollachi taluk.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 acre and 10 cents in Survey No. 152/2, Piranur village, Tenkasi with 4 coconut trees and 2 neem trees.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 7-4-1976.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri E. Nesamani Sulochana,  
Old Edapadi Road, Sangagiri,  
Namakkal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 7th April 1976

Ref. No. XVII/9/51(AUG)/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-  
NATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Sangagiri and Kasturipatti villages, Namakkal (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sankaridurg (Doc. No. 636/75) on 26-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri T. Alagappan,  
Railway contractor, Sangagiri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands bearing the following survey numbers in :

## I. SANGAGIRI VILLAGE :

Survey No. 172/1	0-71 Acres
Survey No. 172/2	0-69 Acres
Survey No. 172/4	0-37 Acres
Survey No. 172/5	0-12 Acres
Survey No. 216/1	1-12½ Acres
Survey No. 216/2	0-75½ Acres
Survey No. 216/4	0-29½ Acres
Total : 4.06½ Acres	

## II. KASTURIPATTI

6/14	0-26 Acres
6/2	0-22½ Acres

Total : 0-48½ Acres.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 7-4-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madrass-6, the 7th April 1976

Ref. No. XVII/13/71(AUG)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 367/9 and 368/3A situated at Thenur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumarapalayam (Doc. No. 1241/75) on 27-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Chinnathambi and Periasamy,  
Pudupalayam Thenur, Kumarapalayam.  
(Transferor)
- (2) Shri P. Sukkuraj,  
Pudupalayam Thenur, Kumarapalayam.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half share in land measuring 2 acres and 56 cents in Survey Nos. 367/9 and 368/3A, Thenur village.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 7-4-1976.

Seal :



FORM ITNS—

(1) Shrimati Kamallesh Kumari Devi,  
D/o Shreeshesa Pratap Singh Deo.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shrimati Kama Devi,  
W/o Ram Kumar Ram.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
9, FOREST PARK, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 27th February 1976

Ref. No. 23/75-76/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, G. B.  
CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 11-B situated at Suryanagar, Bhubaneswar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhubaneswar on 13.8.1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of an income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storeyed building situated at Suryanagar, Bhubaneswar bearing Plot No. 116-B registered on 13.8.75 in the Office of the Sub-Registrar, Bhubaneswar vide sale deed No. 5112.

G. B. CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date : 27.2.1976  
Seal :

FORM ITNS

(1) Vegesina Ramakrishna Raju, Narasimhapuram  
(Transferor)(2) Uddaraju Parvathavardhanamma, Bhimavaram  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th February 1976

Ref. No. Acq. File No. 318 J.No. I(134)WG.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 69/1 & 69/2, situated at Peda Amiram Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhimavaram on 31-9-1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document no. 1677/75 of the SRO, Bhimavaram registered during the fortnight ended on 31-8-75.

B. V. SUBBA RAO,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 19-2-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri, G. V. V. Rangaramanujam, Late. G. G. Krishna  
Murthy, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) D. Rangarao, S/o. Late Gurusaiiah, Mylavaram.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASS'T. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 27th February 1976

Ref. No. Acq. File No. 323 J.No. 129/KR/75-76.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door No. 163/New No. 104, situated at Mylavaram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylavaram on 15-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 882/75 of the SRO, Mylavaram registered during the fortnight ended on 15-8-1975.

B. V. SUBBA RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 27-2-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Poduri Narasimha Murthy, Warrangal.  
(Transferor)

(2) Dr. V. Krishnam Raju, Amalapuram.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 16th March 1976

Ref No. Acq. File No. 327 M.E.No.316.—Whereas, I,  
B. V. SUBBA RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 60 situated at Ward 5, Kuchimanchivari Street, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram on 15-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document no. 2959/75 of the SRO, Amalapuram registered during the fortnight ended

B. V. SUBBA RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 16-3-1976.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) The Executive Officer, Sri Laxmi Narasimha Swamy  
Devastanam, R. Agraharam, GUNTUR.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) I.L.T.D. Company, Guntur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADAObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 2nd April 1976

Ref. No. Acq. File. No. 328 J.No. 190/GTR/75-76.—  
B. V. SUBBARAO,being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingSurvey No. 407 situated at Kannavari Tota  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under theRegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer at

Guntur on 15-8-1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of  
the aforesaid property and I have reason to believe that the  
fair market value of the property as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent  
of such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of the notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said im-  
movable property within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);The schedule property as per document No. 4472/75 of  
the S.R.O., Guntur registered during the fortnight ended on  
15-8-75.

B. V. SUBBARAO,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

27—46 GI/76

Date : 2-4-1976

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Kaushal Kumar Bakshi s/o  
late Shri Rattan Lal,  
r/o E-110/1, Naraina Colony, New Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th March 1976

Ref. No. IAC/ACQ.III/SR.III/Oct./433 (1)/75-76.—  
Whereas, I. S. C. PARIJA  
being the Competent Authority under  
Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'Said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Plot No. R. 18, Village Masjid, situated at Moth, South  
Extension Part II, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-  
tering officer at  
New Delhi on 18-10-1975,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the Said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons  
namely :—

- (2) Shri Kirpal Mohan Vermani s/o Sh. Fatch Chand  
Vermani r/o A-73, Malviya Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the Said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

A free-hold plot of land No. R-18, measuring 377.8 sq.  
yds. situated in Village Masjid Moth, South Extension Part II,  
New Delhi and bounded as under —

East :	Road 36'
North :	Plot No. R-19
West :	Service lane
South :	Plot No. R-17

S. C. PARIJA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date : 30-3-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 2nd April 1976

Ref No. IAC/Acq.I/598/75-76.—Whereas I, C. V. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 178, situated at Jorbagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 20-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

(1) Shri Harish Chandra Shankarbhai Amin, s/o Sh. Shankarbhai Jorabhai Amin and Smt. Ranjan Harish Chandra Amin, w/o Sh. Harish Chandra Shankarbhai Amin, both r/o A-22, Grand Paradi, August Kranti Marg, Bombay-36.

(Transferor)

(2) Shri Durga Dass Bahl, s/o Sh. Har Narain Bahl and Devinder Nath Bahl s/o Shri Durga Dass Bahl both, r/o 178, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A double storey residential building with Barsati on land measuring 372 sq. yds of Plot No. 178, Block No. 172, Jor Bagh, New Delhi, in the New Capital of Delhi and bounded as under :—

North : By Building on Plot No. 177, Block No. 172.  
South : By Building on Plot No. 179, Block No. 172.  
East : 100' wide main road.  
West : 20' wide service road.

C. V. GUPTA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 2-4-1976.

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 1st March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1102/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 255 situated at Azad Market, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amar Nath s/o Sh. Hari Ram,
- (2) Smt. Amar Kaur w/o Late Sh. Sukhjit Singh herself and natural guardian of her minor children Satwant Singh, Gurcharan Singh, Balbinder Kaur & Parkash Singh r/o 327 Bagh Kare Khan, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Basant Kumar s/o Sh. Jai Chand r/o 131 Old Gupta Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Government built shop No. 255 Azad Market, Delhi constructed on a plot of land measuring 22.5 Sq. yds and bounded as under :—

North : Library Road  
South : Road  
East : Shop No. 256  
West : Shop No. 254

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 1-3-1976

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 27th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1103/2334/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 of 6454, situated at Katra Beryan, Gali Pipal Wali, Delhi-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Navin Chand s/o Sh. Om Parkash r/o H. No. 6454, Katra Beryan, Delhi; 6  
(Transferor)

(2) Smt. Gianwati w/o Sh. Ved Parkash  
2. Sh. Suresh Chand s/o Sh. Shri Ram, r/o 6454, Gali Pipal Wali, Katra Beryan, Delhi-6.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

½ share of a double storyed house constructed on land measuring 192 sq. yds situated at No. VI/6454 Katra Beryan Gali Pipal Wali, Delhi-6.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi,

Date : 27-2-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Karan Devi w/o Sh. Hari Ram r/o H. No. 7351 Prem Nagar, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Om Parkash Gupta s/o  
Shri Shiv Narain Gupta,  
r/o 682, Bara Tooti, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110001

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

New Delhi-110001, the 1st March 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq.II/1104/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-18 situated at Satyawati Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Free-hold plot of land No. 18 in Block 'D' measuring 150 sq. yds situated at Satya Wati Nagar, Delhi and bounded as under :—

North : Service Lane  
South : Road  
East : Plot No. 19/D  
West : Plot No. 17/D

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely :—

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 1-3-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Kashmira Singh s/o Shri Ganda Singh through General Attorney Sh. Budh Parkash Goyal s/o Shri Kundan Lal Goyal, r/o I/150-152, Nagar, Shahdara, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sobha Rani w/o Shri Budh Parkash Goyal, r/o I/150-152, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi-32.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 1st March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1104/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. I/150-152 situated at Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property built on two markets plots No. 150 and 152 Block No. I measuring area each plot 50 sq. yds totalling area of the both plots 100 sq. yds situated in the abadi of Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi and bounded as under :—

East : Road 30 feet  
West : Plot No. I/149-151  
North : Plot No. I/148  
South : Road

S. N. L. AGARWALA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 1-3-1976

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 1st March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1106/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-30 situated at Bunglow Road, Adarsh Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Nath s/o Pt. Lal Chand r/o 9/2 Vijay Nagar, Delhi-9 through Sh. Om Parkash s/o Sh. Ram dev r/o 41, Prithvi Raj Road, Adarsh Nagar, Delhi-33.

(Transferor)

(2) Prem Wati w/o Shri Om Parkash s/o 41, Prithvi Raj Road, Adarsh Nagar, Delhi-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Southern portion of plot of land measuring 177.7 sq. yds out of total area of 400 sq. yds of plot of land situated at C-30, Adarsh Nagar, Bunglow Road, Delhi and bounded as under:—  
North : Portion remaining  
South : Road  
East : Plot No. 32-C West : Plot No. 28-C

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 1-3-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 1st March 1976

Ref. No. IAC/Acq. II/1107/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3C/39 situated at New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
46—GI/76

- (1) Shri Arun Krishna Mukherjee s/o Shri A. C. Mukherjee, through Miss Renu Mukherjee d/o Sh. A. C. Mukherjee, r/o 3-C/43, New Rohtak Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Leela Bhattacharya w/o Shri Brajamadhava Bhattacharya r/o 3-C/39 New Rohtak Road, New Delhi. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A single storied pucca house situated at No. 3-C/39, Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi on land measuring 286.34 sq. yds and bounded as under:—

North : Plot No. 40  
South : Road  
East : Service Road  
West : Open Govt. Land

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 1-3-1976  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 1st March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1108/2349/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4076, 4077 and 4078 situated at Naya Bazar, Burn Baston Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shanti Devi w/o Sh. Sumar Chand  
r/o 1882, Kucha Chelan, Khari Baoli, Delhi.  
(Transferor)

1. Smt. Krishana Devi w/o Sh. Panna Lal.
2. Shri Surinder Kumar s/o Shri Panna Lal.  
r/o 2228, Kucha Chelan, Darya Ganj, Delhi.
3. Smt. Lachhmi Devi w/o Shri Sri Kishan Das  
r/o B-4/20 Model Town, Delhi.
4. Shri Sri Chand s/o Shri Hanuman Parshad.
5. Smt. Maya Devi w/o Sh. Jagan Pershad.  
r/o 1052, Phatak Mufli Walan, Tiraha Behram Khan, Delhi.
6. Sh. Subhash Chand s/o Sh. Kidar Nath r/o 3204,  
Kucha Tara Chand, Darya Ganj, Delhi.
7. Smt. Kamla Devi w/o Sh. Sheo Chand Rai.
8. Smt. Geeta Devi w/o Jagdish Parshad r/o 833, Chandni Mahal, Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share (Undivided) of a property consisting of a three storeyed building bearing Municipal No. 1913 (old) and 4076, 4077 and 4078 (New) Ward No. 3, built on plot No. 130 measuring 232 sq. yds situated at Naya Bazar Burn Baston Road, New Delhi and bounded as under :—

North : Property of Sh. Kesri Chand Mohan Lal  
South : Shop of M/s Chander Bhan Raj Kumar  
East : Main Road Naya Bazar  
West : Gali Tram Wali.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 1-3-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ram Autar Singh S/o Sri Rasho Singh, At-Mohanpur, PS/Dt—Begusarai.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satya Narain Singh, Ram Murti Singh, Sons of Sri Ram Lakhan Singh, At Wolipur, PS—Barhia Dt. Monghyr.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
PATNA

Patna, the 2nd March 1976

Ref. No. III-148/Acq/75-76/2263.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/1 and bearing No. as in deed No. 6656 situated at Pathua, PS-Barhia, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lakhisarai on 12-8-75, for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land 15 Bigha 6 Katha 15 Dhur at Pathua, PS—Barhia Dt. Monghyr as described in deed No. 6656 dated 12-8-75.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

Date : 2-3-1976

Seal :

